ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-221

पाकिस्तान में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर जारी हैं कहर

राहुल गांधी को भेज रहे मीठा आम...

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के शैतानियत से बांग्लादेश कराह रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान भारतवर्ष के खास-खास विपक्षी नेताओं से मीठे संबंध कायम कर रहा है, ताकि भविष्य में काम आए। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद समेत कांग्रेस के कई नेता यह कह ही चुके हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात आ सकते हैं। यह खुली चेतावनी है, लेकिन कांग्रेस की तरफ से इसका आधिकारिक खंडन या मंडन नहीं आया है। अर्थात, कांग्रेस इस भारत के लिए दी गई इस चेतावनी को अपनी हरी झंडी दे रही है।

राहुल समेत 7 नेताओं के लिए पाकिस्तान ने भेजा आम का तोहफा

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि पाकिस्तान ने कुछ खास-खास विपक्षी नेताओं के लिए आम का तोहफा भेजा है। पाकिस्तान के मीठे आम का तोहफा पाने वाले सात खास नेताओं में सबसे

▶10 पर

हिंदू समुदाय को दे रहे तीखा जहर...

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान एक तरफ भारत के सात खास नेताओं के लिए आम का तोहफा भेज रहा है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान में अत्याचार से त्रस्त हिंदुओं की खेप दर खेप भाग कर भारत आ रही है। भारत के वे सभी नेता पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर चुप हैं जो पाकिस्तानी आम खाने में मस्त हैं। पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार बदस्तूर जारी है। हिंसा से बचने के लिए वहां के हिंदू एवं अन्य अल्पसंख्यक लगातार पलायन कर रहे हैं। इसी क्रम में पाकिस्तान के दो हिंदू परिवारों के करीब दो दर्जन लोग भाग कर बुधवार को अमृतसर के पास अटारी सीमा पार कर गए। पाकिस्तानी हिंदू परिवार को जोधपुर ले जाया गया है। पाकिस्तान से भारत आने वाले दर्शन और बिरया राम के परिवार ने

▶10 पर

पाकिस्तानी आम खाने वाले नेता हिंदुओं पर हो रहे जुल्म पर चुप

संसद में पेश वक्फ बोर्ड संशोधन बिल जेपीसी में भेजा गया

विधेयक हक लेने का नहीं देने का है: रिजिजू

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। विधेयक पारित होने पर सरकार को वक्फ सम्पत्तियों को विनियमित करने में बड़ी भूमिका मिलेगी। हालांकि विपक्षी सांसदों ने इसकी निंदा करते हुए इसे असंवैधानिक और कठोर बताया है। इस पर रिजिजू ने कहा कि विपक्ष की सारी आशंकाओं को दूर किया जाएगा। यह विधेयक किसी का हक लेने के लिए नहीं बल्कि उन्हें अधिकार दिलाने के लिए लाया गया है, जिन्हें कभी उनका अधिकार नहीं मिला। विधेयक पर करीब एक घंटा बोलने के बाद किरेन रिजिजू ने इस बिल को जेपीसी में भेजने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने

विपक्षी गठिबंधन के नेताओं ने विधेयक का विरोध किया

विपक्ष के कई मुस्लिम सांसदों ने 'गुप्त' सहमति जताई

कहा कि उनकी सरकार इस बिल को जेपीसी के लिए भेजने का प्रस्ताव देती है। इस प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वे इस मामले में विचार के लिए कमेटी गठित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। किसी के अधिकार छीनने की बात तो भूल ही जाइए, यह विधेयक उन लोगों को अधिकार देने के लिए लाया गया है जिन्हें कभी अधिकार नहीं मिले। उन्होंने कहा, इस विधेयक से संविधान का उल्लंघन नहीं हो रहा है। जिन्हें हक नहीं मिला उन्हें हक देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। किसी धर्म में दखल नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष की सारी आशंकाएं दूर की जाएंगी। इस विधेयक का समर्थन करिए करोड़ों लोगों की दुआएं मिलेंगी।

रिजिजू ने कहा, विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। कल देर रात मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल मेरे पास आए थे। कई सांसदों ने मुझे बताया है कि माफिया ने वक्फ बोर्डों पर कब्जा कर लिया है। कुछ सांसदों ने कहा है कि वे व्यक्तिगत रूप से विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन अपने राजनीतिक दलों के कारण ऐसा नहीं कह रहे हैं। हमने इस विधेयक पर बहुस्तरीय देशव्यापी विचार-विमर्श किया है। विपक्ष ने नेताओं के नाम पूछे तो मंत्री ने कहा, मैं आप लोगों का सियासी रिश्ता खराब नहीं करूंगा। इसलिए मैं नाम नहीं बताऊंगा।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि इस विधेयक का नाम अब यूनाइटेड वक्फ एक्ट मैनेजमेंट,

▶10 पर

राज्यसभा में टीएमसी सांसद डेरेक ब्रायन की बदतमीजी की इंतिहा

आसन छोड़ कर चले गए नाराज सभापति

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

ओलंपिक खेल के नियम भारत की सस्ती राजनीति से तो बदलेंगे नहीं। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य फ्रांस ओलंपिक में वजन के नियम पर विनेश फोगाट के पदक से वंचित होने पर ओछी राजनीति से बाज नहीं आ रहे हैं। ओलंपिक खेल फ्रांस में हो रहा है लेकिन विपक्ष इसके लिए भी मोदी सरकार पर ही उंगली उठा रहा है। राज्यसभा भी आज विनेश फोगाट के मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सभापति जगदीप धनखड़ से अभद्रता की। इस घटना के बाद जगदीप धनखड़ अपना आसन छोड़ कर चले गए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आग में घी डालने का काम किया। खड़गे ने कहा, हमें कारण जानना है कि विनेश फोगाट को बाहर क्यों किया गया और भारत सरकार ने कुछ नहीं किया। जबकि विनेश को प्रतिस्पर्धा से बाहर क्यों किया गया, इसकी खबर दुनियाभर के अखबारों और चैनेलों पर आ चुकी थी। लेकिन खड़गे का सवाल पूर्व नियोजित था। खड़गे के सवाल पूछते ही टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन सभापति के आसन की तरफ उंगली करके चीखने चिल्लाने लगे। इस बात से सभापति जगदीप धनखड़ काफी नाराज हो गए।

डेरेक ब्रायन की हरकत घटिया है, मैं इसकी निंदा करता हूं

कुछ लोग पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बना रहे हैं

धनखड़ ने कहा, आपकी हिम्मत कैसी हुई अध्यक्ष पर चिल्लाने की? आपकी हरकत सबसे घटिया हरकत है। मैं इसकी निंदा करता हूं। अगली बार मैं आपको सदन से बाहर कर दूंगा। आपने अध्यक्ष की ओर हाथ करके चिल्लाने की हिम्मत कैसे की? सभापति ने कहा, हमने सदन के अंदर अभी सबसे खराब स्थिति देखी। हमने आपातकाल के दौरान अपने संविधान का सबसे काला दौर देखा था। हमें पता है यह कैसे शुरू हुआ था। यह सबसे संवैधानिक संस्थाओं को चुनौती देने के साथ शुरू हुआ था। जून 1975 में चुनौती थी। अभी भी गंभीर चुनौती है। क्या इस तरह के व्यवहार की कोई सही ठहरा सकता है?

विपक्ष के हंगामे और वाकआउट पर जगदीप धनखड़ ने कहा, विपक्ष के लोग इस पवित्र सदन की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। इसे अराजकता का केंद्र बना रहे हैं। ये सांसद गलत आचरण तो दिखा ही रहे हैं, साथ ही शारीरिक रूप से भी सभापति के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आहत मन से कहा, पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना। अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना, यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा लांघने वाला आचरण है।

▶10 पर

दिल्ली पुलिस की चार्ज शीट से हुआ खुलासा

सीएम घर में ही थे जब स्वाति को पीटा जा रहा था

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के घर में जो मारपीट की घटना घटी थी, उस मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट ने कई बड़े खुलासे कर दिए हैं। असल में अब यह बात सामने आ रही है कि 13 मई को जब स्वाति को विभव कुमार ने पीटा था, तब सीएम अरविंद केजरीवाल अपने घर में ही मौजूद थे। दिल्ली पुलिस ने अपनी चार्जशीट में प्रामाणिक तौर पर यह दावा किया है। घटना वाले दिन मुख्यमंत्री केजरीवाल और आरोपी विभव साथ में ही थे। दिल्ली पुलिस यह मान रही है कि स्वाति मालीवाल के साथ हुए घटना एक बड़ी साजिश थी। पुलिस का मानना है कि स्वाति के साथ जो कुछ भी हुआ है, वो किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है।

▶10 पर

राज्यसभा की 12 सीटों पर उपचुनाव 3 सितंबर को

आम चुनाव के बाद बिछी प्रतिष्ठा की दूसरी बिसात

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने बुधवार को उच्च सदन की 12 रिक्त सीटों के लिए कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा सांसद के तौर पर निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई थीं। बाद में राज्यसभा के दो सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था।

चुनाव आयोग ने नौ राज्यों में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इनमें हरियाणा में एक बार फिर एनडीए बनाम इंडी की कड़ी लड़ाई दिख सकती है। महाराष्ट्र के हालिया सियासी घटनाक्रमों को देखते हुए यहां भी राज्यसभा उपचुनाव पर सबकी नजरें टिकी होंगी।

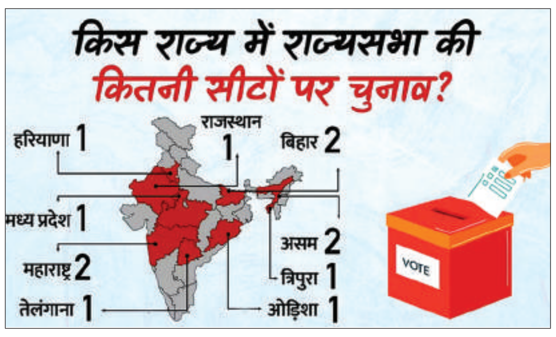

चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 14 अगस्त को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। प्रत्येक राज्यसभा सीट के लिए 3 सितंबर को अलग-अलग चुनाव होगा और 3 सितंबर को ही नतीजे घोषित किए जाएंगे। राज्यसभा में 10 सीटें लोकसभा चुनावों के बाद खाली हो गई थीं। राज्यसभा सचिवालय ने इन रिक्तियों को अधिसूचित किया था। जो सीटें खाली हुईं, उसमें असम, बिहार और महाराष्ट्र में दो-दो, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा में एक-एक सीट शामिल हैं। इस अधिसूचना के बाद 7 अगस्त को निर्वाचन आयोग राज्यसभा में इन रिक्तियों को भरने के लिए चुनाव की नई तारीखों की घोषणा की। मध्य प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की। भाजपा नेता को केंद्र की मोदी कैबिनेट में दूरसंचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय भी सौंपा गया है। महाराष्ट्र से भाजपा के राज्यसभा के सांसद रहे पीयूष गोयल और उदयनराजे भोंसले अब लोकसभा के सदस्य हैं। मुंबई उत्तर सीट से जीते गोयल को मोदी सरकार में

▶10 पर

प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकाता, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाम मोर्चा शासन के दूसरे और आखिरी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। बुद्धदेव 2000 से 2011 तक लगातार 11 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेव की निधन की खबर उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह दी। उनके निधन से पूरे बंगाल में शोक

18 साल मंत्री और 11 साल सीएम रहने वाले बुद्धो दा के पास न कोई बंगला न कोई कार

का लहर है। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया। चिकित्सा अनुसंधान के लिए बुद्धदेव भट्टाचार्य ने भी तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु की तरह अपना देहदान करने की शपथ ली थी। सीपीएम नेता मोहम्मद सलीम ने कहा कि उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, शरीर को चिकित्सा में अनुसंधान के लिए दान कर दिया जाएगा।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 22^0

बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच भारत सरकार का बड़ा फैसला

सभी वीजा केंद्र अनिश्चितकाल के लिए बंद

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत सरकार ने बांग्लादेश में अपने सभी वीजा केंद्र बंद रखने का फैसला किया है। भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले ऑनलाइन पोर्टल पर जारी किए गए बयान के अनुसार, सभी भारतीय वीजा आवेदन केंद्र अगले आदेश तक बंद रखे जाएंगे। बांग्लादेश में जारी अस्थिरता के चलते यह फैसला किया

भारत ने बांग्लादेश से कई राजनयिकों को वापस बुलाया

गया है। आवेदन की अगली तारीख की जानकारी जल्द ही मैसेज के जरिए दे दी जाएगी। पासपोर्ट अगले कार्यदिवस पर लिया जा सकता है। भारत सरकार ने बांग्लादेश में बिगड़ते हालात को देखते हुए एक दिन पहले ही बांग्लादेश स्थित दूतावास और महावाणिज्य दूतावास से अपने अतिरिक्त कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस दिल्ली बुला लिया था। सरकार के इस फैसले के बाद ही सभी वीजा केंद्र बंद रखने का फैसला किया गया है। हालांकि अभी भी बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त और कई अन्य कर्मचारी मौजूद हैं और दूतावास में सामान्य रूप से काम हो रहा है। बांग्लादेश में भारत के एक उच्चायुक्त और चटगांव,

▶10 पर

बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बना रहे कट्टरपंथी

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और भारत आने के बाद से लगातार हिंदुओं के विरुद्ध इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा जारी है। हिंदुओं के घरों पर इस्लामी भीड़ हमला कर उन्हें जला रही है। हिंदू अपनी जान बचाने को भाग और छिप रहे हैं। उन्हें बचाने के लिए कोई व्यवस्था काम नहीं कर रही।

बांग्लादेश के नारायणपुर जिले के रघुनाथपुर में रहने वाले माखन सरकार ने अपनी आपबीती फोन पर सुनाई। उन्होंने बताया कि नारायणगंज स्थित उनके घर पर लगभग 400 लोगों की भीड़ ने हमला किया और उनका घर लूट लिया। उनके घर में तोड़फोड़ भी की गई। माखन सरकार अपने परिवार सहित जान बचाने के लिए यहां से भाग गए।

▶10 पर

जैन धर्म गहुली कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत जैन धर्म गहुली (वे टू निर्जरा) कार्यशाला जीतो ऑफिस चामराजपेट में आयोजित की गई। जिसमें 35 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया व तपस्वियों की साता पूछते हुए कहा ये जीतो महिला विंग के लिए बहुत ही खुशी की बात है कि हम सभी महिलाएं आज विभिन्न प्रकार की गहुली सीख कर मंदिर एवं अनेक धार्मिक आयोजनों में इसका उपयोग कर सकते है। महामंत्री मोनिका पिरगल ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे जीवन में धर्म क्रियाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। गहुली में स्वा-स्तिक चारों गतियों (मनुष्य, देव, तिर्यंच, नरक गति) से मुक्त होकर तीन ढेरी दर्शन ज्ञान चरित्र को प्राप्त करके, सिद्धशिला (मोक्ष) में विराजित होने का मार्गदर्शन करने की आराधना है।

उन्होंने जीतो महिला विंग के जेबीएन वी प्रेनॉर्स लॉन्च की जानकारी दी एवं ई डायरेक्टरी के निर्माण हेतु सदस्यों से अपना डेटा अपडेट करने का आग्रह किया। कार्यशाला प्रशिक्षक पुजा जैन ने अनेक रंगों के चावल से विभिन्न प्रकार की गहुली एवं नंदावत बनाना सिखाया। साथ ही उन्होंने गहुली के अर्थ एवं महत्व को भी सरल शब्दों में बताया। उन्होंने नंदावत का अर्थ बताया कि नंदी का अर्थ है आनंद, सुख व खुशी तथा आवत का अर्थ है भवर तो हमें इस भवर से बाहर निकल कर मोक्ष के सुखों अर्थात परम आनंद को पाने की कामना करनी है।

इसी प्रकार से स्वास्तिक के माध्यम से दान, शील, तप और भाव को लाकर आत्म कल्याण के मार्ग को प्राप्त करना है। साथिया का आगमिक नाम है सोवथिय, जो मंगल कल्याण करता है, जो पाप का निरंजन करता है, जो पुण्य का विस्तार कराए। जिस प्रकार से चावल का सफेद वर्ण होता है, उसी प्रकार से हमें हमारी आत्मा को कर्मो से रहित कर शुद्ध व निर्मल बनाना है। चावल जल्दी से उगता भी नहीं है अतः हमें पुनर्जन्म की अभिलाषा नहीं रखनी है। तथा चावल की प्राप्ति भी सुलभ है। इसे हर व्यक्ति प्राप्त कर सकता है। सभी सदस्यों ने अपने द्वारा लाए गए चौकी पाटला व चावल के माध्यम से गहुली बनाना सीखा।

कार्यक्रम संयोजिका पुष्पा गोलेछा व सहसंयोजिका अर्पिता लधानी ने व्यवस्था संभाली। निशा टुकलिया ने पूजा जैन का परिचय दिया।

इस अवसर पर जीतो महिला विंग सहमंत्री संगीता पारख एवं मैनेजिंग कमेटी सदस्य नीलम सांड, अस्मिता चौहान, नंदा मेहता, निशा टूकलिया, रेशमा बडोला एवं नीतू जैन उपस्थित थी। पुष्पा गुलेचा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिसके जीवन में सत्य नहीं उसका जीवन बिना नींव का मकान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधरकेसरी दरबार में साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि सत्य हमारे धर्म की नींव है। सत्यवान ही धर्मवान, शीलवान, चारित्रवान, दयावान व आचरणवान हो सकता है। प्रभु महावीर ने प्रश्न व्याकरण सूत्र में फरमाया है कि सत्य ही भगवान हैं। विश्व के सभी दर्शन-शास्त्रों में भी सत्य की महिमा का बखान किया गया है। सत्य ही मानव जीवन का सच्चा आभूषण - अलंकार हैं। जिसके जीवन में सत्य नहीं है उसका जीवन बिना नींव का मकान है। सत्य ही लोक में सारभूत तत्व हैं। जगत मिथ्या स्वप्नवत हैं, असत्य का रूप हैं। जीव, आत्मा और धर्म, सिद्धालय ही सदा शाश्वत सत्य रूप में हमेशा रहने वाले हैं। सत्य महासमुद्र से भी ज्यादा गंभीर, सुमेरु पर्वत से ज्यादा स्थिर व चन्द्र मण्डल से भी ज्यादा सौम्य है।

जो असत्य की प्ररूपणा करते हैं वे संसार-सागर को पार नहीं कर सकते हैं। सत्य की आज्ञा में उपस्थित रहकर ही साधक मृत्यु के प्रवाह की तरह तैर सकता है। राही अपनी आत्मा की उर्ध्वलोक में यानी सिद्धलोक में ले जा सकता है। सत्य ही यथार्थ है ध्रुव, शाश्वत, अविनाशी है। इनकी वास्तविकता को समझे बिना धर्म को नहीं समझा जा सकता है। सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं हो सकता है। साध्वी ने सभा में सति अंजना के महान प्रेरक चरित्र का भी वाचन प्रस्तुत किया। प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेह प्रभा ने कहा कि अनंत आत्माएं संसार से मोक्ष में चली गई, पर हमारी आत्मा अंनतकाल से इस चर्तेगति रूप संसार में ही भटक रही हैं।

अज्ञान, मोह और असत्य का आकर्षण ही जीव को अनादिकाल से संसार में भटकाने का प्रमुख हैं। अज्ञान हमारे दुःख का कारण है और यह अज्ञान ही जीव की संसार में अविनाशी सत्य की पहचान नहीं होने देता है और सत्य के शाश्वत स्वरूप परम पद मोक्ष मुक्ति के स्थान को प्राप्त करने में अवरोध बाधक तत्व साबित होता है। भौतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अगर हम अपने जीवन को देखने की दृष्टि विकसित करलें तो बड़ी सरलता से हम अच्छे व बुरे का, सही-गलत का पता लगा सकते हैं।

समता के भाव लाना आवश्यक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गणेश बाग में विराजित श्री शिविराचार्य विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि प्रथम आवश्यक में समता को प्रधान मानी गई है, इस लिए समता को अपनाने से सद्गुणों के सुमन अध्यात्म बाग में खिलते हैं। अवगुणों के कांटे झड़ते हैं। आत्म गुणों की सौरभ चारों तरफ फैलती है।

जब अंदर हृदय में विषम भाव की ज्वालाएं धड़क रही हों तब वितरागी महापुरुषों के प्रति श्रद्धा के भाव उत्पन्न नहीं किए जा सकते है। बिना समता भाव के महापुरुषों का गुणगाण संकीर्तन अच्छी तरह नहीं होता है। इस लिए समता के भाव पहले लाना आवश्यक है। जब व्यक्ति के हृदय में समता भाव धारण करता है तभी उसका सिर उत्तम पुरुषों के चरणों में झुकता है। भक्ति भावना से विभोर होकर उन्हें वंदन करता है।

वंदन करने वाले का हृदय सरल बन जाता है। खुली पुस्तक की तरह प्रत्येक व्यक्ति पढ़ सकता है। सरलता रखने से ही अपनी गलतियों की आलोचना करता है। भुलों को स्मरण कर भुलों से मुक्त होने के लिए तन एवं मन को तैयार करता है। जब तन और मन दोनों तैयार होते हैं तब आत्म गुणों का प्रवेश शुरू होता है, और आत्मा का निर्मलीकरण शुरू हो जाता है।

जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के सदस्यों ने गुरुवर्या श्री के दर्शन वन्दन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के सदस्यों ने मैसूरु में श्री सुमतिनाथ परमात्मा के दर्शन, पूज्य साध्वी प्रियकल्पना श्री जी के दर्शन वन्दन किए और प्रवचन श्रवण किया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल मैसूरु पहुंचा और समस्त साध्वीवर्याओं की सुख साता पूछी। मैसूरु सुमतिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष भैरुमल राठौड़, महामंत्री कांतिलाल गुलेच्छा ने बेंगलूरु संघ का स्वागत किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने साध्वी वर्याओं को पिछले वर्ष बेंगलूरु चातुर्मास की मीठी मीठी यादों के बारे में बताया और कहा कि मैसूरु संघ ऐसी ज्ञानवान और

ध्यानवान गुरुवर्याओं का चातुर्मास पाकर धन्य हुआ है। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट और श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों ने मैसूरु पिंजरापोल गौशाला में गौसेवा की और मंडल की ओर से सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष तेजराज मालानी के साथ ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, मोतीलाल ललवानी, मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, राकेश डाकलिया, रमेश गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवेरीलाल गुलेच्छा, सज्जन सिंह खटोड़, वीरचंद चौपड़ा आदि सदस्य उप-स्थित थे। बसवनगुड़ी में शुक्रवार को नेमिनाथ परमात्मा के जन्म कल्याणक के अवसर पर प्रात: वृहत् स्नात्र महोत्सव पूज्य मुनिराज मलयप्रभ सागर जी और साध्वी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा पढाई जाएगी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जिक्षण द्वारा अन्द्रहल्ली स्थित खेल मैदान में आयोजित ओपन स्टेट लेवल योगासन चैंपियनशिप 2024 योग स्पर्धा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।*

हनुमंतनगर टीम ने जीती प्रतियोगिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण भारतीय देवासी समाज के तत्वावधान में देवासी रॉयल्स टीम महेंद्र की ओर से वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन रामचंद्रपुरम इनोविटी इंटरनेशनल स्कूल के ग्राउंड में किया गया। जिसमें समाज की 14 टीमों ने भाग लिया। प्रथम स्थान पर हनुमंतनगर रही। टी. आरआरबी टीम उपविजेता रही। मैन ऑफ दी सीरीज हनुमान लाँबिया, मैन ऑफ नेटर नाथूराम बुटीवास, मैन ऑफ दी मैंच अमराराम रहे। इस अवसर पर देवासी समाज कर्नाटक के अध्यक्ष गुमानराम नांगू, गुमानराम भीम लाँबिया, देवाराम सामड, सचिव कानाराम लीलांबा, एच भानाराम, रेवत भीम, माणक, रेवतराम बाली, हरिराम, रामलाल एवं समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

कभी बड़ो का, गुरुजनों का अपमान ना करना: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जो श्रद्धावान होता है, उसी को ज्ञान की प्राप्ति होती है। श्रद्धा उसी में होगी जिसमें विनम्रता होगी। विनम्रता उसी में होगी जिस में अभिमान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो विनम्र होते है परमात्मा उन्हीं को मिलते है। इस जीवन का कोई भरोसा नहीं है, इसीलिए विनम्र होकर चलो झुक कर चलो। जिनशासन कहता है तन का झुकना बड़ी बात नहीं है मन का झुकना जरूरी है। जिस दिन यह मन झुक जाएगा हमारी आत्मा का उत्थान हो जाएगा। अभिमान में आकर कभी बड़ो

का गुरुजनों का अपमान ना करना।

कंश को अभिमान हो गया था कि उससे बलवान कोई नहीं है, लेकिन उसे यह भी पता था कि उसका काल बनकर स्वयं भांजे के रूप में श्रीकृष्ण अवतरित हो रहे हैं।

जैन दर्शन में ऐसे अनेक उल्लेख मिलते है जब जहर अमृत बन गया या आग पानी बन गया। जहर का अमृत बनना संभव है, आग का पानी बनना संभव है। नाग को छेड़ने पर भी नहीं डसे यह भी संभव है। पर्वत की चोटी से गिरने पर भी कोई खरोंच नहीं आए यह भी संभव है। लेकिन अभिमान में आकर कोई बड़ो का, गुरुजनों का अपमान कर, असाता पहुँचाए और उसे मोक्ष हो जाए यह कतई संभव नहीं है। रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल की लड़ी गतिमान है।

तजुर्बे उम्र से नहीं हालातों से होते हैं: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि मन की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। मन ही व्यक्ति को सांसारिक बंधनों से बांधता है, मन ही बंधनों से छुटकारा दिलाता है। मन ही अनेक प्रकार की बुराईयों की ओर प्रवृत्त करता है, तो मन ही उसे अज्ञान से ज्ञान की ओर अंधकार से प्रकार की ओर ले जाता है। भाव यह है कि मन चाहे तो क्या नहीं कर सकता, जिसने मन को जीत लिया उसने सब जीत लिया। मन के कारण इच्छा-अनिच्छा, संकल्प-

विकल्प, अपेक्षा-उपेक्षा आदि भावनाएं जन्म लेती हैं। मन में मनन करने की क्षमता है। इसी कारण मनुष्य को चिंतनशील प्राणी कहा गया है। संकल्पशील रहने पर व्यक्ति कठिन से कठिन अवस्था में भी पराजय स्वीकार नहीं करता, तो इसके टूट जाने पर छोटी विपत्ति में भी निराश होकर बैठ जाता है। दुख और सुख तो सभी पर पड़ते हैं, इसलिए अपना पौरूष मत छोड़ों क्योंकि हार-जीत तो केवल मन के मानने अथवा न मानने पर ही निर्भर होती है। ऐसे अनेक उदाहरण हमारे समक्ष हैं जिनमें मन की शक्ति से व्यक्ति ने असंभव को संभव कर दिखाया और पराजय को जीत में बदल दिया।

दपरे महाप्रबंधक ने की विभागाध्यक्षों के साथ सुरक्षा बैठक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने गुरुवार को विभागाध्यक्षों के साथ सुरक्षा बैठक की। इस महत्वपूर्ण बैठक के बाद, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को महीने के सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा पुरुष पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कर्तव्य में खुद को प्रतिष्ठित किया और अपनी अनुकरणीय सुरक्षा चेतना और सूझबूझ का परिचय दिया, जिससे दक्षिण पश्चिम रेलवे में असामान्य दुर्घटनाएँ टल गईं। पुरस्कार पाने वालों में स्टेशन मास्टर, डोनिगल विक्की कुमार, पॉइंट्समैन, डोनिगल ओमान कुट्टन टी, स्टेशन मास्टर, मल्लासंद्रा राजीव कुमार रंजन, गेटमैन, करुवल्ली मंजूनाथ जेएस, लोको पायलट,जी वास्को दी गामा सुरेंद्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ सहायक लोको पायलट, कैसल रॉक अनेश कुमार मीना, ट्रैक मेंटेनर, हुब्बल्ली एस.एस. सिंह, ट्रैकमैन जीतेन्द्र कुमार साह और ट्रैक मेंटेनर चन्द्रशेखर शामिल हैं। बैठक के दौरान एसडब्ल्यूआर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पवन कल्याण ने राज्य के वन मंत्री से की मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्मों पर एक दिलचस्प टिप्पणी की, जो अब एक बेहद चर्चित विषय बन गया है कि क्या यह फिल्म की कहानियों की गुणवत्ता और सांस्कृतिक परिवर्तन पर एक सामान्य टिप्पणी थी या फिर यह फिल्म पुष्पा पर कटाक्ष था। वनों की सुरक्षा की आवश्यकता के बारे में बोलते हुए पवन ने कहा कि लगभग 40 साल पहले हीरो वनों की रक्षा करते थे, लेकिन अब हीरो वनों को काटकर लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। यह कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे के

साथ उनकी बैठक के मद्देनजर महत्वपूर्ण है, जहां चर्चा का केंद्र बिंदु आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के सीमावर्ती क्षेत्रों में लाल चंदन की तस्करी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता थी। पवन ने तस्करी गतिविधियों के खिलाफ समाज को कैसे काम करना चाहिए, इसका एक अच्छा उदाहरण के रूप में कन्नड़ के दिग्गज राजकुमार की फिल्म गंधा गुड़ी का हवाला दिया। लेकिन बाद में, जब उन्होंने तस्करों के नायक बनने का उदाहरण दिया, तो यह संदेह पैदा हो गया कि क्या उन्होंने पुष्पा का जिक्र किया था, जिसमें अल्लू अर्जुन एक बदमाश तस्कर की भूमिका निभा रहे हैं?

हमारे संघर्ष के परिणामस्वरूप सिद्धरामैया को जाना होगा घर : विजयेन्द्र

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की भी यही इच्छा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने भरोसा जताया कि हमारे संघर्ष के परिणामस्वरूप सिद्धरामैया को घर जाना होगा। मैसूरु चलो पदयात्रा गुरुवार को भी जारी रही। इस मौके पर उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता भी सिद्धरामैया का इस्तीफा लेने के लिए उत्सुक हैं। मैसूरु चलो पदयात्रा अपने छठे दिन में प्रवेश कर गया है। पदयात्रा नामक लोकप्रिय आंदोलन से सिद्धरामैया को सीट खाली करनी होगी। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा।

खोखले वादों के साथ सत्ता में आई सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा फूट रहा है। उनके सारे वादे झूठे हैं। लोगों का सरकार से भरोसा उठ गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। जब विजयेंद्र से मुख्यमंत्री के उस बयान के बारे में पूछा गया कि वह मैसूरु में कांग्रेस जनआंदोलन के दौरान सभी भाजपा सदस्यों को बेनकाब कर देंगे, तो उन्होंने कहा मुख्यमंत्री पहले यह बताएं कि उन्होंने क्या छिपाया है। उन्होंने मांग की कि उनकी सरकार, जिसने मैसूरु मुडा मामले में हजारों करोड़ रुपये की जमीन लूटी थी, राज्य के लोगों को सच्चाई बतानी चाहिए। आइए हम वाल्मीकि निगम घोटाले में मुख्यमंत्री की भूमिका से पर्दा उठाते हैं, उनकी क्या भूमिका है, हाईकमान और राहुल के परिवार तक कितनी बात पहुंची है। विजयेंद्र ने कहा कि राज्य के इतिहास में इतनी बड़ी पदयात्रा किसी ने नहीं की थी। हमारा मार्च किसी सत्ता की लालसा से प्रेरित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भ्रष्ट कांग्रेस सरकार और भ्रष्ट मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सत्ता से हटाने के संकल्प के साथ यह मार्च निकाला है।

राज्य की साढ़े छह करोड़ जनता को नहीं लगता कि यहां चुनी हुई सरकार है। कांग्रेस कई वादों के साथ सत्ता में आई है। पिछले 14 महीनों में प्रदेश में बिजली की दरें बढ़ाई गई हैं। दूध की कीमत में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों और डेयरी किसानों को इसका कोई फायदा नहीं हुआ है। येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली सरकार दूध उत्पादकों को 5 रुपये का प्रोत्साहन दे रही थी। सिद्धरामैया किसानों को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। दुग्ध उत्पादकों के 1200 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन को संरक्षित कर लिया गया है। रजिस्ट्रेशन शुल्क बढ़ गया है। चावल और दाल भी महंगे हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सिद्धरामैया सरकार पर 1 लाख 95 हजार करोड़ का कर्ज हो गया है।

उपद्रवियों ने प्रीतम गौड़ा के फ्लेक्स बैनर जलाए

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। उपद्रवियों ने बुधवार की रात मांड्या के बाहरी इलाके उम्मादहल्ली के पास भाजपा के राज्य महासचिव और पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा की तस्वीर वाले फ्लेक्स बैनर को आग के हवाले कर दिया।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कथित मुडा घोटाले को लेकर इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा-जद(एस) गठबंधन दलों द्वारा बेंगलूरु से मैसूरु तक निकाली जा रही मैसूरु चलो पदयात्रा के तहत फ्लेक्स बैनर लगाए गए थे।

रैली बुधवार को मांड्या पहुंची। रैली में भाग लेने वाले नेताओं के स्वागत के लिए मैसूरु-बेंगलूरु राजमार्ग पर अंडरपास पर फ्लेक्स लगाए गए थे। गुरुवार सुबह कुछ उपद्रवियों ने प्रीतम गौड़ा की तस्वीरों वाले बैनर जला दिए।

पदयात्रा गुरुवार सुबह तुबिनाकेरे से शुरू हुई और शाम को श्रीरंगपटना पहुंची। रैली में नेताओं के साथ-साथ दोनों पार्टियों के सैकड़ों कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। बुधवार को रैली के दौरान प्रीतम गौड़ा की मौजूदगी को लेकर भाजपा और जद (एस) कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। रैली के दौरान कुछ समर्थकों ने प्रीतम गौड़ा के पक्ष में नारे लगाए, जिसका जद (एस) कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। बुधवार को हासन से उनके समर्थकों का एक बड़ा दल रैली में शामिल हुआ था। प्रीतम गौड़ा के पक्ष में नारेबाजी के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हुई। हालांकि, दोनों दलों के नेताओं ने बीच-बचाव कर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

खजाने के लिए गुफा के अंदर सुरंग खोदने के आरोप में पांच गिरफ्तार

बेल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। वन अधिकारियों ने 11 चोरों में से पांच को गिरफ्तार कर लिया है जो खजाने के लिए पहाड़ी पर एक गुफा के अंदर सुरंग खोदने की कोशिश कर रहे थे। आंध्रमुला से श्रीनिवास (45), आकाश (20), श्रीनिवास, वेंकट राव और गदग से भगत सिंह डोड्डामनी (50) को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी संदूर तालुक में तारानगर के नारीहल्ला के पीछे की पहाड़ी में सुरंग खोदने के लिए तैयार थे। वह खजाने की तलाश में 40 मीटर गहरी गुफा में उतर गए थे, गुफा के अंदर सुरंग बनाने के लिए कृत्रिम ऑक्सीजन प्रणाली और रोशनी के लिए जनरेटर की व्यवस्था की थी।

जब सभी सारी तैयारी करने के बाद पानी लाने के लिए नारीहल्ला गए, तो उसी क्षेत्र में गश्त पर मौजूद वन अधिकारियों ने उन्हें रोका और उनसे पूछताछ की। घबराकर जब चोर जवाब देने में झिझक रहे थे तो आगे पूछताछ की गई। जिसके बाद उन्होंने बताया कि वे खजाने के लिए आए थे। चोरों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक जब वन अधिकारियों ने गुफा में जाकर देखा तो पता चला कि वहां सुरंग खोदने की व्यवस्था की गई थी। वनकर्मियों के पहुंचने पर छह लोग मौके से भाग गए।

अधिकारियों ने बताया कि ये खादिम अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर खजाना खोजने के लिए जंगल में गुफाओं को निशाना बनाते थे। तारानगर से एक और होसपेट से एक अन्य ने इसे प्रोत्साहित किया है। वनकर्मियों के आते ही छह लोग मौके से भाग गये। इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और वन अधिकारियों ने जंगली जानवरों की हत्या अधिनियम के तहत जांच शुरू कर दी है।

प्रज्वल की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई 29 अगस्त तक के लिए स्थगित

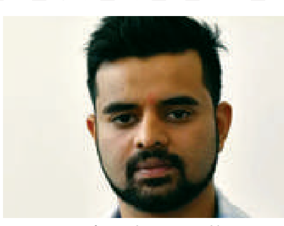

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च न्यायालय ने एक महिला पर यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को 29 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय की पीठ ने विशेष अभियोजक को आपत्ति दर्ज करने का निर्देश दिया और सुनवाई स्थगित कर दी। प्रज्वल रेवन्ना ने अपने खिलाफ दर्ज दूसरे मामले में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने दलील दी और उनके बयान का हवाला दिया कि महिला के साथ छेड़छाड़ की गई थी। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अग्रिम जमानत पर सुनवाई 29 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

फासीवादी मानसिकता वाली है एनडीए सरकार : सीएम

विधान सौधा के सामने एस. निजलिंगप्पा को दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर अल्पसंख्यकों की दुश्मन और फासीवादी मानसिकता का पालन करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने संसद में पेश किये गये वक्फ बोर्ड की शक्तियों को कम करने वाले विधेयक पर टिप्पणी की। यह बिल साबित करता है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अल्पसंख्यक विरोधी है। एनडीए धर्मनिरपेक्ष रुख, सामाजिक न्याय के खिलाफ है। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि वे सांप्रदायिक हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा बीके हरिप्रसाद हमारी पार्टी के नेता हैं। उनकी मुलाकात में कोई खास बात नहीं है। हम काफी समय से नहीं मिले थे। उन्होंने कहा कि हमने आपस में चर्चा की है। उन्होंने कहा कि वह मैसूरु में ही जन आंदोलन के बारे में बात करेंगे। इससे पहले सिद्धरामैया ने विधान सौधा के सामने एस. निजलिंगप्पा की प्रतिमा पर माला चढ़ाई। उन्होंने कहा पूर्व मुख्यमंत्री एस. निजलिंगप्पा देश के ईमानदार राजनेता हैं। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में कुछ मूल्यों को अपनाते हुए राजनीतिक जीवन जिया। अगर राज्य विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, तो इसका कारण यह है कि निजलिंगप्पा ने इसकी आधारशिला रखी। यदि देश और राज्य में अधिक सिंचाई है, तो यह निजलिंगप्पा की दूरदर्शिता के कारण है। उनका मार्गदर्शन हमारे लिए सदैव अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में उनकी भूमिका बहुत बड़ी है। विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिवराज पाटिल, नेता एच.एम. रेवन्ना, मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन, पूर्व मंत्री लीलादेवी आर. प्रसाद, विधान परिषद सदस्य नागराज यादव, प्रकाश राठौड़ और अन्य उपस्थित थे। इससे पहले सत्य की जीत होगी, इस बात पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत मुडा घोटाले पर उनके द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के कांग्रेस सरकार के जवाब को स्वीकार करेंगे। सिद्धरामैया ने दावा किया कि सरकार ने कथित मुडा घोटाले पर पूरी तरह से कानून के अनुसार काम किया है और यह स्पष्ट किया कि उन्होंने मुडा साइटों के वितरण में किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं किया है। उन्होंने स्पष्ट किया मेरी पत्नी को 2021 में ही कानून और नियमों के अनुसार साइटें आवंटित की गई थीं, जब राज्य में भाजपा सत्ता में थी और मेरे द्वारा किसी भी तरह का दबाव डालने का कोई सवाल ही नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी पत्नी ने 2014 में मुडा के लिए वैकल्पिक साइटों के लिए आवेदन किया था, जब वह मुख्यमंत्री थे, क्योंकि उनकी संपत्ति मुडा द्वारा अवैध रूप से अधिग्रहित की गई थी। उन्होंने कहा मैंने तब इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को अस्थिर करने की रणनीति के तहत भाजपा और जेडीएस ने उन पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है।

भाजपा-जेडीएस हताश

उन्होंने कहा ऑपरेशन कमल के जरिए सरकार गिराने की उनकी कोशिशें सफल नहीं होने से भाजपा-जेडीएस हताश हैं। दोनों पार्टियां सत्तारूढ़ पार्टी के विधानसभा चुनाव के वादे के सफल क्रियान्वयन को पचा नहीं पा रही हैं। सिद्धरामैया ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह शुरू से ही गारंटियों की आलोचना करते रहे हैं और मोदी ने खुद कहा है कि गारंटियों को लागू करना असंभव है क्योंकि इससे दिवालियापन हो जाएगा। मोदी ने यहां तक कह दिया था कि अगर गारंटियां लागू भी हो गईं तो उन्हें बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा लेकिन हमने एक साल से ज्यादा समय से गारंटियों को सफलतापूर्वक लागू करके मोदी-शाह और भाजपा नेताओं को गलत साबित कर दिया है।

एसआई की मौत मामला : पीड़ित परिजनों को 50 लाख रुपये और सरकारी नौकरी देने का एलान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यादगीर जिले में युवा पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) परशुराम की रहस्यमय हालात में मौत के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि अब राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने एसआई की पत्नी को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने सीबीआई जांच से इनकार कर दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआई की मौत की सीआईडी जांच काफी है। सूबे में सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक विधायक इस विवाद की जद में आते दिखाई दे रहे हैं। मृतक पुलिस सब इंस्पेक्टर परशुराम की पत्नी श्वेता ने कांग्रेस विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर और उनके बेटे पंपानागौड़ा तन्नूर पर उनके पति को मानसिक रूप से परेशान करने का गंभीर आरोप लगाया है। श्वेता ने कांग्रेस विधायक और उनके बेटे पर आरोप लगाया कि वे उनके पति का ट्रांसफर रोकने के लिए 30 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। सात महीने के अंदर ही उनके पति का ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मांग के कारण परशुराम परेशान थे। इसलिए उन्होंने आत्महत्या कर ली। गृहमंत्री ने कोप्पल जिले के सोमनाल गांव में शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। बाद में पत्रकारों से भी बात करते हुए परमेश्वर ने पुलिसकर्मी की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम उन्हें वापस नहीं ला सकते, लेकिन परिवार को सांत्वना देना मेरा कर्तव्य है। यह मेरे लिए भी नुकसान है। वह दलित समुदाय के एक ईमानदार अधिकारी थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। मंत्री परमेश्वर ने कहा हमने इलेक्ट्रिकल स्ट्रीम में इंजीनियरिंग ग्रेजुएट उनकी पत्नी को अपने विभाग में नौकरी की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने गुलबर्ग इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (गेस्कोम) में नौकरी मांगी है। मैं मुख्यमंत्री के साथ इस पर चर्चा करूंगा। हमारे विभाग और राज्य सरकार ने परिवार को विशेष अनुदान के रूप में 50 लाख रुपये देने का फैसला किया है। गृह मंत्री ने सीबीआई जांच की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा हम यह मामला सीबीआई को नहीं देंगे। हम उन्हें (एसआई के परिवार को) न्याय देंगे, जो उनकी मांग है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। परमेश्वर ने जोर देकर कहा कि पुलिस विभाग में पैसे लेकर तबादले नहीं होते हैं। मंत्री के अनुसार, एक कानून पहले से ही लागू है जो पोस्टिंग के दो साल बाद ही तबादले को अनिवार्य बनाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसी का तबादला होता है तो उनके पास कर्नाटक प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केएटी) से संपर्क करने और स्थगन प्राप्त करने का विकल्प होता है। परशुराम के संबंध में मंत्री ने कहा कि उन्हें तैनाती मिलने के सात महीने के भीतर स्थानांतरित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि उपनिरीक्षकों का तबादला पुलिस महानिरीक्षक के अधिकार क्षेत्र में आता है, न कि राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में। उन्होंने कहा सीआईडी इस बात की जांच करेगी कि आईजी ने दो साल पूरे होने से पहले उनका तबादला क्यों किया। एसआई की मौत ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है क्योंकि भाजपा और जेडीएस ने कांग्रेस सरकार पर एससी/एसटी समुदाय के ईमानदार अधिकारियों की जान लेने का आरोप लगाया है।

अगस्त में कम हुई बारिश

तट और पहाड़ों पर कम वर्षा के कारण नदियों की बाढ़ हुई कम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जुलाई में शुरू हुई मानसूनी बारिश अगस्त में फीकी पड़ गई। तट और पहाड़ों पर कम वर्षा के कारण नदियों की बाढ़ कम हो गई है। तुंगभद्रा और कृष्णा नदी को छोड़कर अधिकांश नदियों का आयतन कम हो गया है। इसके कारण प्रमुख जलाशयों का प्रवाह काफी कम हो गया है और बहिर्प्रवाह भी कम हो गया है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक पूरे राज्य में व्यापक बारिश जारी रहेगी। लेकिन तटीय और ऊंचाई वाले इलाकों में अधिक बारिश का अनुमान है। उत्तरी और दक्षिणी भीतरी इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। एक-दो बार भारी बारिश से इंकार नहीं किया जा सकता। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र की जानकारी के मुताबिक 1 अगस्त से अब तक 76 मिमी बारिश हो चुकी है। राज्य के अधिकांश जलाशय भरे हुए हैं। तुंगा, भद्रा, शरावती, कावेरी, हेमावती और काबिनी नदियों में पानी का स्तर काफी हो गया है और चिंता की स्थिति खत्म हो गई है। पिछले सप्ताह से तट और ऊपरी इलाकों में मूसल-धार बारिश शांत हो गई है। छिटपुट बारिश होने पर भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन महाराष्ट्र में भारी बारिश के बीच सिर्फ कृष्णा नदी की बाढ़ ही कम नहीं हुई है। इसी प्रकार नारायणपुरा जलाशय में भी 2 लाख क्यूसेक से अधिक पानी की आवक हो रही है। तुंगभद्रा जलाशय में 57 हजार क्यूसेक अधिक पानी बह रहा है।

कांग्रेसी देश में अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं, जो चिंताजनक : सीटी रवि

खुर्शीद आलम खान और सज्जन सिंह वर्मा के खिलाफ हो मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य विधान परिषद के सदस्य सीटी रवि ने कहा कि आशंका है कि कांग्रेसी देश में अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं, जो चिंताजनक है। यह लोकतांत्रिक-संवैधानिक व्यवस्था को ध्वस्त करने का कृत्य है। मांड्या में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत में भी बांग्लादेश जैसी हिंसा और संघर्ष होगा। वे भारत पर वैसे ही आक्रमण करेंगे जैसे उन्होंने बांग्लादेश में संसद पर आक्रमण किया था। वरिष्ठ कांग्रेस नेता खुर्शीद आलम खान और मध्य प्रदेश कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने कहा है कि जो बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के साथ हुआ, वही भारत के प्रधानमंत्री के साथ होगा। जिसके बाद रवि ने कहा कि यह कोई संयोग नहीं है। खुर्शीद आलम खान और सज्जन सिंह वर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उनकी जांच होनी चाहिए। राहुल

गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष से यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या यह कांग्रेस का एजेंडा था या उनका निजी बयान था।

उन्होंने मांग की कि अगर यह निजी बयान है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। मुझे प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने सामूहिक रूप से पूरे देश में विभिन्न प्रकार के आंदोलन किये हैं तथा भारत में भी ऐसे अत्याचारों को अंजाम देने की योजना बनाई है। सीटी रवि ने केंद्र और राज्य सरकार से इसे गंभीरता से लेने का आग्रह किया। 1947 में भारत का विभाजन हुआ। विभाजन के समय पाकिस्तान की गैर-मुस्लिम आबादी 28 प्रतिशत के करीब थी। बांग्लादेश में गैर-मुसलमानों की आबादी लगभग 42 प्रतिशत थी। आज बांग्लादेश में इनकी संख्या 8 प्रतिशत है, पाकिस्तान में सिर्फ 3 प्रतिशत। बाकियों का क्या हुआ? क्या उन्हें असुरक्षित महसूस हुआ? कुछ मारे गए, कुछ डर के मारे भाग गए, और कईयों का धर्म परिवर्तन कर दिया गया। उसी भारत में 1947 में 8 से 9 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक थे। अब यह 22-23 फीसदी है। उन्होंने विश्लेषण किया कि यहां तेजी से विकास हो रहा है, वहां व्यापक गिरावट हो रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आस्था रखने वाली जनता द्वारा चुनी गई सरकार को बहुत पहले ही गिराने की साजिश की गई थी। ये नागरिकता कानून है। यह कहने के बावजूद कि नागरिकता नहीं छीनी जाएगी, उन्होंने सीएए का विरोध किया। झूठी खबरें फैलाई गईं, जबकि यह स्पष्ट किया गया था कि यह अधिनियम उन लोगों को नागरिकता प्रदान करेगा जो बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के बाद देश छोड़कर भारत आए थे। उन्होंने बताया कि झूठी खबर फैलाई गई थी कि मुसलमानों से उनकी नागरिकता छीन ली जाएगी और उन्हें देश से बाहर निकाल दिया जाएगा। यहां तक कि जब बाजार को दलालों के चंगुल से मुक्त कराने और किसानों की मदद के लिए कृषि कानून लाया गया तो उन्होंने किसान आंदोलन के नाम पर लाल किले पर खालिस्तान का झंडा फहरा दिया।

विदेशी ताकतों को हस्तक्षेप का न्योता

उन्होंने कहा कि उस मामले में भी संसद में घुसकर अराजकता फैलाने की साजिश थी। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर गए कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वहां हुई एक बैठक में विदेशी ताकतों को हस्तक्षेप का न्योता दिया था। उन्होंने भारतीय तानाशाही को समाप्त करने के लिए विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप की मांग की। इसके बाद चुनी हुई सरकारों को पलटने में माहिर और अपने पैसे और राजनीति के लिए बदनाम हुए जॉर्ज सोरोस ने कहा कि उन्हें लगता है कि हमारे देश में भी अराजकता की साजिश रची गई है। भारत का इस्लामीकरण एजेंडा आज का नहीं है। यह हमारे लिए खतरे की घंटी है। हिंदुत्ववादी राजनीति आज की जरूरत है। तभी देश बचेगा। तभी डॉ. अंबेडकर की विचारधारा को महत्व दिया जा सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला अध्यक्ष इंद्रेश, पूर्व मंत्री नारायण गौड़ा, जिला महासचिव विवेक, प्रवक्ता मंजूनाथ, संयोजक नागानंद शामिल हुए।

नवविवाहित व्यक्ति ने पत्नी की हत्या कर आत्महत्या की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कोलार जिले में बुधवार को अपने रिश्तेदार के घर पर झगड़े के बाद 27 वर्षीय कपड़ा व्यापारी ने कथित तौर पर शादी के कुछ घंटों बाद अपनी 18 वर्षीय नवविवाहित पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी नवीन कुमार ने फिर अपनी जान लेने की कोशिश की।

गुरुवार को बेंगलूरु के एक अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मृतक नवीन और लिखिता ने कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) के चंबारासाबहल्ली में प्रेम-सह-अरेंज मैरिज की थी, जिसमें जोड़े के माता-पिता और रिश्तेदार शामिल हुए थे। पुलिस के अनुसार, नवीन लिखिता और अपने ससुराल वालों को अपने चाचा के घर ले गया, जहाँ उन्हें जलपान परोसा गया। कुछ मिनट बाद, नवीन और लिखिता एक कमरे के अंदर गए और दरवाजा बंद कर लिया। कुछ मिनट बाद, रिश्तेदारों ने उन्हें एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए सुना। जब उन्होंने खिड़की से कमरे के अंदर देखा, तो उन्होंने देखा कि नवीन लिखिता पर दरांती से हमला कर रहा है। उन्होंने कमरे का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। दरवाजा खोलने में उन्हें कुछ समय लगा। अंदर घुसने पर उन्होंने पाया कि लिखिता खून से लथपथ पड़ी है और नवीन घायल अवस्था में है। उन्होंने एम्बुलेंस को बुलाया, लेकिन देरी होने के कारण वे दंपत्ति को आर.एल. जलप्पा अस्पताल ले गए और फिर आगे के इलाज के लिए नवीन को बेंगलूरु ले गए। इसी बीच गुरुवार को उसकी मौत हो गई। एंडरसनपेट पुलिस ने नवीन के खिलाफ हत्या और आत्महत्या का मामला दर्ज किया है।

रेजिडेंट डॉक्टरों ने स्टाइपेंड न बढ़ाए जाने पर हड़ताल की धमकी दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (केएआरडी) के सदस्यों ने अपना मौन विरोध तेज करते हुए धमकी दी है कि अगर स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो वे 12 अगस्त से आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अपनी सभी सेवाएं बंद कर देंगे।

केएआरडी के अध्यक्ष सिरीश शिवरामैया ने बताया कि कर्नाटक के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लगभग 10,000 रेजिडेंट डॉक्टर (स्नातकोत्तर), जिनमें इंटर्न, सुपर-स्पेशलिटी रेजिडेंट और सीनियर रेजिडेंट शामिल हैं, ने 5 अगस्त से काली पट्टी बांधकर ड्यूटी पर आकर मौन विरोध शुरू कर दिया है।

मंत्री, प्रमुख सचिव और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को कई ज्ञापन सौंपने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इससे रेजिडेंट डॉक्टर वित्तीय, पेशेवर और व्यक्तिगत तनाव में हैं। अगर सरकार 12 अगस्त तक हमारी मांग पर विचार नहीं करती है, तो हम आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी शिक्षण अस्पतालों में अपनी सेवाएं बंद कर देंगे। केएआरडी के एक बयान के अनुसार, सरकारी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टरों को दिया जाने वाला वजीफा दूसरे राज्यों के उनके समकक्षों को दिए जाने वाले वजीफे का लगभग आधा है। बयान में कहा गया है कि यह मामूली वजीफा हमारे रहने-खाने, पढ़ाई-लिखाई के खर्च और पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। बयान में कहा गया है अगर सरकार हमारी मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो हम 12 अगस्त से अपना मौन विरोध प्रदर्शन तेज करने के लिए मजबूर होंगे। हम अपनी मांग पर विचार किए जाने तक सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों (इंटर्न, पोस्टग्रेजुएट, सुपर-स्पेशलिटी रेजिडेंट और सीनियर रेजिडेंट) से जुड़ी सभी सेवाओं को निलंबित कर देंगे। हालांकि, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी।

नंदी प्रतिमा मार्ग पर भूस्खलन चामुंडी पहाड़ी की रक्षा के लिए चेतावनी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
2019 से, चामुंडी पहाड़ी के ऊपर नंदी प्रतिमा तक जाने वाली सड़क पर कई भूस्खलन हुए हैं। कई देरी के बाद, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने 2022 में उचित जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया। चूंकि काम अभी पूरा होने के करीब नहीं है, इसलिए सड़क अभी भी जनता के लिए खुली नहीं है। केवल वे लोग ही पहाड़ी पर सीढ़ियाँ चढ़कर नंदी की अखंड प्रतिमा देख सकते हैं। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने नवंबर 2022 में 9.75 करोड़ रुपये की लागत से सड़क के 350 मीटर हिस्से की जीर्णोद्धार का काम शुरू किया और इसे एक साल के भीतर पूरा किया जाना था। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने कहा हम उन्नत जियोट्रेल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, यांत्रिक रूप से स्थिर मिट्टी की दीवारों के साथ, विशेष सामग्रियों का उपयोग करके, वैज्ञानिक रूप से सड़क की मरम्मत कर रहे हैं। हम यह भारतीय विज्ञान संस्थान और

अन्य के विशेषज्ञों द्वारा दी गई रिपोर्ट, सिफारिशों और डिजाइन के आधार पर कर रहे हैं। हम बारिश के पानी की निकासी और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए उपाय कर रहे हैं। हम इस सड़क पर चार पुलिया बना रहे हैं। चूंकि उन्नत सामग्रियों की खरीद में देरी हुई, इसलिए ठेकेदार द्वारा काम पूरा करने में देरी हुई। लेकिन, यह दो महीने में पूरा हो जाएगा। मैसूरु ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के सी ए जयकुमार ने कहा काम पूरा होने में देरी से पता चलता है कि प्राकृतिक स्थलाकृति को बहाल करना कितना नाजुक काम है। नंदी प्रतिमा को देखने में असमर्थ पर्यटक निराश हैं। देरी से पता चलता है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की दूरदर्शिता में कमी है। कर्नाटक पर्यटन मंच के उपाध्यक्ष एम रवि ने कहा वायनाड में भारी भूस्खलन, नंदी प्रतिमा मार्ग पर भूस्खलन चामुंडी पहाड़ी को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए चेतावनी है। हमें किसी आपदा के होने का इंतजार करने के बजाय प्रकृति, इसकी सुंदरता और विरासत की रक्षा के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। रवि ने कहा आषाढ़ महीने में सप्ताहांत के दौरान ललिता महल पैलेस ग्राउंड में पार्किंग की सुविधा और वहां से बस सुविधा के साथ चामुंडी पहाड़ी पर निजी वाहनों पर प्रतिबंध एक अच्छा कदम है। इसे सभी सप्ताहांत और सरकारी छुट्टियों के लिए जारी रखा जाना चाहिए। उन्हें बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के साथ पहाड़ी की तलहटी में उचित पार्किंग सुविधा भी प्रदान करनी चाहिए। जयकुमार ने कहा चामुंडी हिल मैसूरु का मुकुट है। यह एक प्रमुख स्थान है। यह एक छोटी पहाड़ी है और विकास या वाहनों का बहुत अधिक दबाव नहीं झेल सकती। इसलिए, उन्हें तिरुपति की तरह मंदिर में जाने के लिए अग्रिम बुकिंग प्रणाली शुरू करनी चाहिए और वाहनों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करना चाहिए। नंदी रोड पर भूस्खलन की तरह पहाड़ी को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए वाहनों को सीमित अवधि के लिए अनुमति दी जानी चाहिए।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे चामुंडी हिल मंदिर विकास प्राधिकरण, जिला प्रशासन और पर्यटन हितधारकों के साथ चर्चा के बाद मंदिर के दर्शन के लिए बुकिंग, वाहनों की आवाजाही सीमित करने और छुट्टियों और सप्ताहांत के दौरान वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध जारी रखने के बारे में सामूहिक निर्णय लेंगे। अक्टूबर 2019 में, नंदी प्रतिमा मार्ग पर दृश्य बिंदु के पास एक मामूली भूस्खलन हुआ था। कुछ दिनों के लिए वाहनों की आव-ाजाही प्रतिबंधित कर दी गई थी और पीडब्ल्यूडी द्वारा मरम्मत के बाद इसे फिर से शुरू किया गया था।

कुछ स्थानों पर सड़क फिर से ढह गई

भारी बारिश के बाद, 20 अक्टूबर, 2021 को कुछ स्थानों पर सड़क फिर से ढह गई। इसका एक और हिस्सा 6 नवंबर, 2021 को ढह गया। विशेषज्ञों ने इस खंड पर कई बिंदुओं पर दरारें देखीं, जिससे इस तरह के और भूस्खलन का खतरा पैदा हो गया। मैसूरु ग्रहकार परिषद के संस्थापक भामी वी शेनॉय ने कहा कम से कम वायनाड में प्रकृति के प्रकोप को देखने के बाद, हमें चामुंडी हिल को संरक्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हमें वहां अतिक्रमण और इमारतों के निर्माण को रोकना चाहिए। पहाड़ी की धार्मिक पवित्रता को बनाए रखने के लिए पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने चामुंडी पहाड़ी से निजी लोगों को हटाने, उनकी जमीन खरीदकर उन्हें उत्तानहल्ली के निकट वैकल्पिक भूमि पर बसाने का सुझाव दिया था।

जीएसआई वैज्ञानिकों ने केट्टीकल पहाड़ी ढहने वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के दो वैज्ञानिकों ने वामनजूर के पास केट्टीकल में चल रहे पहाड़ी ढहने की जांच के लिए दौरा किया। उपायुक्त (डीसी) मुल्लई मुगिलन ने कहा जीएसआई के वैज्ञानिक पिछले दो दिनों से केट्टीकल पहाड़ी ढहने वाले क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं। उनके आकलन के अनुसार, एक या दो बिंदुओं पर और ढहने का खतरा है। इस सड़क पर वाहनों को सावधानी से चलाना चाहिए। पहाड़ी के ऊपर से पानी के बहाव को नियंत्रित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। ड्रोन सर्वेक्षण का उपयोग करने वाली और जानकारी एकत्र करने वाली दिल्ली की एक टीम के साथ चर्चा चल रही है। पहाड़ी ढहने के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच भी चल रही है। स्थानीय निवासियों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी है, और एनएचपीडी, एमसीसी आयुक्त और पुलिस अधिकारियों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। यह भी संभावना है कि जीएसआई के वैज्ञानिक दक्षिण कन्नड़ में अन्य पहाड़ी ढहने वाले क्षेत्रों का दौरा करेंगे। शिरूद पहाड़ी ढहने का अध्ययन करने वाली टीम के जल्द ही केट्टीकल का दौरा करने की उम्मीद है।

राजमार्गों और चार लेन वाली सड़कों पर बारिश का पानी दुर्घटनाओं का बन रहा कारण

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय राजमार्गों और शहर की चार लेन वाली सड़कों पर बारिश का पानी जमा होने से दुर्घटनाएं हो रही हैं, क्योंकि तेज गति से चलने वाले वाहन कीचड़ भरे पानी को सामने से आने वाले वाहनों पर फेंक रहे हैं। कई राष्ट्रीय राजमार्गों और शहर की सड़कों के किनारों पर पानी जमा हो जाता है, जिससे वाहनों के विंडशील्ड पर पानी गिरने से खतरा पैदा हो जाता है, जिससे चालक चौंक जाते हैं और नियंत्रण खोने का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर, एमसीएफ बैकमपडी, एनएमपीटी पनमबुर, बैकमपडी, सुरथकल, कुंटिकन, थोकोट्टू, पंपवेल, नंथूर,

कुलूर और राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर बीसी रोड, फरंगीपेट और पडिल रेलवे अंडरपास के नीचे पानी जमा हो जाता है। शहर में, जेल रोड से एमजी रोड कनेक्शन, बल्लालबाग, चिलिम्बी और कंकनाडी जैसी जगहों पर पानी जमा हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन और पैदल यात्री प्रभावित हो रहे है। बड़े-बड़े गड्ढे अभी भी बने हुए हैं, जिससे यात्रा जोखिम भरी हो गई है, खास तौर पर कुलूर से सुरथकल तक एनएच 66 पर। कुलूर पुल पर डामर और कंक्रीट का क्षरण हो गया है, जिससे बजरी दिखाई दे रही है। शाम के समय ट्रैफिक जाम की वजह से अक्सर एंबुलेंस और आपातकालीन यात्रियों को देरी होती है। सड़कों की खराब स्थिति की वजह से शहर के अंदर भी यात्रा प्रभावित होती है। राजमार्गों के किनारे ट्रक और बड़े कंटेनर पार्क करने से बारिश के दौरान दृश्यता कम हो जाती है, जिससे दुर्घटनाएं और यातायात जाम की समस्या बढ़ जाती है। कन्नूर के मेयर सुधीर शेट्टी ने कहा कि सड़कों पर खड़े पानी और छींटे पड़ने की समस्या पर ध्यान दिया गया है। तेज गति से चलने वाला यातायात गंभीर जोखिम पैदा करता है। इस समस्या को दूर करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को एक पत्र भेजा जाएगा।

परशुराम थीम पार्क विवाद मामला

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पर हमला करने का लगाया आरोप

करकला/शुभ लाभ ब्यूरो।
यहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने परशुराम थीम पार्क को लेकर हुए विवाद के सिलसिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया है।

अजेकर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ता दीक्षित शेट्टी और अंकित हेगड़े पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर कांग्रेस की आलोचना करने वाले एक पोस्ट के बाद तीन भाजपा कार्यकर्ताओं, उदय नायक, नित्यानंद कुलाल और रूपेश कुमार, पर हमला किया। घायल भाजपा कार्यकर्ताओं को इलाज के लिए करकला सरकारी अस्प-ताल में भर्ती कराया गया। इसके जवाब में, कांग्रेस कार्यकर्ता दीक्षित शेट्टी ने घटना के बारे में जवाबी शिकायत दर्ज कराई है।

तृष्णा की प्यास कभी नहीं बुझती : राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में प्रवचन में राजेशमुनि ने फरमाया कि हमें सिर्फ वाणी के रसिक नहीं बल्कि जिनवाणी के रसिक बनकर जीना चाहिए। ताकि हम भी भगवान बन जाएं। इसलिए हमें सद्गुरु की प्रत्यक्ष शरण में पुरुषार्थ के सहारे जीवन को संवारना चाहिए। जीव अपने कर्मों के आधार पर इस संसार में आता है। जन्म मरण के इस चक्कर को खत्म करने के लिए हमें जिनवाणी के अमृत का पान करना होगा। मुनि ने कहा कि तृष्णारूपी जहर का अंत किए बिना भव भ्रमण का अंत नहीं होगा। तृष्णा की प्यास कभी बुझ नहीं सकती। हमें सकारात्मक भाव के साथ जीवन जीना चाहिए और अपनी विरोधियों को भी नीचा दिखाने का नहीं बल्कि ऊपर उठाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पैसा कभी सुख नहीं देता, सुख का आभास मात्र देता है। इसलिए पैसे के पीछे अनमोल जीवन नहीं गवांना चाहिए। इसके पहले ऋषभ मुनि ने संसार की क्षणभंगुरता के बारे में बताते हुए क्षणिक सुखों से बचने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि लाखों करोड़ों लोग धरती पर आए और चले गए। कोई भी यहां पर हमेशा के लिए नहीं रह पाया। जीवन में क्षणभर का भी भरोसा नहीं इसके लिए जो कुछ करना है अभी कर ले और काम ऐसा करें कि करने के बाद भी नाम अमर रहे। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
मणिपाल पुलिस ने छह महीने पहले दर्ज बाइक चोरी के मामले में ब्रह्मवर निवासी प्रकाश नायक नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की बाइक जब्त कर ली गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पिछले दिन एक बुजुर्ग महिला के साथ चेन स्नेचिंग की घटना के बाद पुलिस जांच के दौरान यह गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने मन्नापल्ला एमजेसी कॉलेज के पास नायक को संदिग्ध रूप से बाइक चलाते हुए देखा और जांच करने पर पता चला कि बाइक चोरी की है। इस कार्रवाई में मणिपाल थाने के इंस्पेक्टर देवराज, एसआई राघवेंद्र और कर्मी इमरान और प्रसन्ना शामिल थे।

घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद पूंजीगत व्यय में की गई वृद्धिः सीतारमण

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरूवार को राज्यसभा में कहा कि घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के बीच चालू वित्त वर्ष के बजट में पूंजीगत व्यय में वृद्धि की गयी है और राज्यों को भी 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त वित्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

वित्त मंत्री ने सदन में जम्मू कश्मीर विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक 2024, विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक 2024 और वित्त (संख्यांक 2) विधेयक 2024 पर चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि बजट में कुल मिलाकर पूंजीगत व्यय 15.02 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। कोविड के बाद तथा हाल की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। सरकार न:न सिर्फ घरेलू चुनौतियों का बल्कि वैश्विक चुनौतियों के बीच पूंजीगत व्यय में बढोतरी कर रही है और राज्यों को 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त पूंजी भी उपलब्ध करा रही है। बाद में इन विधेयको को सदन ने ध्वनिमत से लोकसभा लौटा दिया।

उन्होंने कहा कि देश में विनिर्माण पर जोर दिया गया है ताकि रोजगार सृजन में बढोतरी हो सके। सरकार की मंशा घरेलू स्तर पर रोजगार के अवसर और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना है। कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के व्यय में बढोतरी की गयी है। शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण सहित लगभग हर क्षेत्र के व्यय में बढोतरी की गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि केन्द्रीय बजट में इस वर्ष कई मामलों में संतुलन बनाया गया है। वित्तीय समायोजन के साथ ही राजकोषीय घाटे पर भी ध्यान दिया गया है ताकि अगले वित्त वर्ष में इसको और नीचे लाया जा सके। बजट में कौशल विकास और इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए किये प्रावधानों को उल्लेख करते हुये कहा कि ये 2047 तक विकसित भारत की दिशा में पहला कदम है।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को 17 हजार करोड़ रुपये की मदद दी गयी है। उन्होंने ग्लोबल हंगर सूचकांक में भारत के माली, सीरिया और पाकिस्तान से भी नीचे रहने के मुद्दे पर कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को अनाज देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भूखा नहीं रहे। उन्होंने कहा कि ग्लोबल हंगर सूचकांक बहुत बड़ा मिथक है। उन्होंने कहा कि इससे जुड़े कई सूचकांकों में देश में सुधार हुआ है और इसके मद्देनजर इसकी समीक्षा किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बचत में कमी आने के कई कारण हो सकते हैं लेकिन अब लोग एक से अधिक विकल्पों में निवेश कर रहे हैं। लोगों को जहां बेहतर रिटर्न मिलता है, उसमें निवेश करने लगे हैं। मध्यम वर्ग अब पूंजी बाजार में वायदा एवं विकल्प सौदे में निवेश करने लगे हैं। लघु बचत ही अब सिर्फ बचत का माध्यम नहीं रह गया है। शहरी लोग अपनी बचत अलग अलग क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। रियल एस्टेट में हाल में निवेश बढ़ा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के श्रमबल में बढोतरी हो रही है। महिलाओं का उच्च शिक्षा में पंजीयन बढ़ा है। महिलाओं और लड़कियों के लाभ के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रावधान किये गये है। कामकाजी महिलाओं के लिए होस्टल बनाये जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि कराधान को सरल बनाया जा रहा है। मध्यम वर्ग के लिए 2020-23 के दौरान नयी कर प्रणाली के तहत करदाताओं को राहत दी गयी है। नये बजट में भी इसमें बढोतरी की गयी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने कर बढ़ाया है जबकि भारत में मध्यम वर्ग पर कर को कम किया गया है। 15 लाख रुपये कमाने वाले पर प्रभावी कर की दर 10 प्रतिशत है। कर रिफंड में अभी 10 दिन लग रहा है। आयकर कानून की समीक्षा की जा रही है और छह महीने में इसे सदन में रखा जायेगा।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भूमि एवं भवन पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को 23 जुलाई से पहले के मामले में करदाता नयी कर व्यवस्था में 12.5 प्रतिशत बगैर इंडेक्सेशन के या 20 प्रतिशत इंडेक्सेशन के साथ, जो चाहे अपना सकते हैं और इनमें से जो कम होगा, उसका वे चयन कर सकते हैं। इस बदलाव से करदाताओं पर कोई बोझ नहीं आयेगा। भूमि या भवन को बेचने से मिली राशि में से 10 करोड़ रुपये तक का समान संपत्ति में निवेश करने पर कोई कर नहीं देय होगा। जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम को जीएसटी के दायरे से बाहर करने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसका निर्णय जीएसटी परिषद को लेना होता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री है और उनके पास दो तिहाई मताधिकार है। केन्द्र के पास सिर्फ एक तिहाई मताधिकार है। उन्होंने कहा कि जीएसटी के लागू होने से पहले भी राज्य अपने स्तर पर इन पर कर लगाया करते थे। राजनीतिक रोटी सेकने के लिए यहां खडे होकर मुद्दे उठाये जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर मिले जीएसटी में से करीब 71 प्रतिशत राज्यों को जाता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि रेल बजट में कमी नहीं आयी है। रेलवे के पूंजीगत व्यय में लगातार बढोतरी की गयी है। पीएम जनधन खाते और बेसिक बचत खाता पर न्यूनतम बैंलेंस का नियम लागू नहीं होता है। 65 करोड़ खाता धारक इसके दायरे में ही नहीं है। पी-वीसी फिल्म पर आयात शुल्क को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया है क्योंकि इसका पर्यावरण पर दुष्प्रभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद से निजी निवेश बढ़ रहा है। बैंकों के ऋण पर हेयरकट के मामले में उन्होंने कहा कि यह मामला दो पक्षों से जुड़ा हुआ है। एनसीएलटी की निगरानी में दिवालिया होने की कगार पर खड़ी कंपनियों का निपटान किया जाता है और इसमें बैंक और संबंधित पक्ष सहमत होकर इसका समाधान करते हैं। ऐसी स्थिति में इससे सरकार का कोई लेना देना नहीं है।

इसरो 15 अगस्त को पृथ्वी अवलोकन उपग्रह करेगा प्रक्षेपित

चेन्नई, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 15 अगस्त को श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) का उपयोग करके 175.5 किलोग्राम वजन का पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस-08) लॉन्च करेगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, एसएसएलवी-डी3, अपनी तीसरी और अंतिम विकासात्मक उड़ान में, माइक्रो उपग्रह के साथ शार रेंज से सुबह 09:17 बजे उड़ान भरेगा। इसरो ने एक्स पर पोस्ट में गुरुवार को कहा, एसएसएलवी-डी3/ईओएस-08 मिशन: एसएसएलवी की तीसरी और अंतिम उड़ान 15 अगस्त को श्रीहरिकोटा से भारतीय समयानुसार सुबह 09:17 पर ईओएस-08 माइक्रो उपग्रह लॉन्च करेगी। इसरो ने कहा कि यह एसएसएलवी विकास परियोजना को पूरा करता है और भारतीय उद्योग और एनएसआईएल द्वारा परिचालन मिशनों को सक्षम बनाता है।

ईओएस-08, इसरो का नवीनतम पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है, जिसके प्राथमिक उद्देश्यों में एक माइक्रो उपग्रह को डिजाइन और विकसित करना, माइक्रो उपग्रह बस के साथ संगत पेलोड उपकरण बनाना और भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नयी तकनीकों को शामिल करना शामिल है। इसरो ने कहा, 175.5 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह तीन पेलोड ले जाएगा, जिन्हें मिट्टी की नमी के आकलन से लेकर आपदा प्रबंधन तक के विविध क्षेत्रों में उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष यान 475 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक गोलाकार निचली पृथ्वी कक्षा में लगभग एक वर्ष तक रहेगा। ईओआईआर पेलोड को दिन और रात दोनों समय में मिड-वेव आईआर (एमआईआर) और लॉन्ग-वेव आईआर एलडब्ल्यूआईआर) बैंड में फोटो कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें उपग्रह-आधारित निगरानी, आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी, आग का पता लगाने, ज्वालामुखी गतिविधियां और औद्योगिक और बिजली संयंत्र आपदा निगरानी करना शामिल है।

बांग्लादेश में बैंकों से एक लाख टका से अधिक नकद निकालने पर रोक

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के बैंकों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए गुरुवार के लिए नकद निकासी की सीमा प्रति खाता 1,00,000 टका तक निर्धारित कर दी है, हालांकि ऑनलाइन लेनदेन पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

अंग्रेजी दैनिक ढाका ट्रिब्यून ने गुरुवार को बताया कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण से पहले केंद्रीय बैंक ने आज एक अधिसूचना जारी की, जिसमें बैंक से निकासी को प्रति खाता 1,00,000 टका तक सीमित करने की जानकारी दी गयी। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश बैंक ने नकद निकासी को हतोत्साहित करने का फैसला किया है, ताकि इन निधियों का उपयोग आतंकवादी या अवैध गतिविधियों के लिए न किया जा सके। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से, विशेष रूप से अवामी लीग के सदस्यों और राजनेताओं द्वारा नकद निकासी में वृद्धि के बीच धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए गए थे। बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक ने मुख्यालय से नकदी प्रवाह को भी रोक दिया और गुरुवार को चेक भुगतान पर जोर दिया।

ढाका पुलिस कार्यालय पर सेना की छापेमारी

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सेना ने ढाका पुलिस की जासूसी शाखा पर छापेमारी की है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में गुरुवार को बताया गया कि छापेमारी के दौरान कोई भी व्यक्ति नहीं मिला। डीबी कार्यालय के कई भूतल कमरों की सेना द्वारा जांच की गई, क्योंकि उन्हें संदेह था कि वहां कुछ लोग हिरासत में लिये गये हैं। सेना की ओर से एक घोषणा की गई, जिसमें पूछा गया कि क्या कोई फंसा हुआ है, जवाब दें, यह बताते हुए कि सेना उन्हें बचाने आई है। हालांकि, किसी ने जवाब नहीं दिया और सभी कमरे खाली पाये गये। निरीक्षण के दौरान, एक कमरे में रखी अलमारी खोली गई, जिसमें 13 लाख टका नकद मिले।

तमिलनाडु के मछुआरों के साथ श्रीलंका के संदिग्ध समुद्री डाकुओं ने की लूटपाट

नागापट्टिनम, 08 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के पांच मछुआरों पर कोडियाकरई तट के पास कथित तौर पर समुद्र के बीच में श्रीलंकाई समुद्री डाकुओं ने हमला कर लूटपाट की घटना सामने आयी है। गुरुवार को वेदारण्यम तट पर लौटे मछुआरों ने तमिलनाडु मरीन पुलिस के तटीय सुरक्षा समूह (सीएसजी) के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित मछुआरों के अनुसार, वे कल सुबह अर्कोट्टुथुराई से मछली पकड़ने वाली नाव पर सवार होकर समुद्र में उतरे थे। मछुआरों ने बताया जब वे कोडियाकरई तट से लगभग 20 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में बीच समुद्र में मछली पकड़ रहे थे, तभी फाइबरग्लास की नाव में सवार होकर आए पांच अज्ञात लोगों के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया।

वैश्विक व्यवधानों ने भारत को रक्षा विनिर्माण क्षमता बढाने का मौका दिया : सीडीएस

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने गुरूवार को कहा कि वैश्विक व्यवधानों के कारण भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने का मौका मिला है जिससे कि भारत एक आयातक देश के बजाय रक्षा उत्पादों तथा साजो सामान का निर्यातक बन सके। जनरल चौहान उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल निरंतर बदल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, हम बड़े वैश्विक व्यवधानों के युग से गुजर रहे हैं। दुनिया की अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता की अनिश्चितताओं के बीच, वैश्विक हथियार उद्योग बढ़ती मांग और आपूर्ति के अंतर की एक विकट समस्या से जूझ रहा है। जनरल चौहान ने रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि यह राष्ट्र के लिए रणनीतिक स्वायत्तता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से गोला-बारूद निर्माण के संबंध में मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड अभियान को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत बदलावों, सुधारों और पहलों का उल्लेख किया।

नागरिक-सैन्य तालमेल के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने देश के आत्मनिर्भरता अभियान को बढ़ावा देने के लिए सेवाओं, रक्षा उद्योगों और शिक्षा जगत सहित वैज्ञानिकों की तिकड़ी को एक साथ आने का आह्वान किया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने युद्ध सामग्री में आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

दुमका में इंडियन बैंक से 15 लाख रुपए की लूट

दुमका, 08 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड-बिहार की सीमा पर दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में अति व्यस्ततम हंसडीहा चौक पर स्थित इंडियन बैंक की शाखा में गुरुवार दिनदहाड़े अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर लगभग 15 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों को चिन्हित कर सघन छापामारी कर रही है। दुमका के पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खैरवार और जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मुआयना कर अपराधियों को चिन्हित कर गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दिए हैं। जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में संचालित इंडियन बैंक की हंसडीहा शाखा में गुरुवार को बैंक खुलने के बाद बाइक पर सवार तीन नकाबपोश सहित करीब पांच की संख्या में आये अपराधियों ने दिनदहाड़े धावा दिया और हथियार का भय दिखाकर बैंक कर्मियों को कब्जे में लेकर करीब 15-20 लाख रुपए लूट कर देवघर की ओर भाग निकले । हालांकि, लूटी गयी राशि बढ़- घट सकती है। अपराधियों की करतूत बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे कैद हो गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) संतोष कुमार ने मीडिया को बताया कि बाइक पर सवार होकर आये करीब पांच अपराधियों द्वारा इंडियन बैंक की हंसडीहा शाखा में लूट की घटना को अंजाम दिये जाने की सूचना मिली है । लेकिन कितनी राशि लूटी गयी है। इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। मौके पर मौजूद कर्मियों से जो जानकारी मिल रही है।

वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए विपक्ष कर रहा वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध : सम्राट

पटना, 08 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने कहा कि वोटबैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीति के तहत कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर रही है।

श्री चौधरी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया है।

उन्होंने जदयू के इस बयान का भी स्वागत किया, जिसमें कहा गया है कि यह विधेयक मुस्लिम विरोधी नहीं बल्कि एक निरंकुश संस्था को कानून में बांधने के लिए लाया गया है।

उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया है कि वक्फ बोर्ड की जितनी भी परिसम्पत्तियां हैं उससे सिर्फ 163 करोड़ की ही आमदनी होती है। यदि वक्फ परिसम्पत्तियों का उचित तरीके से रखरखाव किया गया होता तो इससे 12 हजार करोड़ रुपये सलाना आय अर्जित हुई होती।

भाजपा नेता ने कहा कि वक्फ अधिनियम में बदलाव के लिए वर्ष 2024 में अचानक विधेयक नहीं पेश किया गया है बल्कि वर्ष 2015 से ही सुझाव लिए जा रहे थे। इसके लिए कश्मीर से लेकर लखनऊ तक बैठकें आयोजित की गई। रहमान खान की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने भी कहा कि वक्फ बोर्ड की व्यवस्था ठीक तरीके से नहीं चल रही है। कार्यबल अपर्याप्त है और फंड बहुत ही कम है। रिपोर्ट में वक्फ बोर्ड में महिला सदस्यों और बच्चों को भी जगह दिये जाने की अनुशंसा की गई है। वक्फ एक्ट की अनेक खामियों को दूर करने के लिए ही संशोधन का विधेयक लाया गया है।

श्री चौधरी ने कहा कि कोई पहली बार वक्फ अधिनियम में संशोधन नहीं किया जा रहा है। वर्ष 2013 में भी इस अधिनियम में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन विधेयक पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी सम्पत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी सम्पत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका सत्यापन करना होगा। इससे बोर्ड की मनमानी और मुट्ठी भर लोगों की दलाली पर रोक लगेगी।

भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष स्वार्थ में मुस्लिमों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। हकीकत यह है कि देश में जितना भी वक्फ बोर्ड है, उसपर माफियाओं का कब्जा हो गया है। वक्फ अधिनियम में संशोधन विधेयक पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड को सुचारू करने एवं उसकी परिसम्पत्तियों की उचित देखभाल में सहूलियत होगी तथा उसकी अकूत सम्पत्तियों का लाभ आम और जरूरतमंद मुस्लमानों, महिलाओं और बच्चों को भी मिल पायेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से की बातचीत

वेलिंगटन/नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की राजकीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यहां उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स के साथ बातचीत की और न्यूजीलैंड अतंरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और राष्ट्रपति भवन कार्यालय ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तौर तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने पर चर्चा की। न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, शिक्षा संबंध - भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारत इस वर्ष के सम्मेलन में सम्मान के पात्र का देश है। राष्ट्रपति ने शिक्षा के लिए अपना दृष्टिकोण रखा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सहित शिक्षा के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए सुधारों पर प्रकाश डाला। श्रीमति मुर्मु ने द्विपक्षीय शिक्षा संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया।

श्रीमती मुर्मु ने वेलिंगटन में पुकेहू राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वेलिंगटन रेलवे स्टेशन के पास महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने कहा, महात्मा की विरासत मानव जाति के लिए एक मार्गदर्शक है। उनकी कालजयी शिक्षाएँ हमें प्रेरित करती रहती हैं।

यूपी में किसानों के हक पर साइबर डाका

हमीरपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में 750 किसानों के मुआवजे में साइबर फ्रॉड हुआ है। ओलावृष्टि के अनुदान की राशि हमीरपुर के बजाय महराजगंज और गोरखपुर के खातों में भेज दी गई है। मामले में एसडीएम ने आईडी हैक कर खातों में बदलाव का आरोप लगाया है। मुआवजे के तौर पर 750 किसानों को मिलने वाली धनराशि महाराजगंज व गोरखपुर में कुछ लोगों के खातों में भेज दी। एसडीएम सदर ने करीब 15.50 लाख रुपए दूसरे खातों में जाने की बात स्वीकार की है।

एसडीएम का कहना है कि उनकी आईडी हैक कर शातिरों ने गड़बड़झाला किया। एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक ने साइबर थाने में चार अगस्त को अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात करने, आघात पहुंचाने व संचार माध्यम से धोखा देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया है कि ओला पीड़ित किसानों को अनुदान वितरित करने के लिए लेखपालों ने अपनी लॉगिन आईडी से उनका विवरण ऑनलाइन फीड किया। सभी स्तरों पर स्वीकृत होते हुए पेमेंट ऑन लाइन किसानों के खाते में भेजा गया। लेकिन फीडिंग के दौरान त्रुटि होने पर पेमेंट रिटर्न हो गया। जिस पर ऑफ लाइन डाटा संशोधन कर भेजा गया। रिटर्न सूची में अंकित कई किसानों के खातों में खाता संख्या अज्ञात स्तर पर बदल गई। यह गड़बड़झाला उनकी आईडी हैक कर किया गया। ज्यादातर धनराशि महाराजगंज व गोरखपुर में संचालित खातों में जाने की बात सामने आई है। एसडीएम सदर ने बताया कि करीब 750 किसानों की 15.50 लाख धनराशि गलत खातों में पहुंची है, जिसकी जांच की जा रही है।

साइबर थानाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने ऐसा कोई मामला दर्ज न होने की बात कही। इससे साफ प्रतीत होता है कि मामले को छिपाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी ने भी मामले की जानकारी न होने की बात कही। हालांकि एफआईआर की कॉपी एसडीएम के पास है। एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी ने एक जुलाई को सदर व मौदहा तहसील के एसडीएम व तहसीलदार को पत्र भेज ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के बैंक खातों में कोषागार से भेजी गई धनराशि का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। जिसके बाद सुमेरपुर क्षेत्र के पंधरी गांव निवासी 11 किसानों की धनराशि अन्य खातों में पहुंचने पर लेखपाल प्रदीप यादव को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही एसडीएम व तहसीलदार से ऐसे किसानों का विवरण मांगा गया।

बीते 20 फरवरी व तीन मार्च 2023 को जिले में हुई ओलावृष्टि ने सदर व मौदहा तहसील के किसानों को तबाह कर दिया था। सदर व मौदहा क्षेत्र के 53 गांवों में फसलों को 90 फीसदी नुकसान हुआ था। किसानों को न तो बीमा कंपनी से कुछ मिला और न ही कृषि अनुदान की धनराशि ही उनके खाते में पहुंची।

सीएजी रिपोर्ट में खुलासा

यूपी मेट्रो 1700 करोड़ के घाटे में

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि वर्ष 22-23 में आवास विकास ने 5000 करोड़ सरकारी खजाने में भरे। वन निगम ने भी 1100 करोड़ कमाए। वहीं यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन 1362 करोड़ और नोएडा मेट्रो 385 करोड़ रुपए के घाटे में है। स्मार्ट सिटी में वाराणसी और सहारनपुर छोड़ सभी घाटे में हैं। इस तरह सिटी ट्रांसपोर्ट सेवा भी सभी जिलों में सरकारी खजाने पर बोझ हैं।

सीएजी के मुताबिक वर्ष 22-23 में यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन पर 10193 करोड़ रुपए का कर्ज था। इसी तरह नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन पर 914 करोड़ रुपए का कर्ज था। प्रदेशीय इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ यूपी (पिकप) 376 करोड़ रुपए के घाटे में है और 995 करोड़ रुपए का कर्ज है।

इलाहाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस 16 करोड़ से ज्यादा घाटे में है। राज्य चीनी एवं गन्ना विकास निगम 761 करोड़ के घाटे में है।

राज्य चीनी निगम 156 करोड़ के घाटे में है। स्टेट हैंडलूम कॉर्पोरेशन करीब 85 करोड़ का घाटा झेल रहा है। स्टेट स्पिनिंग मिल कॉर्पोरेशन 275 करोड़ के घाटे में है।

अलीगढ़ स्मार्ट सिटी 206 करोड़, प्रयागराज स्मार्ट सिटी 66 लाख, वाराणसी स्मार्ट सिटी 28 लाख, मुरादाबाद स्मार्ट सिटी 8 करोड़, कानपुर स्मार्ट सिटी 1.5 करोड़ और लखनऊ स्मार्ट सिटी 11 करोड़ रुपए के घाटे में है। वहीं, सहारनपुर स्मार्ट सिटी ने करीब 26 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है।

ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रतिफल है हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल

सीएम योगी ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार द्वारा आयोजित इन्वस्टर्स समिट में हुए एमओयू अब धरातल पर उतरकर भविष्य की बेहतर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर-4 वसंत खंड स्थित हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर इसका उदाहरण है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इस 300 बेडेड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का बटन दबाकर लोकार्पण व शुभारंभ करते हुए ने कहा कि यह पवित्र हृदय से किया गया कार्य है। उन्होंने हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के निर्माण के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.संदीप कपूर और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई हुए कहा कि यह गोमती नगर विस्तार के नागरिकों के लिए उपहार है। इस अवसर पर उन्होंने देश में पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों के साथ ही प्रदेश में निवेश, रोजगार और विकास की उन्नति पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में इन्वेस्टर समिट के दौरान ही हॉस्पिटल को लेकर एमओयू हुआ था और 200 करोड़ रुपए की लागत से रिकॉर्ड समय में इसका निर्माण कर इसे जनता के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन्-वेस्टर्स समिट के अन्तर्गत हेल्थ केयर इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नियत समय सीमा में पूर्ण होने वाला यह पहला प्राइवेट प्रोजेक्ट है।

सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती और इसमें भी सबसे ज्यादा युवा हैं। उन्हें विकास और रोजगार से जोड़ सकें इसके लिए सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसरों को हम चिन्हित करके उन्हें विकसित कर रहे हैं। 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया जिससे 6.5 लाख से ज्यादा युवाओं को हम नौकरी देने में सक्षम हुए। 2018 में इनवेस्टर समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश के द्वार भी खुल गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पहले उत्तर प्रदेश को लेकर एक नकारात्मक स्थिति थी। नए निवेश आना तो दूर, जो निवेश यहां पहले से थे वह भी वाइंडअप करना चाहते थे। उत्तर प्रदेश में अपराध का बोलबाला था, न बेटी सुरक्षित थीं न व्यापारी। ऐसे में, हमने तब जीरो टॉलरेंस नीति लागू की जिसे आज पूरा देश मॉडल के रूप में स्वीकार करता है। बेहतरीन कानून के राज के लिए यह कदम जरूरी थे और इसी के फलस्वरूप निवेश ने पंख फैलाने शुरू किए।

उत्तर प्रदेश में बदले निवेश के परिदृष्य के बारे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब राज्य में भाजपा सरकार सत्ता में आई तो मैने इन्वेस्टर समिट कराने के लिए सुझाव मांगे, तब मुझे बताया गया कि हम 20 हजार करोड़ का निवेश लेकर आएंगे जो प्रदेश के विकास के लिए नाकाफी होता। इसके बाद हमने प्रयास प्रारंभ किए जो अब अपना सकारात्मक रंग दिखा रहे हैं। पहले इनवेस्टर समिट में 4 लाख करोड़ के निवेश से शुरू हुई यात्रा आगे चलकर 40 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ये प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के हमारे लक्ष्य का उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि निवेश के इन आंकड़ों को लोग फेक डाटा मानते थे, तो सूची जारी करके पब्लिक डोमेन में जारी किया। यह सफल मॉडल था। निवेश छोटा हो या बड़ा वह विकास का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को रोजगार से जोड़कर नया पंख देता है।

सीएम योगी ने कहा कि हॉस्पिटल सेवा का माध्यम होने के साथ ही आजीविका का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम को बधाई दूंगा कि ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में जो इन्होंने एमओयू किया था वह आज साकार हो गया है। पिछले 10 वर्ष के अंदर देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत परिवर्तन हुआ। स्वास्थ्य की सेवा फ्री होनी चाहिए और इसी प्रेरणा से हमने 5 करोड़ 11 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड के जरिए लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनअ-रोग्य योजना से भी हमने लोगों को जोड़ा है। मुख्यमंत्री राहत कोष से हमने 1 लाख 88 हजार लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई है। विवेकानंद पॉलीक्लीनिक से शुरू हुई यह यात्रा 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल के रूप में साकार हो गई है। हम ग्रीन कॉरीडोर सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि मेरा आग्रह है कि इस अस्पताल में आयुष्मान भारत के लिए भी प्रावधान रखा जाए। इस योजना से हम व्यक्ति को 5 लाख रुपए तक की बीमा कवर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हेल्थ सिटी विस्तार अस्पताल माध्यम से न केवल लखनऊ बल्कि आस-पास के सभी क्षेत्रों में हेल्थ सर्विसेस का लाभ मिलेगा। सीएम योगी बोले, उद्घाटन की पूर्णाहुति में बरसात भी हो रही जो पवित्र हृदय से किए गए कार्य को दर्शाता है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ल, महापौर सुषमा खर्कवाल और हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप कपूर, तीनों पार्टनर चिकित्सक डॉ संदीप गर्ग, डॉ के.बी जैन तथा डॉ राजेश अरोड़ा समेत हॉस्पिटल की समस्त टीम व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हॉस्पिटल के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. संदीप कपूर ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व अस्पताल के निर्माण का विचार आया था और 2016 में हेल्थसिटी अस्पताल ने जन्म लिया। उन्होंने कहा कि 2017 में सीएम योगी ने कार्यभार संभाला और प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के सपने साकार करने के लिए इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन समेत गुड गवर्नेंस और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रमोट किया। हम भी इस प्रक्रिया में शामिल हुए और 3 एकड़ क्षेत्र में 2 लाख स्केयर मीटर बिल्ड अप एरिया वाला यह 300 शैय्या, 40 ओपीडी, 60 क्रिटिकल केयर बेड, 8 ऑपरेशन थिएटर, 75 से ज्यादा सीनियर डॉक्टर्स (जिनमें कई 30 साल के अनुभवी ट्रेंड सर्जन भी शामिल हैं) हॉस्पिटल अस्तित्व में आया। यह अस्पताल मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा देगा। डॉ. कपूर ने बताया कि ये अस्पताल डॉक्टरों के समूह ने बनाया है जो इन्वेस्टर भी हैं और संचालनकर्ता भी हैं। उनके अनुसार, अस्पताल जब कम लागत में तैयार होगा तो मरीज पर बोझ कम पड़ेगा और अफोर्डेबल हेल्थकेयर सर्विसेस मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हम प्रशिक्षण और नर्सिंग स्कूल भी खोलेंगे और विदेश की सफलता की कहानी को प्रदेश में साकार करना चाहते हैं। विलेज लेवल आंत्रप्रेन्योरशिप प्रोग्राम में भी सहभागिता कर रहे हैं। वहीं, क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ल ने कहा कि इनवेस्टर समिट के माध्यम से रोपा गया बीज आज फलदार वृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। अस्पताल ट्रांस गोमती क्षेत्र में उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा।

जंगे आजादी में रही है गोरक्षपीठ की अहम भूमिका

अब स्वतंत्रता के मूल्यों के प्रसार पर जोर

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता के लिए लड़ाई में भरपूर योगदान और स्वतंत्रता के मूल्यों का संरक्षण गोरक्षपीठ की विरासत का अभिन्न हिस्सा है। पीठ से विरासत में मिली इस परंपरा को वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में बखूबी निभाने के साथ और आगे बढ़ा रहे हैं। हर जिले में शहीदों के नाम पार्क, हर शहीद को सम्मान।

शहीदों से जुड़े हर स्मारक का सुंदरीकरण आदि इसका प्रमाण है। इसी क्रम में योगी सरकार ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी वर्ष के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला तैयार की है। शताब्दी महोत्सव पर पूरे प्रदेश भर में अलग-अलग तिथियों पर कार्यक्रम होंगे। 9 अगस्त से इन आयोजनों की शुरुआत होगी। वहीं 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसमें घर-घर तिरंगा फहराया जाएगा।

गोरखपुर स्थित नाथपंथ की इस पीठ के व्यापक सामाजिक सरोकार रहे हैं। यही वजह है कि करीब एक शताब्दी से देश की राजनीति और समाज का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं रहा जिस पर अपने समय में पीठ की महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रही हो। राम मंदिर आंदोलन में गोरक्षपीठ की भूमिका से हर कोई वाकिफ है। यह देश की राजनीति और समाज पर असर डालने वाला आजादी के बाद का सबसे बड़े आंदोलन था। रही देश की आजादी की लड़ाई की बात तो इसमें भी पीठ की इसी तरह महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेषकर इस पीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की।

जिस दौरान जंगे आजादी चरम पर थी, उस समय योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ही गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर थे। वह चित्तौड़ मेवाड़ ठिकाना ककरहवां में पैदा हुए थे। पर, 5 साल की उम्र में गोरखपुर आए तो यहीं के होकर रह गए। यकीनन देश भक्ति का जोश, जज्बा और जुनून उनको मेवाड़ की उसी माटी से विरासत में मिली थी जहां के महाराणा प्रताप ने अपने समय के सबसे ताकतवर मुगल सम्राट के आगे तमाम दुश्वारियों के बावजूद घुटने नहीं टेके।

अयोध्या बलात्कार कांड में नया खुलासा

बलात्कारी सपा नेता की हिफाजत कर रही थी पुलिस

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले के बाद जिस निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करके आज वाहवाही बटोरी जा रही हैं, उस अवैध निर्माण की पिछले 12 साल से पुलिस ही रखवाली कर रही थी। दूसरों को छानबीन करके ही मकान किराए पर लेने की नसीहत देने वाली पुलिस ने अपने ही इस फॉर्मूले का पालन नहीं किया और अवैध निर्माण कर बनाए गए मकान में ही पुलिस चौकी खोल दी।

दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई का चाबुक चला तो इसके अवैध होने की पुलिस को भी याद आई और आनन-फानन इसे खाली कर दिया गया। भदरसा में हुए दुष्कर्म मामले के बाद आरोपी के अवैध कारनामों को उजागर करने के प्रयासों के बीच प्रशासन व पुलिस के खुद के कारनामे भी उजागर हो रहे हैं। दुष्कर्म के आरोपी के जिस मकान व निर्माण को अवैध बताया जा रहा है, वह एक दिन में हुआ निर्माण तो नहीं है। ऐसे में सवाल है कि निर्माण होते समय राजस्व महकमा कहां था? क्या निर्माण के समय राजस्व विभाग के लोगों को इसकी भनक नहीं लगी या उनकी भी इस अवैध निर्माण में संलिप्तता थी या फिर अवैध कब्जा हटवाने के लिए मुख्यमंत्री की सख्ती का इंतजार हो रहा था?

यही नहीं, जांच का दायरा बढ़ाया गया तो मालूम हुआ कि भदरसा में सपा नेता के अलावा भी बहुत सी जमीनों पर अवैध ढंग से कब्जा है। इतने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे होते रहे, लेकिन राजस्व महकमा व पुलिस प्रशासन सोता रहा।

जब मुख्यमंत्री ने कार्रवाई का चाबुक चलाया तो अवैध कब्जों की पुलिस व प्रशासन को याद आई। उधर, वर्ष 2012 से भदरसा पुलिस चौकी की स्थापना के लिए गृह विभाग ने भी वही स्थान तलाशा, जो अवैध कब्जे की जमीन पर बना था। माना जा रहा है कि या तो पुलिस ने चौकी खोलने से पहले जांच नहीं की या फिर इसमें भी मिलीभगत व साठगांठ करके स्वार्थ साधा गया। प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि दुष्कर्म के आरोपियों की जांच के साथ अवैध निर्माणों को बढ़ावा देने वाले स्थानीय पुलिस व राजस्व महकमे की भी जांच और कार्रवाई होना चाहिए। सोहावल के उप जिलाधिकारी अशोक सैनी कहते हैं, यह पुराने निर्माण हैं। चकबंदी के दौरान भी कुछ गड़बड़ियां हुई होंगी। वह एरिया नगर पंचायत का है। नगर पंचायत को इसका संज्ञान लेना चाहिए कि उनकी जमीन पर कौन कब्जा कर रहा है।

लेखपाल का उससे कोई लेना-देना नहीं है। अपनी सम्पत्ति की सुरक्षा करना नगर पंचायत की जिम्मेदारी है। वह चाहें तो प्रशासन से मदद मांग सकते हैं।

अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा में किशोरी से दुष्कर्म के आरोपियों के मोबाइल फोन भी राज खुलेंगे। इसके लिए दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। सर्विलांस टीमें इस पर कार्य कर रही हैं। माना जा रहा है कि इससे भी केस को मजबूत बनाने में पुलिस को काफी मदद मिल सकती है। दर्ज एफआईआर में किशोरी की मां ने बताया है कि उनकी पुत्री को खेत में काम करने के दौरान बेकरी में काम करने वाला राजू खान मिला था, जो उसे लेकर बेकरी मालिक व सपा नेता मोईद खान के पास गया था। वहां मोईद खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया और राजू खान ने वीडियो बनाया। बाद में वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल करके कई बार उन्होंने दुष्कर्म किया। इस बीच वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। पीड़िता का गर्भपात हो चुका है। उसका डीएनए टेस्ट के लिए नमूना भी लिया जा चुका है। मुद्दा राजनीतिक होने के कारण पुलिस भी फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही है और किसी भी एंगल को छूटने नहीं देना चाहती है। पुख्ता सबूत इकट्ठा करने की हर संभव कोशिश हो रही है।

सिपाही भर्ती पेपर लीक के सरगना ने तीन साल में खोली 7 कंपनियां

भर्तियों में फ्रॉड कर किया करोड़ों का वारा-न्यारा

प्रयागराज, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

आरओ-एआरओ व सिपाही भर्ती पेपर लीक प्रकरण के जिस मास्टर माइंड राजीव नयन मिश्रा उर्फ राहुल की 1.2 करोड़ की सम्पत्ति प्रवर्तन निदेशालय ने अटैच की, उसने महज दो साल के भीतर सात कंपनियां खोल डालीं। इनका पंजीकृत कार्यालय ग्रेटर नोएडा व प्रयागराज में बनाया गया। साथ ही इनके जरिए लाखों रुपए का वारा-न्यारा भी किया गया।

2017 से 2020 के बीच यह सात कंपनियां अलग-अलग नाम से खोली गईं। इन सभी कंपनियों को पार्टनरशिप में खोला गया और इनमें कई पार्टनर भी बनाए गए। हालांकि, इनमें सबसे ज्यादा शेयर राजीव नयन का ही था। 2017 से ही उसने इन कंपनियों के जरिये लाखों का वारा-न्यारा शुरू कर दिया था। मास्टर माइंड ने जो पांच कंपनियां खोलीं, उनमें से एक का जिक्र प्रवर्तन निदेशालय ने भी किया है। यह कंपनी सेमवाल्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड थी, जिसमें राजीव नयन के अलावा कुल छह डायरेक्टर थे।

भोपाल, ग्रेटर नोएडा व दादरी में अचल व बैंक खाते में पड़ी नकदी व दो कारों को अटैच किए जाने के बाद अब राजीव नयन की सम्पत्तियों की प्रयागराज में भी तलाश शुरू कर दी गई है। गोपनीय तरीके से पता लगाया जा रहा है कि प्रयागराज में उसके नाम पर कोई सम्पत्ति है या नहीं। बता दें कि वह मूल रूप से मेजा के शुकुलपुर गांव का रहने वाला है। उसने सेमवॉल्ट टेक्नोलॉजीज ग्रेटर नोएडा, वेब ई एंड आई ग्रेटर नोएडा, सेमवाल्ट फूड क्लब ग्रेटर नोएडा, रेडी टु मूव कार्गो सर्विसेस ग्रेटर नोएडा, सेमवाल्ट डाइमेंसन ग्रेटर नोएडा, आईशॉप कंसल्टेंसी प्रयागराज और मेडिचॉइस ग्रेटर नोएडा नाम से कंपनियां खोली थीं।

संपादकीय

भारत विरोधी बांग्लादेश

बांग्लादेश के साफ संकेत हैं कि अब वहां कट्टरपंथियों और भारत-विरोधी ताकतों का वर्चस्व होगा। आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं।

आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं।

प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार में मंत्री रहे 10 और अन्य बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल बीएनपी और जमात के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 'सौदेबाजी' की है कि शेख मुजीब की सियासी विरासत की प्रतीक 'अवामी लीग' पार्टी का नामोनिशां ही मिटा दिया जाए, ताकि 1971 की बगावत की मुकम्मल सजा दी जा सके। हसीना के बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने के साथ ही शेख मुजीब की सियासी विरासत तो समाप्त हो गई। पाकिस्तानी फौज गदगद है और लड्डू खा रही है। ऐसी सूचनाएं भी हैं कि आईएसआई लंदन में तारिक रहमान और जमात के नेतृत्व के साथ 2018 से ही 'तख्तापलट' की साजिश रच रही थी, लेकिन अभी तक नाकाम रही थी। मौजूदा आंदोलन का आवरण छात्रों का था, लेकिन उनकी आड़ में जमात और बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने ही आंदोलन को 'तख्तापलट' का रूप दिया था। जमात का छात्र संगठन ही आंदोलन और बगावत के पीछे सक्रिय था। बेशक शेख हसीना को मुल्क छोड़े तीन दिन गुजर चुके हैं, लेकिन बांग्लादेश के हालात अब भी सामान्य नहीं हुए हैं। करीब 125 लोग बीते एक दिन में मारे गए हैं। कुल मौतों की संख्या 450 से अधिक हो गई है। चूंकि प्रधानमंत्री के तौर पर हसीना भारत-समर्थक थीं। दोनों देशों ने कई साझा परियोजनाएं शुरू कीं और पुराने विवादों को भी खत्म किया। अब अंतरिम सरकार के दौर में कट्टरपंथी और भारत-विरोधी ताकतें ऐलानिया कह रही हैं कि उन परियोजनाओं की जांच और समीक्षा की जाएगी। बांग्लादेश के एक तबके का भारत-विरोध इनसे स्पष्ट होता है कि बीते तीन दिनों में ही 30 हिंदू मंदिर तोड़ दिए गए। उनमें आस्था की देव-मूर्तियों को भी खंडित कर ध्वस्त किया गया। मंदिरों में आग लगा दी गई। हिंदुओं के 300 से अधिक घर और उनकी दुकानें भी तोड़ी गईं और आगजनी भी की गई। बीते कुछ सालों के दौरान करीब 3600 हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा चुका है और उन्हें आग के हवाले किया जाता रहा है। क्या बांग्लादेश हिंदू-विरोधी भी हो रहा है? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब मात्र 7.9 फीसदी है, जबकि 1971 में देश-निर्माण के वक्त यह आबादी करीब 23 फीसदी थी। बेशक हिंदू घोर अल्पसंख्यक हैं। क्या मोदी सरकार प्रभावी हस्तक्षेप करेगी? बीएनपी की सरकार पहले भी बांग्लादेश में रही है। जमात भी भारत का विरोध करती रही है। जमात तो 1971 में भी पाकिस्तानपरस्त था और बांग्लादेश बनाने के अभियान के खिलाफ था। यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश कई मामलों में भारत के भरोसे रहा है। हकीकत यह भी है कि अब बांग्लादेश में करीब 80 फीसदी सैन्य हथियार चीन से आते हैं। क्या नई सरकार चीन के साथ अपने संबंध मजबूत करेगी और भारत का खुलेआम विरोध करेगी? भारत के लिए घुसपैठ और शरणार्थियों का आना भी बेहद गंभीर चुनौती है।

भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिंता

बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है।

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है।

दृष्टि कोण

बांग्लादेश के हालात से बहुत संतर्क रहना होगा

बांग्लादेश में महीनों से सुलग रही आरक्षण और सरकार विरोधी चिंगारी सोमवार को भीषण आग के रूप में फूटी। 300 लोगों की मौत के बाद सेना भी उग्र भीड़ को संभाल नहीं पाई। नतीजतन करीब डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री शेख हसीना को जान बचाकर देश से भागना पड़ा है। शेख हसीना भागकर फिलहाल भारत आई हैं। सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों ने देश के चीफ ऑफ जस्टिस के घर में घुसकर तोड़-फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने घर में मौजूद कार, फर्नीचर के साथ घर का सारा समान लूट ले गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में इंडिया कल्चर सेंटर पर हमला बोला। साथ ही काली व इस्कॉन समेत देशभर में कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक डरे और सहमें हैं। वहां क्या हालात बनेंगे? वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कैसे होगी, इस पर भारत को नजर रखनी होगी। ये भी देखना है कि सरकार कैसी बनता है? उसका भारत के प्रति नजरिया कैसा होगा? नई सरकार कहीं इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा तो नही देगी। उसका रूख पाकिस्तान और चीन संमर्थक तो नहीं होगा? भारत को अपने देश की सीमा को पूरी तरह बंद रखना होगा, ताकि वहां के हालात से डरे नागरिक अपने भारत में न आ सकें।

1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल क्रांतिकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जा रहे आरक्षण को खत्म करने की मांग के साथ पिछले महीने विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदर्शनकारी आखिर फिर से इतने हिंसक होकर सड़कों पर क्यों उतर आए। असल में हिंसा की यह नई लहर तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने असहयोग का आह्वान किया। इसमें लोगों से कर या बिजली बिल का भुगतान न करने और रविवार को काम पर न आने का आग्रह किया गया। सोमवार को जब कार्यालय, बैंक और कारखाने खुले, तो प्रदर्शनकारियों ने लोगों को काम पर जाने से रोकना शुरू कर दिया। सेना ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले लगाए गए कर्फ्यू की परवाह किए बिना ढाका में प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने ढाका के शाहबाग इलाके में स्थित एक प्रमुख सार्वजनिक अस्पताल बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी पर हमला किया है। प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालयों व वाहनों में भी आग लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफे पर अड़े रहे। 14 जुलाई को बतौर प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा था, स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्या आरक्षण का लाभ रजाकारों के पोते-पोतियों को मिलेगा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बयान के बाद, 'तुई के, अमी के रजाकार, रजाकार' के नारे लगाने शुरू कर दिए और हिंसा ज्यादा भड़क गई।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा गठित रजाकार क्रूर अर्धसैनिक बल था। रजाकारों ने मुक्ति संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों और आम लोगों के खिलाफ अत्याचार किया। आज भी यह शब्द वहां अपमानजनक माना जाता है। इसका इस्तेमाल देशद्रोहियों और अत्याचारियों के लिए किया जाता है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल व तख्तापलट का इतिहास 1975 से शुरू होता है।हसीना के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान की उनके परिवार के ज्यादातर सदस्यों की हत्या कर दी गई। जनरल जियाउर रहमान ने सत्ता पर कब्जा किया। 1981 गेस्ट हाउस में घुसकर विद्रोहियों ने जियाउर रहमान की हत्या की। हालांकि, सेना का बड़ा तबका वफादार होने से तख्तापलट नाकाम रहा। 1982 रहमान के उत्तराधिकारी अब्दुस सत्तार को हुसैन मुहम्मद इरशाद के नेतृत्व में सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इरशाद राष्ट्रपति बन गए। 2007 सेना प्रमुख ने एक कार्यवाहक सरकार का समर्थन किया, जो 2009 तक सत्ता पर काबिज रही। 2009 अर्धसैनिक बलों का विद्रोह.. में 70 लोगों की हत्या, इनमें से अधिकांश सैन्य अधिकारी थे।2012 सेना ने कहा, शरिया या इस्लामी कानून से प्रेरित तख्तापलट के प्रयास को विफल कर दिया है।

स्पष्टतौर पर बांग्लादेश में सुलग रही हिंसा के केंद्र में आरक्षण है। बांग्लादेश की जनसंख्या17 करोड़ है और देश में लगभग 3.2 करोड़ युवा बेरोजगार हैं।1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल लोगों के वंशजों को मिल रहे आरक्षण को खत्म करने के लिए छात्र मांग कर रहे हैं। इसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल रहे लोगों के वंशजों को 30 फीसदी आरक्षण दिया जाता है। 10 फीसदी आरक्षण महिलाओं के लिए भी है।

कुछ अलग

नानक दुखिया सब संसार...

ये संसार दुखों का भंडार है, हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से परेशान है, दुखी है। अमीर है तो चिंतित है, गरीब है तो चिंतित है। राष्ट्रपति हो या चपरासी, सब परेशान हैं, सब दुखी हैं। हम हमेशा यही पढ़ते और सुनते आए हैं। बचपन से ही यही घुट्टी पिलाई जाती रही है हमें, इसलिए हमने मान लिया कि दुखी होना आम बात है, हर कोई दुखी है, तो अगर हमें भी कुछ दुख हैं, कुछ परेशानियां हैं तो क्या बड़ी बात है? हम एक अनंत दौड़ में शामिल हैं। सब कुछ इक_ा कर लेने की कोशिश में हम खुद को भुला बैठे हैं। हमारा परिवार, हमारी शिक्षा, हमारा समाज सब हमें जीवन भर भागदौड़ में लगे रहना सिखाते हैं। स्कूल, कालेज, शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय, प्रमोशन, पैसा आदि के चक्कर में हम घनचक्कर बने हुए हैं। हम बड़े होते हैं, काम करते हैं, शादी करते हैं, बच्चे पैदा करते हैं, बच्चे बड़े होते हैं, शादी करते हैं, और फिर हमारे बच्चे भी बच्चे पैदा करने में मशगूल हो जाते हैं। जीवन चक्र चलता रहता है। हम कोल्हू के बैल की तरह आंखें बंद करके एक ही दायरे में घूमते चले जाते हैं और अंततः राम नाम सत्य हो जाता है। हम कितने ही अमीर हो जाएं, कितने ही सुखी हो जाएं, कितने ही पुरस्कार पा लें, कितने ही सम्मान मिल जाएं, पर कुछ न कुछ कमी रह जाती है, खालीपन रह जाता है, और हम समझ नहीं पाते कि कमी कहां है। गरीब आदमी गरीबी के कारण तनावग्रस्त है, अमीर आदमी अमीरी चली जाने के डर से तनावग्रस्त है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि आत्महत्या करने वाले लोगों में अमीरों की संख्या ज्यादा है। गरीब को तो फिर भी लालसा होती है कि ये कर लूं, वो कर लूं, ये पा लूं, वो पा लूं, क्योंकि उसके जीवन में तो कमियां ही कमियां हैं, अभाव ही अभाव हैं, उसकी लालसाएं बाकी हैं, पर अमीर आदमी की तो कठिनाई ही यह है कि पैसे के दम पर उसने सब देख लिया, सब पा लिया। न करने को कुछ बाकी रहा, न पाने को। जीवन में कोई उत्साह नहीं, कोई लक्ष्य नहीं, कोई आशा नहीं, सब कर लिया, सब देख लिया, सब पा लिया, अब बोरियत ही बोरियत है। जीवन में कोई रस नहीं। सारे सुखों के बावजूद जीवनसाथी से रिश्ते अच्छे नहीं, बच्चे कहना नहीं मानते, तो आदमी घुटता है, निराश होता है, पैसा बेमानी लगने लगता है, सुख बेमानी हो जाता है और आदमी निराश होकर, हताश होकर आत्महत्या की ओर कदम बढ़ा लेता है। अत्यधिक धनवान लोगों के बच्चों में नशे की आदत सिर्फ इसीलिए लग जाती है कि वो सुविधाएं भोग-भोगकर बोर हो चुके हैं। उनमें 'बीन देअर, डन दैट', यानी, 'वहां भी जा आए, वो भी कर लिया, अब बाकी ही क्या बचा' की भावना इतनी गहरी हो जाती है कि उन्हें कुछ और समझ ही नहीं आता। लेकिन क्या जीवन सिर्फ परेशानियों का घर ही है? जी नहीं। सच तो यह है कि इससे बड़ा झूठ और कोई हो ही नहीं सकता, पर हमारी नजर इतनी संकरी है कि हम कुछ और देख ही नहीं पाते। अपने ही पूर्वाग्रहों के कारण हम समझ ही नहीं पाते कि सुखी होना भी आसान है, और इसका सीधा सा कारण यह है कि हमने गुरु नानक देव जी के संदेश को समझने की कोशिश ही नहीं की। गुरु नानक देव जी सरीखे महान संत की बात झूठी नहीं हो सकती, लेकिन अगर हम उसे समझने की कोशिश ही न करें, तो गलती सरासर हमारी है। गुरु नानक देव जी अगर यह कहते हैं कि सारा संसार ही दुखिया है, हर ओर दुख ही दुख है, कठिनाई ही कठिनाई है, तो साथ ही यह भी कहकर कि 'सो सुखिया जिस नाम अधार', इन सब दुखों, परेशानियों और समस्याओं से छुटकारा पाने का हल भी बताते हैं। समस्या यही है कि हमने 'नानक दुखिया सब संसार' को तो रट लिया, लेकिन इसके हल, यानी, 'सो सुखिया जिस नाम अधार' को सिरे से ही भुला दिया। यही एक कमी रह गई जिसने जीवन अंधकारमय बना दिया, परेशानियों, समस्याओं और दुखों का भंडार दिया।

देश दुनिया से

कांवड़ यात्रा या तांडव यात्रा

कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिय़ा कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी।

इस वर्ष कांवड़ यात्रा 22 जुलाई 2024 से शुरू हो गई है और इसकी समाप्ति 19 अगस्त को होगी। हर साल सावन में भगवान शिव के लाखों भक्त कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिया कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी। कथा के अनुसार वे गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर निकले थे और सीधे उत्तर प्रदेश के पुरा पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। ऐसी भी किंवदंती है कि सबसे पहले यह यात्रा श्रवण कुमार ने की थी। जब उनके माता-पिता ने गंगा स्नान करने की इच्छा जताई तो वह उन्हें कांवड़ में बैठाकर यात्रा पर निकले थे। इसके बाद वे हरिद्वार पहुंचे और गंगा स्नान कराने के बाद जल अपने साथ लेकर आए थे। कांवड़ यात्रा एक महीने तक चलने वाला त्योहार है जिसमें कांवड़िए भगवा रंग के कपड़े पहनते हैं और चुने हुए तीर्थ स्थलों से पवित्र जल लेने के लिए नंगे पैर चलते हैं। आम तौर पर कांवड़ यात्रा चार तरीकों से सम्पूर्ण की जाती है। पहली डाक कांवड़, इसमें कांवडिये यात्रा की शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं और शिवधाम तक की यात्रा एक निश्चित समय में तय करते हैं। यह समय अमूमन 24 घंटे के आसपास होता है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं। दूसरी खड़ी कांवड़ यात्रा है जिसमें कुछ भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। इस दौरान उनकी मदद के लिए कोई न कोई सहयोगी उनके साथ चलता है। जब वे आराम करते हैं तो सहयोगी अपने कंधे पर उनकी कांवड़ लेकर कांवड़ को चलने के अंदाज में हिलाते डुलाते रहते हैं। तीसरी दांडी कांवड़ यात्रा होती है। इसमें भक्तगण नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। मतलब कांवड़ पथ की दूरी को अपने शरीर की लंबाई से लेट कर नापते हुए यात्रा पूरी करते हैं। चौथी कांवड़ यात्रा सामान्य होती है। इसमें अधिकांश कांवड़िए कांवड़ के साथ अथवा बिना कांवड़ के पैदल ही चलते हुए गंगाधाम से घर तक की दूरी पूरी करते हैं। कई लोग कुछ किलोमीटर से दो हजार किलोमीटर तक की कांवड़ यात्रा भी करते हैं। वर्तमान समय में कांवड़ यात्रा के तौर तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया में कांवड़ यात्रा के जो वीडियो देखने को मिलते हैं, उनमें फूहड़ता, अश्लील आचरण और हुड़दंग मचाते अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के निम्न मध्यमवर्गीय, सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के कम पढ़े लिखे युवा दिखाई देते हैं जिनकी गतिविधियां शिक्षित एवं जागरूक लोगों में वितृष्णा का भाव भी पैदा करती हैं। इस पवित्र यात्रा में भाग लेने वाले लोगों के लिए सभी धर्मों के लोगों द्वारा की जाने वाली सुंदर व्यवस्थाएं भी चंद उद्दंड युवाओं के टोलों द्वारा की जाने वाली तोडफ़ोड़ और मारपीट के कारण धरी की धरी रह जाती हैं। कहीं कहीं लडक़े, युवा लड़कियों और कांवड़ यात्रियों के शरीर और पैरों पर जल डालकर उन्हें राहत देने का प्रयास करते दिख जाते हैं। इस कांवड़ यात्रा में कई अनोखे रंग-ढंग की कांवड़ भी देखने को मिलती हैं तो दस करोड़ रुपए वाली डीजे भी है, जेसीबी, स्कूटी/बाइक और तरह तरह की झांकीनुमा सुंदर कांवड़ भी हैं। कांवड़ यात्रा का एक दुखद पहलू भी है और वह है हुड़दंगबाजों की जमात द्वारा मारपीट और गाडियों की तोडफ़ोड़ करना जिससे शरीफ लोगों में दहशत का माहौल पैदा होता है। चूंकि 3 करोड़ से ज्यादा कांवड़िए हरिद्वार से विभिन्न मार्गों पर निकलते हैं, लिहाजा सडक़ों पर भयंकर जाम की स्थितियां निर्मित हो जाती हैं और कांवडियों से थोड़ा सा भी छू जाने पर गाडियों वालों की जान पर बन आती है, क्योंकि भक्त कांवडियों के वेष में शरारती तत्व गुंडागर्दी पर उतर आते हैं। प्रशासन को सामान्य लोगों की सुरक्षा एवं वाहनों से तोडफ़ोड़ करने वालों से सख्ती से पेश आने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी तोडफ़ोड़ की ऐसी घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि जो कांवड़िए तोडफ़ोड़ की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं या जिस किसी ने भी कानून को अपने हाथ में लिया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस यात्रा के दौरान कई युवा कांवडियों को नशा करते हुए भी देखा जा सकता है। एक कांवडिया तो कैमरे के सामने चरस दिखाते हुए दावा करता नजर आता है कि वह डेढ़ लाख रुपए की चरस लेकर चल रहा है, जिसका सेवन वह खुद भी कर रहा है और साथ चल रहे साथियों को भी करवा रहा है। कांवडियों द्वारा हरिद्वार के घाटों पर फैलाई गई गंदगी से गंगा मैया की पवित्रता भी दूषित हुई है।

आप का नजरिया

बांग्लादेश की घटनाएं शर्मनाक घिनौनी, मानवता पर कलंक एवं आंखें खोलने वाली हैं : डॉ. अजय अग्रवाल

बांग्लादेश में वर्तमान में स्थिति बहुत खराब है और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की स्थिति और भी दयनीय है। एक खास धर्म के लोगों द्वारा हिंदुओं पर किए जा रहे हमले बेहद निंदनीय हैं। हमारी भारत सरकार को इस नरसंहार को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि जहां-जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वे आसान लक्ष्य बन जाते हैं। घरों, मंदिरों, दुकानों को जलाना, हिंदुओं की हत्या और हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार और लूटपाट जैसी घटनाएं बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हो रही है।

यह भी एक विडंबना है कि तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और टुकड़े-टुकड़े गिरोह ने अपनी जुबान पर ताला लगा रखा है।

हमारे देश में कुछ नेता भड़का रहे हैं कि इस तरह का नरसंहार भारत में भी हो सकता है और असामाजिक तत्व प्रधानमंत्री के घर में भी घुस सकते हैं और बांग्लादेश की तरह ही कब्जा कर सकते हैं।

मेरा सुझाव है कि सरकार को भड़काऊ भाषण देकर देशवासियों को भड़काने वाले नेताओं के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

इन असामाजिक तत्वों पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए और अब राष्ट्रवादियों और हिंदुओं के लिए यह सोचने का समय आ गया है कि खुद को, अपनी संपत्ति को और सबसे बढ़कर अपने प्यारे देश को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट होना होगा।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईरान और उ. कोरिया आए साथ, अमेरिका-इज़राइल के माथे पर शिकन

दोनों अमेरिका के दुश्मन नंबर वन

तेहरान, 08 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया और ईरान अपनी बढ़ती परमाणु आकांक्षाओं और मजबूत होकर द्विपक्षीय संबंधों के चलते हालिया समय में चर्चा में हैं। उत्तर कोरिया और ईरान, दोनों को अमेरिका के दुश्मन नंबर वन है। इसके बाद इन दोनों का करीब आना और खासतौर से सैन्य मोर्चे पर इनका सहयोग अमेरिका, इजरायल और उसके सहयोगियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर ईरान और उत्तर कोरिया का अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाना अमेरिका को तंग कर रहा है। दोनों के बीच बढ़ते सहयोग से एक बड़े युद्ध का अंदेशा भी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने हाल ही में दक्षिण कोरिया की सीमा पर 250 नए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर तैनात किए हैं। तानाशाह किम जोंग उन का दावा है कि मिसाइलों को परमाणु वारहेड से लैस किया जा सकता है और इनकी जद में साउथ कोरिया का बड़ा हिस्सा आता है। जानकार मान रहे हैं कि इससे कोरियाई प्रायद्वीप पर संघर्ष की संभावना के बारे में चिंताएं बढ़ती हैं। दूसरी ओर ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं भी दुनिया से छुपी नहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने बताया था कि ईरान के पास कई परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त यूरेनियम है। अमेरिकी और इजरायली खुफिया एजेंसियों ने परमाणु हथियारों के विकास से संबंधित रिसर्च में ईरानी वैज्ञानिकों की भागीदारी का खुलासा किया है। ईरान और उत्तर कोरिया दोनों ही पश्चिमी शक्तियों और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के विरोधी हैं। दोनों ने दशकों से एक रणनीतिक साझेदारी विकसित की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि उ.कोरिया और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को लेकर चिंतित है। खासतौर से दोनों देशों के बीच परमाणु और उन्नत मिसाइल प्रौद्योगिकी के संभावित प्रसार से वैश्विक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा होती हैं। दोनों देशों की ये साझेदारी किसी बड़े संघर्ष को भी जन्म दे सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू का न्यूजीलैंड से पूरी दुनिया को संदेश, शिक्षा में परिवर्तन की शक्ति

वेलिंगटन, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की राजकीय यात्रा का पहला चरण फिजी में पूरा कर न्यूजीलैंड पहुंची हैं। उन्होंने यहां अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन पूरी दुनिया को संदेश दिया। राष्ट्रपति ने कहा, 'शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव किया है। 21वीं सदी के भारत में शिक्षा प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा ने विभिन्न क्षेत्रों को ऐसे नेता दिए हैं जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में योगदान दे रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'आज भारत में युवाओं की बड़ी संख्या है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्व मालूम है। भारतीय माता-पिता भी अपने बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा दिलाने की आकांक्षा रखते हैं। यह वास्तव में स्वागत योग्य है। आज आठ हजार भारतीय विद्यार्थी न्यूजीलैंड के विभिन्न संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।'

इससे पहले न्यूजीलैंड पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गवर्नमेंट हाउस में गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो ने गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू के स्वागत में पारंपरिक माओरी 'पोविरी' समारोह आयोजित किया गया। उन्हें रॉयल गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। गवर्नर-जनरल डेम सिंडी किरो के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड के दो दिन के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गवर्नर जनरल किरो के साथ बैठक की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू यहां प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से भी मुलाकात करेंगी। वो ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगी। यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति तिमोर-लेस्ते जाएंगी।

39 साल पुरानी टिकट को ओनर किया डिज्नीलैंड ने

लॉस एंजेलिस। कैलिफोर्निया की 18 साल की सबरीना 39 साल पुरानी निशुल्क टिकट को लेकर डिजनीलैंड पार्क में पहुंची। 39 साल पुरानी टिकट पर उन्हें प्रवेश दिया गया। सबरीना को उनके पापा ने यह टिकट दी थी। 1985 में डिज्नीलैंड की 30 वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

प्रोफेसर यूनुस ने क्यों कहा, हसीना का समर्थन कर भारत ने ठीक नहीं किया

ढाका। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनने का रास्ता साफ हो चुका है। गुरुवार को शपथ से पहले युनूस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र कर कहा है कि भारत के साथ घनिष्ठ मित्रता को फिर से शुरू करने के कई अवसर जल्द ही आएंगे। लेकिन उन्होंने कहा कि भारत ने शेख हसीना का समर्थन किया, जो बांग्लादेश के लोगों की भावनाओं के अनुरूप नहीं है। इससे कहीं ना कहीं दोनों देशों के रिश्ते में दरार आई है। रिपोर्ट के मुताबिक युनूस ने कहा, हालांकि भारत जैसे कुछ देशों ने शेख हसीना का समर्थन किया, जिसके नतीजे में उन्हें बांग्लादेशी लोगों की नाराजगी हासिल हुई है। इससे रिश्तों में कुछ दरारें बनी हैं, जिन्हें ठीक करके द्विपक्षीय सबंधों में सुधार लाने और भारत से करीबी दोस्ती को फिर से शुरू करने के कई अवसर आने वाले समय में हमारे पास आने वाले है। युनूस ने कहा कि बांग्लादेश में नई सरकार के आने से देश की ताकत दुनिया में बढ़ेगी। यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार का अगला कदम सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करना और यह सुनिश्चित करना होगा कि कुछ महीनों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हों। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रक्रिया का समर्थन करने में मदद करने को तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि अन्य लोग भी मेरे साथ जुड़ सकते है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने जा रहे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस एक अर्थशास्त्री और बैंकर हैं। उन्हें माइक्रोक्रेडिट बाजार विकसित करने के उनके काम के लिए 2006 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

दक्षिणी जापान में 7.1 की तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

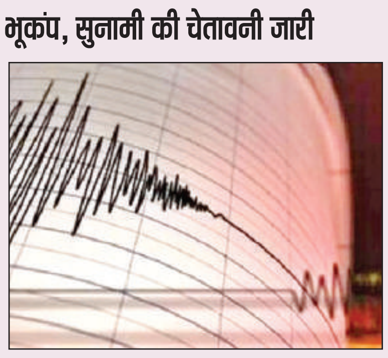

टोक्यो। जापान के दक्षिणी तट पर गुरुवार को भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए गए, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि गुरुवार दोपहर दक्षिणी क्यूशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था। उसके बाद क्यूशू के पूर्वी और दक्षिणी तट और शिकोकू के दक्षिणी तट पर सुनामी की चेतावनी जारी की गई। इसमें क्यूशू के दक्षिणी तट और पास के द्वीप शिकोकू के साथ 1 मीटर (3.3 फीट) तक की लहरें उठने की भविष्यवाणी की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार दक्षिणी जापानी द्वीपों क्यूशू और शिकोकू के तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने कहा कि यह मियाजाकी और कोच्चि प्रान्तों के लिए था।

शेख हसीना के ढाका से निकलने के तीन दिन बाद तक जारी रहा हिंसा का दौर

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा के बीच तख्तापलट का असर अब भी दिखाई दे रहा है। पूर्व सीएम शेख हसीना के ढाका से निकलकर भारत आने के बाद तीन दिन बाद तक हिंसा का दौर जारी है। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं तो वहीं शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। 20 से ज्यादा अवामी लीग के नेताओं के शव अब तक मिल चुके हैं। इसके अलावा एक अवामी नेता के होटल को ही आग के हवाले कर दिया गया, जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा शेख हसीना सरकार में मंत्री और सांसद रहे नेताओं को लगातार टारगेट किया जा रहा है। शेख हसीना की छोटी बहन रिहाना शेख के घर में भी लूटपाट की गई है। इसके कई वीडियो भी उपद्रवियों ने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। ढाका के गुलशन एरिया में बने रिहाना शेख के घर में हमले किए गए। आसपास के 4 परिवारों ने यह जानकारी दी कि रिहाना के घर में लूट हुई है और वहां तोड़फोड़ भी की गई है। इसके अलावा मुजीबर रहमान से जुड़े संग्रहायल से भी कई शव बरामद किए गए हैं। यही वजह जगह भी थी, जहां शेख मुजीबर रहमान को परिवार के चार अन्य लोगों के साथ मार डाला गया था। इसके बाद शेख हसीना सरकार ने बंगबंधु की याद में इसे संग्रहालय में तब्दील कर दिया था। अवामी लीग के देश भर में स्थित दफ्तरों को भी आग के हवाले किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक बांग्लादेश में 469 लोगों की हिंसा में मौत हो चुकी है। ढाका के ही गुलशन इलाके में अवामी लीग के दफ्तर को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भीड़ दफ्तर से कुर्सियां, सोफा और अन्य तमाम चीजें लूटकर ले गए।

इस्लामिक सहयोग संगठन में दी चेतावनी

इज़राइल को छोड़ अरब देशों पर ही बरस पड़ा बौखलाया ईरान

जेद्दा, 08 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल में सेना से लेकर जनता तक ईरान के हमले की तैयारी कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि ईरान जल्द ही इजरायल के अंदर हमला कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र ने अपनी एयरलाइंस के विमानों को कुछ घंटों के लिए ईरानी क्षेत्र से उड़ान न भरने को कहा है। जॉर्डन ने भी विमानों से 45 मिनट का अतिरिक्त ईंधन रखने को कहा है। दरअसल सऊदी अरब के जेद्दा में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के देशों की असाधारण बैठक हुई, जिसमें ईरान इजरायल पर हमले की बात करते हुए अरब देशों को भी धमकी दे डाली। ये बैठक ईरान के अनुरोध पर ही बुलाई गई थी।

ओआईसी की बैठक में ईरानी प्रतिनिधि ने अरब देशों को चेतावनी देकर कहा कि वे लड़ाई से दूर रहें। ईरान के एक्टिंग विदेश मंत्री ने ओआईसी की बैठक में कहा कि सभी मुस्लिम देशों को ईरान का जवाबी कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि हानिया की हत्या करके तेहरान की संप्रभुता का उल्लंघन किया गया है।

ईरान की अरब देशों को ये धमकी यूं ही नहीं दी है। इस साल अप्रैल की शुरुआत में इजरायल ने सीरिया में वाणिज्य दूतावास पर इजरायल ने हवाई हमला किया था। इसमें ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों में शामिल जनरल मोहम्मद रजा जहेदी सहित सात अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने 13 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई कर इजरायल के ऊपर 300 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन से हमला बोला था। तब जॉर्डन और सऊदी अरब ने भी इजरायल का साथ दिया था। हालांकि, सऊदी ने खुलकर स्वीकार नहीं किया था।

बीती 31 जुलाई को हमास चीफ इस्माइल हानिया की हत्या पर सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख अरब देशों ने कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दिखाई है। सऊदी अरब के प्रभाव वाले ओआईसी की बैठक में ईरान को जैसी उम्मीद थी, हानिया की हत्या पर उस तरह से तीखी बयानबाजी नहीं देखने को मिली। हालांकि, संयुक्त बयान में हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी निंदा की गई है।

फलस्तीनी कैदियों का यौन शोषण, अमेरिका ने कहा जांच होनी चाहिए

वॉशिंगटन। इजरायल ने गाजा युद्ध के दौरान हिरासत में लिए गए फलस्तिनियों को जहां रखा है उस जेल का नाम सेदे तेइमान बेस है। इजरायल के चैनल पर इसी जेल का एक लीक वीडियो प्रसारित हुआ। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि सैनिक एक कैदी को उठाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी इस पर अपनी

प्रतिक्रिया दी है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बुधवार को इजरायल से आग्रह किया कि वह एक वीडियो के सामने आने के बाद इसकी जांच करे और जवाबदेही सुनिश्चित करे, जिसमें सैनिकों को एक फलस्तीनी कैदी का यौन शोषण करते हुए दिखाया गया है। इजयरायल की जेलों में बंद कैदियों के साथ ही बुरा व्यवहार किया जा रहा है, जिसे लेकर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो को देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि इजरायली सैनिक ढाल के पीछे से कैदी के साथ यौन क्रियाएं कर रहे हैं, और एक सैनिक ने अपने कमर पर हाथ रखा हुआ है।विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से कहा, हमने वीडियो देखा है और बंदियों के यौन शोषण की रिपोर्टें भयावह हैं। रिहा किये गये फलस्तीनी कैदियों ने हिरासत में यातना, बलात्कार और अन्य दुर्व्यवहार के आरोप लगाये हैं, जिनका इजरायली अधिकारियों ने खंडन किया है।

पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में पेटा समर्थकों ने किया प्रदर्शन

वेटिकन सिटी, 08 अगस्त (एजेंसियां)। वेटिकन में पोप फ्रांसिस की आम सभा में पहुंचे पेटा के दो समर्थकों प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। पशु अधिकारों की हिमायत करने वाली संस्था 'पीपल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) के दो कार्यकर्ता बुधवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में पहुंचकर बाधा डालने का प्रयास किया। पेटा कार्यकर्ता 'बुलफाइटिंग' के खिलाफ नारे लगाए और बैनर दिखाते हुए शोर मचाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। हालांकि उनको परिसर से बाहर कर दिया गया। दोनों ने 'स्टॉप ब्लेसिंग कोरिडास' (बुलफाइटिंग को बढ़ावा बंद करें) लिखी हुई टी-शर्ट पहन रखी थी और 'बुलफाइटिंग इज अ सिन' (बुलफाइटिंग पाप है) लिखे हुए बैनर पकड़े हुए थे। 'पेटा' पोप से अनुरोध कर रही है कि वे 'कैथोलिक चर्च' का 'बुलफाइटिंग' से संबंध समाप्त कर दें तथा इस 'घृणित रक्त खेल' की निंदा करें। वेटिकन ने बुधवार के विरोध प्रदर्शन पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

लड़ाई में जान गंवाने वाले अपने सैनिकों का स्पर्म निकाल रही है इज़राइल सरकार

मास्को, 08 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल सरकार लड़ाई में जान गंवाने वाले अपने सैनिकों का शुक्राणु यानी स्पर्म सुरक्षित रखवा रहा है। अब तक 170 नौजवानों का स्पर्म रिट्रीवल के बाद लैब में फ्रीज किया किया गया है। इनमें कुछ आम नागरिक भी शामिल हैं। हमास से लड़ाई में जान गंवाने वाले सैनिकों या आम नागरिकों का जो स्पर्म रिट्रीव किया जा रहा है, उसके पीछे मकसद है कि उससे भविष्य में बच्चे पैदा हो सकें। रिपोर्ट के मुताबिक किसी सैनिक के निधन के बाद आर्मी फौरन उसके परिवार वालों को इन्फॉर्म करती है और उनसे पूछती है कि क्या वह स्पर्म रिट्रीव करवाना चाहते हैं। परिवार की लिखित सहमति के बाद शुक्राणु निकाला जाता है। हाल के महीनों में स्पर्म रिट्रीवल कराने वाले परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

लैब में फ्रीज में किया जा रहा स्टोर

रिपोर्ट के मुताबिक मौत के बाद जिनका स्पर्म रिट्रीव करना होता है, उनके अंडाशय में एक चीरा लगाकर उसमें से कोशिकाओं का एक छोटा हिस्सा निकाल लिया जाता है। फिर इसमें से जीवित शुक्राणु कोशिकाओं को निकाल कर लैब में फ्रीज कर दिया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया मौत के 24 घंटे के भीतर ही संभव है। अगर निधन के

24 घंटे के अंदर कोशिकाएं निकाल ली जाएं, तो भविष्य में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। स्पर्म रिट्रीव करवाने वाले परिवारों में अवी हारुश का परिवार भी है, जो अप्रैल में हमास से लड़ते हुए मारे गए थे। हारुश सिर्फ 20 साल के थे। उनकी ना तो शादी हुई थी और न ही कोई गर्लफ्रेंड थी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने जब हारुश के परिवार वालों को स्पर्श सुरक्षित रखने का ऑप्शन दिया तो वह फौरन इसके लिए तैयार हो गए। हालांकि उन्हें नहीं पता था कि उस स्पर्म का क्या करेंगे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक बाद में जब हारुश की कहानी सोशल मीडिया के जरिये बाहर आई तो तमाम इजरायली महिलाएं उस स्पर्म से हारुश के बच्चे को जन्म देने के लिए आगे आईं। स्पर्म रिट्रीवल के साथ-साथ पिछले कुछ महीनों से इजरायल में एक कैंपेन भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका मकसद जंग में जान गंवाने वाले सैनिकों के स्पर्म से नया जीवन देने की है। इस कैंपेन से इस पूरी प्रक्रिया के प्रति लोगों की स्वीकार्यता भी बढ़ी है।

स्पर्म रिट्रीवल को लेकर इजरायल में दूसरी बहस छिड़ी

स्पर्म रिट्रीवल को लेकर इजरायल में एक दूसरी बहस भी छिड़ गई है। वह है मृतक की मंजूरी की। तमाम यहूदी रब्बी मानते हैं कि मृतक की मंजूरी के बगैर उसके स्पर्म से प्रजनन यहूदी सिद्धांतों के खिलाफ है। इस मामले पर प्रोटेस्ट भी हो चुके हैं। साल 2023 में इजरायली संसद ने स्पर्म रिट्रीवल से प्रजनन को लेकर एक कानून बनाने की कोशिश की। एक ड्राफ्ट बिल भी तैयार किया, लेकिन यह आगे नहीं बढ़ पाया। इस पूरी प्रक्रिया को लेकर और भी कई शंकाएं हैं। जैसे-तमाम एक्सपर्ट कह रहे हैं कि अभी इस बात पर संशय है कि इस प्रक्रिया से जन्मे बच्चे को क्या वो सारी सुख-सुविधाएं और लाभ मिलेंगे, जो सर्विस के दौरान मारे गए बाकी सैनिकों के बच्चों को मिलते हैं।

ब्रिटेन में हिंसा जारी, अप्रवासियों को बनाया जा रहा निशाना

प्रदर्शनकारियों की योजना को पुलिस ने किया नाकाम

लंदन, 08 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में कई दिनों से हिंसा जारी है। यहां अप्रवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। ब्रिटेन के कई शहरों और कस्बों में हजारों की संख्या में नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारी सड़कों पर आ गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबक बुधवार देर रात दक्षिणपंथी समूह 100 से ज्यादा प्रदर्शन करने वाले थे उनकी इस योजना की पुलिस को भनक लग गई और यह प्रदर्शन विफल हो गया। पुलिस ने सख्त व्यवस्था कर उन पर कार्रवाई की। इसके बाद बड़ी संख्या में नस्लवाद-विरोधी प्रदर्शनकारियों ने लंदन, ब्रिस्टल, ब्राइटन, बर्मिंघम, लिवरपूल, हेस्टिंग्स और वॉल्थमस्टो जैसे शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ उतर आए।

दुकानों को लूटा और शरणार्थियों के होटलों पर किए हमले

प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था-फासीवाद और नस्लवाद को खत्म करो। शरणार्थियों का स्वागत है। दक्षिणपंथ को रोकें और नफरत नहीं, प्यार करें। ब्राइटन में बहुत कम संख्या में दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारी आए लेकिन देखते ही देखते वहां विशाल भीड़ पहुंच गई। यह ब्रिटेन के लिए राहत की बात है। कई दिनों से देश में मुसलमानों और आम तौर पर अप्रवासी आबादी को निशाना बनाकर दक्षिणपंथी विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जिस कारण पुलिस अधिकारी घायल हो गए, दुकानों को लूटा गया और शरणार्थियों के होटलों पर हमले किए गए।

तीन लोगों को जेल भेजा एक को तीन साल की सजा

बता दें सोशल मीडिया पर गलत जानकारी (अफवाह) फैलने से हिंसा भड़क गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि जुलाई में साउथपोर्ट में तीन बच्चों की हत्या करने वाला संदिग्ध एक मुस्लिम था। यह संदिग्ध एक्सल रुदाकुबाना था। इस पर हत्या का आरोप लगाया गया था। उपद्रव के बाद 100 से ज़्यादा दंगाइयों पर मामले दर्ज किए गए हैं और अदालती प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। तीन लोगों को जेल भेज दिया गया, जिनमें से एक को तीन साल की सजा सुनाई गई है।

पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलीं। इस दौरान रक्षा मंत्री ने मनु की जमकर प्रशंसा करते हुए एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है उन्होंने कहा कि देश की शीर्ष निशानेबाज से मिलकर बेहद खुशी हई। राजनाथ ने कहा हर भारतीय आपके अविश्वसनीय प्रदर्शन से बेहद उत्साहित है। अपने जिस प्रकार पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रहा है उससे सभी बेहद खुश हैं। इसके साथ ही रक्षामंत्री ने उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मनु के साथ इस दौरान उनके कोच जसपाल राणा भी थे।

इससे पहले इस निशानेबाज ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे एवं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा से भी मुलाकात की थी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने ओलंपिक में मनु के असाधारण प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा, हमारी बहन मनु को बधाई, जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाने का काम किया है। साथ ही कहा, स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी जिसने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते हैं, यह हमारे लिए किसी गर्व की बात से कम नहीं है। इससे पहले मनु भाकर ने नई दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी।

मनु ने ओलंपिक में भारत के लिए महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद सरबजोत सिंह और भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो भारत का पहला निशानेबाज टीम पदक था।

थोड़े ब्रेक के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी शुरू करूंगी

पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का कहना है कि अभी से वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर ध्यान लगाएंगी। उनका लक्ष्य भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मनु ने पेरिस में व्यक्तिगत और मिश्रित इवेंट में कांस्य पदक जीता था। मनु ने कहा, 'एक ओलंपिक के खत्म होने के बाद अब मेरे दिमाग में अगला ओलंपिक चल रहा है। इसके लिए सफर शुरू भी हो गया है। अब पेरिस के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की यात्रा शुरू हो चुकी है और थोड़े ब्रेक के बाद मैं इसकी तैयारी शुरू कर दूंगी। मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रदर्शन इस बार की तरह अच्छा रहेगा। मैं कड़ी मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी.' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। वह 25 मीटर पिस्टल में तीसरा कांस्य जीतने से मामूली अंतर से रह गयीं थीं। इस खिलाड़ी ने, 'अगले तीन महीनों में बहुत से लोग मुझसे मिलना चाहेंगे और फिर मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगी। थोड़ा आराम करूंगी और अपनी फिटनेस पर काम करके फिर निशानेबाजी अभ्यास शुरू करूंगी।'

न्यूज़ ब्रीफ

चौथे स्थान पर आने के बाद मीराबाई चानू ने कहा-मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन पदक से चूक गई

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहने के बाद, भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने निराशा व्यक्त करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत करने की कसम खाई। चानू पदक जीतने से चूक गईं, उन्होंने कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, मैंने देश के लिए पदक जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज मैं चूक गई...यह खेल का एक हिस्सा है, हम सभी कभी जीतते हैं और कभी हारते हैं...अगली बार मैं देश के लिए पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी...मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी और अगले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। भारत और चानू के लिए, पेरिस में यह एक और चौथा स्थान था, जब वे कुल 199 किग्रा के साथ पदक जीतने से चूक गए। पहला स्नैच इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर एक ही बार में अपने सिर के ऊपर उठाना होता है। दूसरा क्लीन-एंड-जर्क इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर अपनी छाती तक लाना होता है (क्लीन) और फिर अपनी बाहों और पैरों को फैलाकर सीधी कोहनी से उसे सिर के ऊपर उठाना होता है (जर्क)। भारोत्तोलकों को तब तक इसे वहीं पर रखना होता है जब तक बजर बज न जाए। चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता, रोमानिया की मिहेला वैलेंटिना कैम्बेई ने 205 किग्रा के साथ रजत पदक जीता और थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने 200 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड दूसरी जीत की तलाश में, इंटर काशी फाइनल ग्रुप गेम खेलेगा

कोकराझार/कोलकाता। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) ने कोकराझार के साई स्टेडियम में ग्रुप ई में लगातार दूसरी जीत हासिल करने के लक्ष्य से बीएसएफ का सामना करेगा, जबकि आई-लीग टीम और डुरंड कप में पदार्पण करने वाली इंटर काशी, ग्रुप बी मुकाबले में भारतीय नौसेना के खिलाफ कोलकाता के किशोर भारती क्रिरांगन (केबीके) में जीत के साथ अपने 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप ग्रुप स्टेज अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगा। शुक्रवार (अगस्त 9, 2024) को डबल-हेडर क्रमशः कोलकाता में भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे और कोकराझार में शाम 7 बजे शुरू होंगे। हाइलैंडर्स, स्थानीय पसंदीदा बोडोलैंड एफसी पर अपनी शुरुआती गेम जीत के बाद जुआन पेड्रो बेनाली की अगुवाई में बहुत उत्साहित हैं और शुक्रवार को बीएसएफ की टीम के खिलाफ एक और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहेंगे, जिसने ओडिशा एफसी के खिलाफ पांच गोल खाए थे। जितिन एमएस और अंकित पद्मनाभन जैसे नॉर्थईस्ट खिलाड़ी पार्थिब गोगोई के साथ अच्छी तरह से संयुक्त हैं और बीएसएफ की रक्षा के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करेंगे, जिन्हें अपने पहले गेम में हारने के बाद जल्दी से अपना कार्य सुधारना होगा। वाराणसी स्थित टीम इंटर काशी, जो पिछले सीजन में अपने पदार्पण आई-लीग अभियान में चौथे स्थान पर रही थी, ने भी अपने पहले डुरंड कप गेम में प्रभावित किया जब उन्होंने अपने दूसरे मैच में बेंगलुरु एफसी से हारने से पहले स्थानीय दिग्गजों मोहम्मडन स्पोर्टिंग को 1-1 से ड्रॉ पर रखा।

रोहित बोले सीरीज हारने का मतलब सब कुछ समाप्त होना नहीं , कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरुरत

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार के बाद

कहा कि एक सीरीज हारने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ समाप्त हो गया है। रोहित ने कहा कि इन्हीं खिलाड़ियों को लेकर हम पिछले कुछ साल से शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। ऐसे में तय है कि कुछ सीरीज हारेंगे भी। उन्होंने माना कि भारतीय टीम ने इस सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं खेला। कप्तान ने कहा, 'हमने पूरी सीरीज में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला और इसलिए ये हाथ से निकल गयी पर सीरीज में कुछ सकारात्मक चीजें भी हुईं। ' सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में विष्का फर्नांडो और कुसाल मेंडिस के अर्धशतक और दुनिथ वेलालागे की अच्छी गेंदबाजी से श्रीलंका ने भारतीय टीम को 110 रन से हराकर सीरीज 2-0 से जीत ली थी। इस सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरे में श्रीलंकाई टीम जीती थी।

भारत के खाते में एक और मेडल

स्पेन को हराकर हॉकी में लगातार दूसरी बार जीता ब्रॉन्ज

पेरिस, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारत को पेरिस ओलंपिक में चौथा मेडल मिल गया है । भारतीय हॉकी टीम ने भारत को चौथा ब्रॉन्ज मेडल दिलाया है। ब्रॉन्ज मेडल मैच में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराया है। भारतीय हॉकी टीम लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में कामयाब रही है। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत ने ब्रॉन्ज जीता था।इस मैच के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन कोई भी गोल करने में

कामयाब नहीं हुआ था, लेकिन दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने पेनाल्टी पर गोल किया। स्पेन के लिए यह गोल मार्क मिरालेस ने किया। लेकिन फिर इसी क्वार्टर में भारत ने आखिरी मिनटों में वापसी की और हरमनप्रीत सिंह ने शानदार गोल किया।इसके बाद तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपना दूसरा गोल दागा। कप्तान हरनप्रीत सिंह ने ही दूसरा गोल किया। उन्होंने यह गोल 33वें मिनट में किया और भारत ने 2-1 की बढ़त बना। इसके बाद स्पेन को कई पेनाल्टी मिले, लेकिन भारतीय टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने स्पेन को उनके इरादे में कामयाब नहीं होने दिया। तीसरा और चौथा क्वार्टर भारत पूरी तरह से भारत के नाम रहा।

पीआर श्रीजेश को मिली राहुल द्रविड़ जैसी विदाई

पहले सजदे में झुकी पूरी टीम फिर कंधों पर उठा लिया

पेरिस, 08 अगस्त (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद जो इज्जत, जितनी शोहरत और जितना प्यार भारतीय क्रिकेट टीम को मिला था, आज भारतीय हॉकी टीम भी उतनी की ही हकदार है। स्टिक थामे ब्लू जर्सी वाले इन लड़कों ने कमाल कर दिया। जैसे रोहित शर्मा की टीम राहुल द्रविड़ के लिए खेली थी, ठीक वैसी ही विदाई अपनी हॉकी टीम ने श्रीजेश को दी। इधर स्पेन को 2-1 से हराकर भारत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और उधर लड़कों ने पीआर श्रीजेश के सजदे में सिर झुका लिया। उन्हें अपने कंधों पर उठा लिया। केरल

के 36 साल के इस जोशीले लड़के को ऐतिहासिक विदाई मिली है।ओलंपिक शुरू होने से पहले ही श्रीजेश ने ऐलान कर दिया था कि ये उनका आखिरी इंटरनेशनल टूर्नामेंट है। इसके बाद भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर श्रीजेश को सुनहरी विदाई देना ही अपना एकमात्र लक्ष्य बना लिया। जर्मनी ने सेमीफाइनल में सपना तोड़ा तो स्पेन से इसका बदला ले लिया गया। अपने 18 साल लंबे करियर में 'मजबूत दीवार' की तरह उभरे केरल के श्रीजेश शायद भारतीय हॉकी इतिहास के महानतम गोलकीपर माने जाएंगे। स्पेन के खिलाफ इस मैच में पीआर श्रीजेश ने छह में से पांच गोल बचाए। मैच के बाद उन्होंने विश्वास करने के लिए देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कोलंबो में 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों के जरिये भारत की सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले श्रीजेश 2011 तक एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री जैसे सीनियर गोलकीपरों के रहते टीम में स्थायी जगह नहीं पा सके।

ओलंपिक में भारतीय टीम ने कब-कब जीता मेडल

गोल्ड मेडल	एम्स्टर्डम 1928
गोल्ड मेडल	लॉस एंजिल्स 1932
गोल्ड मेडल	बर्लिन 1936
गोल्ड मेडल	लंदन 1948
गोल्ड मेडल	हेलसिंकी 1952
गोल्ड मेडल	मेलबर्न 1956
सिल्वर मेडल	रोम 1960
गोल्ड मेडल	तोक्यो 1964
ब्रॉन्ज मेडल	मेक्सिको सिटी 1968
ब्रॉन्ज मेडल	म्यूनिख 1972
गोल्ड मेडल	मॉस्को 1980
ब्रॉन्ज मेडल	तोक्यो 2020
ब्रॉन्ज मेडल	पेरिस 2024

जिला स्टेडियम में नौ अगस्त को होगा जिला स्तरीय ट्रायल

महोबा, 08 अगस्त (एजेंसियां)। जिला स्तरीय ट्रायल नौ अगस्त को जिला स्टेडियम में होगा। जहां जनपद स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुना जाएगा। इसके बाद वह प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी रामचंद्र ने गुरुवार को दी है।

जिला क्रीड़ाधिकारी राम चंद्र ने बताया कि शुक्रवार को जिला स्टेडियम में विभिन्न खेलों को लेकर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती क्रिकेट और हॉकी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का ट्रायल होगा व खिलाड़ी चयनित होंगे। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुने जाएंगे, जहां 13 से 14 अगस्त को शानदार प्रदर्शन करने वालों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल के लिए मौका मिलेगा और प्रदेश स्तरीय ट्रायल 22 से 23 अगस्त को होना है।

इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, रथनायके-थरका नए चेहरे

कोलंबो, 08 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। मिलन रथनायके और निसाला थरका टीम में नए चेहरे शामिल हुए हैं, इससे निश्चित रूप से टीम मजबूत होगी।

निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बेस्ट प्रदर्शन

33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है।

दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है।

तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है।

निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ।

श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे।

श्रीलंका 50 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है।

यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए चयनित श्रीलंकाई टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (उपकप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कासुन राजिथा, लाहिरू कुमारा, निसाला थरका, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वां डरसे, मिलन रथनायके।

पहलवान अंतिम पंघाल, सहयोगी स्टाफ को वापस स्वदेश भेजेगा आईओए

पेरिस, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहलवान अंतिम पंघाल और उनके सहयोगी स्टाफ को चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों के दौरान अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक गांव की मान्यता अपनी बहन को दे दी थी।

एक बयान में, आईओए ने घोषणा की कि फ्रांसीसी अधिकारियों ने रिपोर्ट की है कि अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों ने अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन किया है।

आईओए ने कहा, फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा आईओए के संज्ञान में अनुशासनात्मक उल्लंघन लाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने

पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है।

फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, जब अंतिम पंघाल ने ओलंपिक खेल गांव में प्रवेश करने में मदद करने के लिए अपनी बहन को मान्यता दी। आईओए ने पुष्टि की कि भारतीय पहलवान और उनके सहयोगी कर्मचारियों को भारत वापस भेजा जाएगा।

बयान में कहा गया, अंतिम पंघाल ने अपनी बहन को मान्यता दी, ताकि वह खेल गांव में प्रवेश कर सके। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, और इसलिए उसे अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत वापस भेजा जाएगा।

इससे पहले दिन में, अंतिम पंघाल चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों में महिलाओं की 53 किलोग्राम फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 बाउट में तुर्की की ज़ेनेप येतगिल से हार गईं।

अंडर 23 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्की की पहलवान ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

कुश्ती के क्षेत्र में भारत की पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब पहलवान विनेश फोगट को बुधवार को वजन के निशान को पार करने के कारण 50 किलोग्राम महिला कुश्ती स्पर्धा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश को स्वर्ण पदक के मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट से भिड़ना था।

विनेश फोगट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युसनेलिस गुज़मैन लोपेज़ को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला किया था। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में तीन कांस्य पदक जीते हैं, सभी निशानेबाजी में आए हैं।

भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का सफर समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का पेरिस ओलंपिक में सफर समाप्त हो गया है। ज्योति याराजी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ रेपेचेज राउंड में 13.17 सेकेंड का समय लेकर हीट 1 में चौथा स्थान हासिल किया। इससे वह प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकीं। प्रत्येक हीट से शीर्ष दो पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। साउथ अफ्रीका की मैरियोन फौरी ने 12.79 सेकेंड के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नीदरलैंड्स की माएके तजिन-ए-लिम ने 12.87 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले बुधवार को भी ज्योति याराजी महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के पहले राउंड में 13.16 सेकेंड का समय लेकर हीट 4 में सातवें स्थान पर रहीं थीं। इससे वह डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल नहीं कर पाईं। प्रत्येक हीट में शीर्ष तीन और अगले तीन सबसे तेज धावक सेमीफाइनल में पहुंचे, जबकि अन्य सभी रेपेचेज राउंड में पहुंचे। उनके पास रेपेचेज राउंड में अच्छा प्रदर्शन कर सेमीफाइनल नें पहुंचने का आखिरी मौका था, जिसमें वह सफल नहीं हो पाईं। वहीं भारतीय पहलवान अंशू मलिक महिलाओं के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में हार गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। पहले राउंड में अमेरिकी पहलवान ने दो अंक जुटा कर बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अमेरिकी पहलवान ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाए, जबकि अंशु मलिक दो अंक ही जुटा पाईं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : दास

मुंबई/नई दिल्ली,08 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी बाह्य वित्त पोषण जरूरतों को आराम से पूरा करने का भरोसा है। उन्होंने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून, 2024 से घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। जून से छह अगस्त के दौरान 9.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ है, जबकि अप्रैल और मई में 4.2 अरब डॉलर की निकासी हुई थी।

गवर्नर दास ने कहा कि अप्रैल-मई 2024 में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। वहीं इस अवधि के दौरान शुद्ध एफडीआई प्रवाह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय इकाइयों द्वारा बाह्य वाणिज्यिक कर्ज में कमी आई, लेकिन अप्रैल-मई में गैर-निवासियों की जमाराशि में वृद्धि दर्ज हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया

आरबीआई ने यूपीआई उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए कर भुगतान करने की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। श्री दास ने बताया कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। उन्होंने कहा कि एमपीसी ने यूपीआई के जरिए भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। फिलहाल यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपये है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर रिजर्व बैंक ने पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है। दास ने मौद्रिक नीति समिति के फैसलों को बताते हुए कहा कि चेक क्लीयरेंस सिर्फ कुछ घंटों में करने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव है। दास कहा कि चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिए कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख प्रति लेन-देन करने का निर्णय एमपीसी की बैठक में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर ने बताया कि अनधिकृत कंपनियों की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले एप के सार्वजनिक तौर पर आंकड़े तैयार करने का भी प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई के अनुसार यूपीआई का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ पर पहुंच गया है। यूपीआई में 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' शुरू करने के प्रस्ताव से देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल गांधी...

अव्वल कांग्रेस नेता राहुल गांधी हैं। आप हैरत करेंगे कि इन सात खास नेताओं में गाजीपुर (यूपी) के सांसद अफजाल अंसारी भी शामिल हैं। सब जानते ही हैं कि अफजाल अंसारी कुख्यात माफिया सरगना मरहूम मुख्तार अंसारी के भाई हैं। पाकिस्तानी आम पाने वालों में कांग्रेस नेता शशि थरूर और समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा पहुंचने वाले दोयम दर्जे के कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल भी शामिल हैं। इसके अलावा रामपुर के सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, संभल के सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और कैराना की सपा सांसद इकरा हसन भी पाकिस्तानी आम पाने वाले लोगों में शामिल हैं।केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश का आम अच्छा नहीं लगता। मगर राहुल और उनके टुकड़े-टुकड़े गैंग को जब पाकिस्तान से आम आता है तो उसका स्वाद अच्छा लगता है। राहुल गांधी बताएं क्या मोदी को हटाने का कोई नया तरीका मांगने गए हैं पाकिस्तान से? गिरिराज ने साफ-साफ कहा कि राहुल गांधी और कुछ अन्य नेताओं के पाकिस्तान से नापाक रिश्ते हैं। कूटनीति की आड़ में पाकिस्तान के साथ कोई डील तो नहीं हो रही?

हिंदू समुदाय...

फैसला किया है कि अब वे वापस नहीं लौटेंगे। पाकिस्तान से भाग कर भारत आए परिवारों का कहना है कि आने वाले वक्त में और भी हिंदू परिवार पाकिस्तान से भारत आ सकते हैं। अटारी सीमा चौकी से भारत आए लोगों ने आव्रजन औपचारिकताओं के दौरान यह बात कही। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में कट्टरपंथी हिंदुओं को लगातार निशाना बना रहे हैं। गौरतलब है कि भारत आए दोनों परिवार पर्यटक वीजा पर भारत आए। लेकिन अब वापस नहीं लौटने का फैसला किया है। भारत आने के बाद ये लोग जोधपुर की ओर रवाना हो गए और वहीं रह गए। ये लोग जोधपुर में ही बसना चाहते हैं। पाकिस्तान से ये लोग ऐसे समय में भारत आए हैं, जब बांग्लादेश में भी हिंदू उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। बांग्लादेश में तख्तापलट के बीच भारी हिंसा का दौर चल रहा है और बड़े पैमाने पर हिंदुओं के घरों को फूंका जा रहा है। दो पार्षदों समेत कई हिंदुओं के कत्ल किए जा चुके हैं और मंदिरों तक को निशाना बनाया गया है।

अटारी बॉर्डर पहुंचे 21 लोगों को लेने के लिए जोधपुर का एक शख्स पहुंचा था। उसका कहना था कि इनमें से 16 लोग उसकी पत्नी के रिश्तेदार हैं। इसके अलावा 5 अन्य लोग भी उनसे ही जुड़े हुए एक परिवार के हैं। ये सभी लोग पाकिस्तान के पंजाब सूबे के रहीम यार खान में रहते थे, लेकिन लगातार बढ़ते अत्याचार और खराब होते माहौल को देखते हुए इन लोगों ने पलायन का फैसला कर लिया। जोधपुर से इन लोगों को लेने आए शख्स ने कहा कि उनका साला और ससुर यहीं रहना चाहते हैं। वे अब पाकिस्तान लौटने को तैयार नहीं हैं।

विधेयक हक...

एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट, 1995- उम्मीद रखा गया है। इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि विधेयक के प्रावधानों को समझकर आप समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, संसद सदस्यों को किसी धर्म से जोड़ना सही नहीं है। हम यह नहीं कह रहे कि विभिन्न धर्मों के लोगों को वक्फ बोर्ड का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। हम कह रहे हैं कि संसद सदस्य को वक्फ बोर्ड का सदस्य होना चाहिए। अब, अगर सांसद हिंदू या ईसाई है, तो हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं। अब अगर किसी सांसद को सांसद होने के आधार पर वक्फ बोर्ड में जोड़ा जाता है, तो क्या हमें सांसद का धर्म बदल देना चाहिए? विपक्ष बिना मतलब के मुद्दा बना रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड को अच्छे से चलाने के लिए जानकार लोग चाहिए। जिसकी अच्छी समझ होगी उन्हें वक्फ बोर्ड को मैनेज करने के लिए नियुक्त होना चाहिए।

किरेन रिजिजू ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति की अनुशंसा है। आज आपको हमें शाबाशी देनी चाहिए। ये राजनीतिक दबाव में अपोज कर रहे हैं, अंदर ही अंदर सबलोग सजेशन दे रहे हैं। इस बिल पर जिनता सलाह पिछले 10 सालों में किया गया है, इतना किसी अन्य सरकार ने कभी नहीं किया है। जो संविधान का हवाला देकर, बिल के उद्देश्य को मिसलीड करना चाहते हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि हमारे देश में कोई भी कानून संविधान से ऊपर नहीं हो सकता है। इस 1995 के वक्फ एक्ट में ऐसा प्रा-वधान है जो सबसे ऊपर है। ये सदन का दायित्व है, गरीब महिला कोई भी हो ये सदन का दायित्व है कि न्याय दिलाने के लिए कोई कमी है तो उसे पूरा करना चाहिए। जो संशोधन बिल हम लाए हैं, उसमें सारा प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि ये अच्छा समय है, जो गलती की है, ठीक है इंसान से गलती हो जाती है, कांग्रेस ने किया। आज सुधरने का समय है। सुधरते समय कम से कम विरोध नहीं करें। कई नेता ने मुझे निजी तौर पर आकर कहा है कि देश में जितना वक्फ बोर्ड हैं, उसपर माफिया लोगों ने कब्जा कर लिया है। कई सांसदों ने कहा कि पार्टी विरोध कर रही है लेकिन अंदर से मैं साथ दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि सबको मालूम है कि वक्फ की सम्पत्ति के लिए किस चीज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बिल को धर्म के नजर से मत जोड़िए। इंसाफ के नजर से देखिए। रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इल्जाम लगाकर भागने की कोशिश मत करो। 2013 में जो बदलाव किए गए वो ज्यादा खतरनाक है। जो मुसलमान हैं वही वक्फ क्रिएट कर सकते हैं नॉन मुस्लिम नहीं कर सकते हैं। हम पुराने सिस्टम में वापस जा रहे हैं। इन्होंने डीएम के बारे में काफी आपत्ति दर्ज कराई। कलेक्टर का काम ही राजस्व के लिए है।

किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ बोर्ड के अंदर में 12792 केस आज पेंडिंग हैं। ट्राइब्यूनल में कुल 19207 केस पेंडिंग हैं। क्यों इसको हम खत्म नहीं कर सकते हैं। टाइमलाइन बहुत जरूरी है, न्याय मिलना चाहिए लेकिन समय पर न्याय मिलना चाहिए। अब हमने टाइमलाइन सेट कर दिया है। अपील 90 दिन के अंदर, 6 महीने के अंदर डिस्पोजल होना चाहिए। अगर सुनना नहीं चाहते हैं तो इतना सवाल क्यों पूछा। आप सवाल पूछकर भाग जाना चाहते हो, ऐसा नहीं होने देंगे।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। यह विधेयक भेदभावपूर्ण और मनमाना दोनों है। इस विधेयक को लाकर, आप (केंद्र सरकार) राष्ट्र को एकजुट करने का नहीं बल्कि विभाजित करने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का प्रमाण है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं।

सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि ये बिल जो पेश किया गया है, वो बहुत सोची समझी राजनीति के तहत हो रहा है। मैंने सुना है कि आपके भी कुछ अधिकारों को वापस लिया जा रहा है और हम आपके लिए भी लड़ेंगे। मैं विधेयक का विरोध करता हूं। अखिलेश के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री ने आपत्ति भी जताई और कहा कि आप लोकसभा स्पीकर के अधिकारों के संरक्षक नहीं हैं।वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर सरकार का पक्ष रखते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि यह विधेयक मुस्लिमों के खिलाफ कैसे है? यह विधेयक सिर्फ पारदर्शिता के लिए लाया गया है..विपक्ष इसकी तुलना मंदिरों से करके मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। केसी वेणुगोपाल को ये बताना चाहिए कि जब हजारों सिखों को मारा गया..किस टैक्सी ड्राइवर ने इंदिरा गांधी की हत्या की? अब ये अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं।राजीव रंजन सिंह ने कहा कि वक्फ बोर्ड का गठन एक कानून द्वारा किया गया। अगर कानून के द्वारा बनाया गया कोई संस्थान तानाशाह हो जाता है तो यह सरकार का अधिकार है कि वह कानून बनाकर पारदर्शिता कायम करे। उन्होंने विपक्ष पर अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक भेदभाव बढ़ाने का आरोप लगाया।

आसन छोड़...

यह सदन इस समय देश की रूलिंग पार्टी के अध्यक्ष को यहां सदन के नेता को रूप में देख रहा है। यह सदन प्रतिपक्ष ने अध्यक्ष को भी यहां नेता प्रतिपक्ष के रूप में यहां देख रहा है। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्य हैं। जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं, और जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा, अखबार के माध्यम के द्वारा, एक प्रमुख अखबार, नाम नहीं लेना चाहता हूं, कितनी गलत टिप्पणी की है।

उन्होंने कहा, मैंने देखा है। मेरे को ये चुनौती नहीं दी जा रही है। यह चुनौती सभापति के पद को दी जा रही है, और ये चुनौती इसलिए दी जा रही है क्योंकि जो व्यक्ति इस पद पर बैठा है, वो इसके लायक नहीं है। ऐसा ये सोचते हैं। मुझे हाउस का समर्थन जितना चाहिए उतना नहीं मिला है। मैंने प्रयास में कोई कमी नहीं की है। उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश को भी फटकारा। सभापति ने कहा, जयराम जी आप हंसिए नहीं। मैं आपकी आदत जानता हूं। अब मेरे पास एक ही विकल्प है। सदन में बहुत से वरिष्ठ सदस्य हैं। अब भी उपस्थित हैं उनका सम्मान करता हूं। उन्होंने राजनीति मेरे से बहुत ज्यादा देखी है। मैं अपनी शपथ से दूर नहीं भाग रहा हूं। पर जो आज मैंने देखा है। जिस तरह का व्यवहार सदस्यों ने किया है। शारीरिक रूप से किया है। जिस तरह का व्यवहार विपक्ष की तरफ से हुआ है, उसमें मैं फिलहाल यहां बैठने में अपने आपको सक्षम नहीं पा रहा हूं। इसके बाद वह सदन छोड़कर चले गए।

आसन छोड़ कर जाने के पहले सभापति धनखड़ ने कहा, वो सोचते हैं वही बहुत बुद्धिमान हैं। वो सोचते हैं अकेले वही हैं जिनके दिल को दुख पहुंचा है। हमारी बेटी विनेश फोगाट को लेकर पूरा देश दुखी है। चाहे राष्ट्रपति हों, प्रधानमंत्री हों, मैं खुद हूं सभी इस दुख को महसूस कर रहे हैं। लेकिन, इसका लाभ उठाना, इस पर राजनीति करना उस बेटी का अपमान है। उस लड़की को बहुत आगे जाना है। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश था कि हरियाणा सरकार ने तुरंत इस बात का ऐलान किया कि वो उसे सभी सुविधाएं और आर्थिक लाभ देंगे जो पदक विजेता को मिलता है। राज्य सरकार ने उन्हें पदक विजेता के तौर पर सम्मान दिया है। दूसरी ओर इस सदन में क्या हो रहा है? कल जब नेता प्रतिपक्ष ने अपना हाथ उठाया तो मैंने उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी। नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष ने बहुत महत्वपूर्ण बातें रखीं। मैंने उन्हें एक संदेश भेजा। आप कौन सा मुद्दा उठाना चाहते हैं। उनकी ओर से जवाब आया मैं एक सार्वजनिक महत्व का मुद्दा उठाना चाहता हूं। क्या इससे विषय का पता चलता है, क्या इससे इसके महत्व का पता चलता है, क्या इससे इसकी अर्जेंसी का पता चलता है? इस पूरी प्रक्रिया के दौरान नेता प्रतिपक्ष का आशय यह था कि चेयर रबर स्टैंप है।

इसके बाद नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार की निंदा की। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि माननीय सदस्यगण इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना। अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना, यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा लांघने वाला आचरण है। यह सदन इस समय देश की रूलिंग पार्टी के अध्यक्ष को यहां सदन के नेता को रूप में देख रहा है। यह सदन प्रतिपक्ष ने अध्यक्ष को भी यहां नेता प्रतिपक्ष के रूप में यहां देख रहा है। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्य हैं। जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं, और जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा, अखबार के माध्यम के द्वारा, एक प्रमुख अखबार, नाम नहीं लेना चाहता हूं, कितनी गलत टिप्पणी की है।

सीएम घर में...

चार्जशीट में आम आदमी पार्टी के नेताओं के विरोधाभासी बयानों को भी रेखांकित किया गया है। कहा गया है कि घटना के अगले दिन आपा नेता संजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि विभव कुमार ने स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी की थी। जबकि दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा था कि मालीवाल द्वारा लगाए गए आरोप झूठे हैं। पुलिस ने उस ऑटो ड्राइवर के बयान को भी चार्जशीट का हिस्सा बनाया है जिसके साथ मालीवाल घटना के तुरंत बाद गई थी। ऑटो ड्राइवर ने बताया है कि मालीवाल रो रही थी और पुलिस से मदद की मांग कर रही थी। वो चाहती थीं कि पुलिस को पता चले कि उनके साथ मारपीट हुई है।

केजरीवाल के पीएस विभव कुमार अभी भी जेल में ही है और उसकी तमाम जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। इस मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल ने खुलकर किसी का समर्थन नहीं किया है, लेकिन विभव पर किसी तरह का एक्शन लेने की बात भी नहीं की है।

आम चुनाव के...

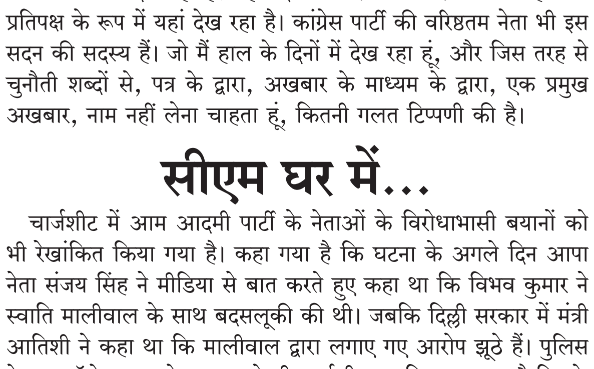

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री बनाया गया। वहीं दूसरे नेता उदयनराजे भोंसले सतारा से लोकसभा सांसद चुने गए।

हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के बेटे दीपेंद्र हुड्डा ने रोहतक लोकसभा सीट से चुनाव जीता। पहले वह हरियाणा से कांग्रेस के राज्यसभा के सदस्य थे। इसके अलावा मीसा भारती (बिहार), विवेक ठाकुर (बिहार), कामाख्या प्रसाद तासा (असम), सर्बानंद सोनोवाल (असम), केसी वेणुगोपाल (राजस्थान) और विप्लव कुमार देव (त्रिपुरा) भी लोकसभा चुनाव जीते हैं।

जो राज्यसभा सांसद लोकसभा चुनाव जीत कर संसद में पहुंचे हैं, उनमें भाजपा के ज्योतिरादित्य सिंधिया (मध्य प्रदेश), पीयूष गोयल (महाराष्ट्र), उदयनराजे भोंसले (महाराष्ट्र), विवेक ठाकुर (बिहार), कामाख्या प्रसाद तासा (असम), सर्बानंद सोनोवाल (असम), विप्लव कुमार देव (त्रिपुरा), कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा (हरियाणा), केसी वेणुगोपाल (राजस्थान) और राजद की मीसा भारती (बिहार) शामिल हैं। तेलंगाना और ओड़ीशा में राज्यसभा की दो सीट के लिए उपचुनाव भी होगा। तेलंगाना में हाल में के. केशव राव ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वहीं बीजू जनता दल (बीजद) की सांसद ममता मोहंता ने राज्यसभा सीट और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। मोहंता बीजद से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गईं।जिन नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के उपचुनाव का कार्यक्रम जारी किया गया है उनमें सात सीटें भाजपा, दो कांग्रेस और एक-एक राष्ट्रीय जनता दल (राजद), बीआरएस और बीजद के पास थीं। कांग्रेस और राजद दोनों ही विपक्षी गठजोड़ के प्रमुख घटक हैं। वहीं बीआरएस और बीजद अभी किसी भी गठजोड़ में शामिल नहीं हैं।जिन राज्यों में भाजपा उम्मीदवारों के आसानी से जीतने की उम्मीद है, उनमें असम की दो सीटें और त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओड़ीशा की एक-एक सीट शामिल हैं। बिहार विधानसभा में एनडीए और विपक्षी गठबंधन की संख्या को देखते हुए भाजपा और राजद के आसानी से एक-एक सीट जीतने की संभावना है। तेलंगाना में 2023 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद कांग्रेस को अपनी एकमात्र सीट जीतने की उम्मीद है। हालांकि, महाराष्ट्र और हरियाणा में रिक्त सीटों के लिए होने वाले चुनावों में भाजपा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।जिन राज्यों में राज्यसभा चुनाव होगा उनमें हरियाणा की लड़ाई सबसे दिलचस्प होगी। दीपेंद्र हुड्डा के रोहतक से लोकसभा सांसद चुने जाने के कारण जरूरी था। 90 सदस्यीय विधानसभा अब 87 सदस्यों की रह गई है। पार्टीवार ताकत पर गौर करें तो भाजपा के पास अपने 41 विधायक हैं। इनके अलावा दो विधायकों -निर्दलीय नयन पाल रावत और हरियाणा लोकहित पार्टी (एचएलपी) के गोपाल कांडा का भी भाजपा को समर्थन है। एक बड़े दांव के तहत भाजपा ने तोशाम की कांग्रेस विधायक किरण चौधरी को पार्टी में शामिल करा लिया है। ऐसे में भाजपा के पास कुल 44 विधायकों का समर्थन हो जाता है।

पिछले महीने ही विधायक किरण चौधरी की सदस्यता रद्द करने की कांग्रेस की मांग को विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने खारिज कर दी। दरअसल, किरण चौधरी ने कांग्रेस विधायक पद से इस्तीफा दिए बिना भाजपा का दामन थाम लिया था वहीं जजपा के विधायकों की सदस्यता पर भी अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। दूसरी ओर विपक्ष की तरफ गौर करें तो इधर कागज में 43 विधायक दिखाई देते हैं। इनमें कांग्रेस के 28 विधायक, जननायक जनता पार्टी (जजपा) के 10 और तीन निर्दलीय (रणधीर गोलान, धर्म पाल गोंदर और सोमवीर सांगवान), चौथे निर्दलीय बलराज कुंडू और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अभय चौटाला शामिल हैं। तीन निर्दलीय रणधीर गोलान, धर्म पाल गोंदर और सोमवीर सांगवान ने पहले सरकार को समर्थन दिया था लेकिन हाल ही में उन्होंने कांग्रेस का समर्थन कर दिया। महम से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने न तो भाजपा को और न ही कांग्रेस को समर्थन दिया है। इनेलो के अभय चौटाला ने भी अभी तक किसी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस पहले उम्मीद कर रही थी कि अगर उसे सभी विपक्षी विधायकों का समर्थन मिल गया तो वह भाजपा से चुनाव जीत सकती है। हालांकि, किरण चौधरी के भाजपा में शामिल होने के बाद मामला पलट गया है।

इस बीच, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की उम्मीदवारी को लेकर बयान दिया है। भूपेंद्र ने कहा कि उनके पास हरियाणा में 28 विधायक हैं और तीन निर्दलीय विधायकों का उन्हें समर्थन है। कुल मिलाकर उनके पास 31 विधायक हैं। एक महिला विधायक अयोग्य हैं, विधानसभा अध्यक्ष उन पर कार्रवाई नहीं कर रहे। वहीं जीतने के लिए 44 विधायकों की आवश्यकता है। कोई भी 13 विधायक लेकर आ जाए, हम उसका समर्थन कर देंगे।

महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोंसले और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के कारण राज्यसभा की सीटें खाली हो गईं। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति के पास पर्याप्त संख्या बल है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा उम्मीदवार उतारने की स्थिति में यहां मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान न मिलने से एनडीए के घटक दलों में शिवसेना और एनसीपी में नाराजगी के सुर दिखाई पड़े थे।

सभी वीजा...

राजशाही, खुलना और सिलहट में महावाणिज्यदूत मौजूद हैं।

बांग्लादेश में 1971 में देश की आजादी के लिए लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के लिए तय किए आरक्षण के खिलाफ जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। धीरे-धीरे ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए और छात्रों द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की जाने लगी। ये विरोध प्रदर्शन इतने हिंसक हो गए कि बीती 5 अगस्त को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं। वहीं बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गुरुवार को अंतरिम सरकार का गठन किया जाना है। इस अंतरिम सरकार की देखरेख में ही अगले कुछ महीनों में चुनाव कराए जाने की बात कही गई है।

बांग्लादेश में ...

वर्तमान में वह किसी जगह छुपे हुए हैं, उनको प्रशासन और सेना से कोई सहायता नहीं मिल रही है। उन्हें सेना और पुलिस कोई नहीं बचा रहा है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। वह बचाने की अपील कर रहे हैं।

नारायणपुर जिले की घटना कोई अकेली नहीं है। लगातार सोमवार से ही हिंदू बांग्लादेश में निशाने पर हैं। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद इस्लामी कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी के दंगाई हिंदू के घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की लिस्ट बना रहे हैं। एक हिंदू नागरिक ने बताया, कुछ ही स्थानीय लोग हमारी मदद कर रहे हैं, जबकि हजारों की तादाद में हिंसक भीड़ हम लोगों की हत्या करने पर तुली हुई है। कुछ अन्य पीड़ितों ने बताया कि हिंसा रात भर जारी रही और डर से हिंदू घरों में छिपे रहे। बताते चलें कि विश्व हिंदू महासंघ, बांग्लादेश चैप्टर ने भी बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं की एक सूची जारी की है। इस लिस्ट में कम-से-कम 3 ऐसी हिंदू महिलाओं के नाम शामिल हैं, जिनका इस्लामी दंगाइयों ने अपहरण कर लिया है। उनका कहना है कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू सहमे हुए हैं। सुरक्षा कारणों से अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर कुछ हिंदुओं ने यह भी कहा कि वो कहीं सुरक्षित जगह भागकर जा भी नहीं पा रहे हैं, क्योंकि जमात-ए-इस्लामी समूह और अन्य चरमपंथी संगठनों के उपद्रवी बंदूक लेकर सड़कों पर घूम रहे हैं। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट को बीच-बीच में बंद कर दिया जा रहा है, जिससे वो अपने अन्य परिजनों का हाल-चाल भी नहीं ले पा रहे हैं।

बांग्लादेशी हिंदुओं का आरोप है कि उन्हें जान-बूझ कर एक-दूसरे से दूर रखने की साजिश की जा रही है, ताकि वे साथ ना आ पाएं। हमें बताया गया कि बांग्लादेश में हिंसा जारी है और महज कुछ ही घटनाएं लोगों तक पहुंच पा रही हैं। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश की जेलों में बंद जमात के 2,200 से अधिक कट्टरपंथियों को जमानत दे दी गई। इससे हिंदुओं की हालत और खराब हो सकती है। इस्लामी कट्टरपंथी बांग्लादेश की प्रसिद्ध हस्तियों को भी नहीं छोड़ रहे। उन्होंने बांग्लादेश के प्रसिद्ध गायक राहुल आनंद का घर जला दिया। राहुल आनंद का घर धानमंडी 32 पर स्थित था। इस्लामी भीड़ ने उनके 140 साल पुराने इस आवास को लूटने के बाद जलाया। इस लूटपाट और आगजनी में उनके 3000 म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स भी बर्बाद हो गए जिनमें से कई को उन्होंने अपने हाथ से बनाया था।राहुल आनंद गीत बैंड जोलेर गान चलाते हैं। इस बैंड से जुड़े एक पुराने साथी सैफुल जरनल ने बताया, हमारे प्रिय राहुल दा के 3000 से अधिक संगीत वाद्ययंत्र, जिन्हें उन्होंने वर्षों से प्यार और देखभाल के साथ डिजाइन और बनाया था, नष्ट कर दिए गए हैं और जलाए गए वाद्ययंत्रों और अन्य घरेलू चीजों का अनुमानित मूल्य 10 लाख टका से अधिक है। इससे पहले बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस दौरान देश में हिंदू मंदिरों, घरों और दुकानों पर हुए हमलों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि देश भर में 54 जगह पर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। गौरतलब है कि बांग्लादेश में जुलाई महीने से ही आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर प्रदर्शन चल रहे थे। इस प्रदर्शन को इस्लामी कट्टरपंथियों ने हाइजैक कर लिया और इसके बाद भारी हिंसा हुई। यह हिंसा अगस्त में और बढ़ गई और प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना सोमवार (5 अगस्त, 2024) को ढाका छोड़ कर भारत आ गईं। वर्तमान में वह भारत में हैं।

बांग्लादेश में सत्ता विरोधी प्रदर्शन हिंदू विरोधी हिंसा में तब्दील हो चुका है। हिंदुओं के घरों और मंदिरों को खास तौर पर दुश्मनी में हमले हो रहे हैं। शेख हसीना के इस्तीफे के बाद, हिंदुओं के घरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और हिंदू महिलाओं के साथ रेप की कई घटनाएं भी सामने आई हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं और मंदिरों में तोड़फोड़ बड़े स्तर पर जारी है। ढाका के नाटोरे, धामराई, पटुआखाली के कालापारा, शरीयतपुर और फरीदपुर में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इसके साथ ही जैसोर, नोआखाली, मेहरपुर, चांदपुर और खुलना में भी हिंदू घरों को भी निशाना बनाया गया है। दिनाजपुर में 40 हिंदू दुकानों में तोड़फोड़ की गई है।

बांग्लादेश की कई हिंदू महिलाएं इस्लामी भीड़ के हाथों हुए अत्याचार की कहानी बताने के लिए आगे आई हैं। गुरुवार (8 अगस्त, 2024) को हिंदू वॉयस द्वारा एक वीडियो साझा किया गया है। यह वीडियो बांग्लादेश के फिरोजपुर जिले के विभिन्न इलाकों में रहने वाली कई हिंदू महिलाओं का है। इसमें उन हिंदू महिलाओं को अपनी दुर्दशा बताते हुए सुना जा सकता है।

इस्लामी कट्टरपंथियों के हाथों हिंसा का शिकार हुई एक हिंदू महिला ने बताया, वह तलवारों और धारदार हथियारों के साथ आए थे। उन्होंने सब कुछ लूट लिया। अपनी बेटियों को बचाने के लिए, हमने उन्हें अपना सब कुछ दे दिया। एक अन्य हिंदू महिला ने रोते हुए बताया, रात में वो लोग आए। उन्होंने हमारे घरों में तोड़फोड़ की और सब कुछ लूट लिया। हम इस दौरान छिप गए थे। उन्होंने मेरे साले की पत्नी को पकड़ लिया और उसे दूसरे कमरे में ले गए। उन्होंने उसके साथ रेप किया। बाद में, हमें वह मिली। उसका चेहरा कपड़ों से बंधा हुआ था। वह उसका गला भी काटना चाहते थे। उसे बचाने के लिए, हमने उन्हें सारे सोने के जेवर दे दिए।

एक दूसरी पीड़ित महिला ने बताया, उन्होंने हमें चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे पचास लोगों ने तुम्हारे घर को घेर लिया है, तुम्हारे पास भागने का कोई रास्ता नहीं है। इसके बाद उन्होंने सब कुछ लूट लिया। उन्होंने मुझे पकड़ लिया और बिस्तर पर ले गए। उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। मैंने उनसे विनती की कि या तो मुझे छोड़ दें या मुझे मार दें। दंगाइयों ने मुझसे कहा कि मेरे पास जो भी कीमती सामान है, उन्हें दे दूं। इसके बाद मैंने उन्हें अपने सारे गहने दे दिए, इसलिए वह सभी मुझे छोड़कर चले गए।

प. बंगाल के ...

बुद्धदेव भट्टाचार्य कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के पोलितब्यूरो के सदस्य भी रह चुके थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य का जन्म एक मार्च 1944 को उत्तरी कोलकाता में हुआ था। उनके पुरखों का घर बांग्लादेश में है। उन्होंने कोलकाता के प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी कॉलेज से बंगाली साहित्य की पढ़ाई की थी और बंगाली (ऑनर्स) में बीए की डिग्री प्राप्त की थी। बाद में वह सीपीआई (एम) से जुड़ गए थे। उन्हें सीपीआई की युवा शाखा डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन के राज्य सचिव बनाया गया थे, जिसका बाद में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया में विलय हो गया था।

एक समय तक पश्चिम बंगाल की आय का प्राथमिक साधन कृषि थी, लेकिन बुद्धदेव ने इस स्थिति को बदलने के लिए अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा जोखिम उठाते हुए औद्योगीकरण अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने बंगाल में फैक्टरियों की स्थापना हेतु विदेशी और राष्ट्रीय पूंजी को आमंत्रित किया। इनमें से दुनिया की सबसे सस्ती कार टाटा नैनो भी शामिल रही, जिसका उत्पादन प्लांट कोलकाता के पास स्थित सिंगुर में स्थापित किया गया था।इसके अलावा उनकी योजना राज्य में अन्य बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत करने की भी थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर विरोध के चलते वह सफल नहीं हो सके और 2009 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद साल 2011 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार मनीष गुप्ता के हाथों मात मिली थी। तब मनीष गुप्ता ने बुद्धदेव भट्टाचार्य को 16,684 वोटों के बड़े अंतर से शिकस्त दी थी।सीपीआई (एम) के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य करीब 18 साल तक ज्योति बसु के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे और गृह मंत्रालय समेत कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों में काम किया। वह पहली बार 1977 में कोसीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए और सन् 1987 में संस्कृति मंत्री बने। 1982 में भट्टाचार्य चुनाव हार गए, मगर पार्टी में उनका कद बढ़ गया। 1987 में वह जाधवपुर से चुनाव लड़े और जीते। इसके बाद वह जाधवपुर से ही लगातार चुनाव जीतते रहे। ज्योति बसु के दौर में ही उन्हें डिप्टी सीएम के साथ गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई। बाद में वह ज्योति बसु के उत्तराधिकारी बने।

बुद्धदेव भट्टाचार्य की सादगी मशहूर रही। सीएम रहने के दौरान भी उन्होंने बड़ा बंगला लेने से इन्कार कर दिया था। परिवार कोलकाता के बालीगंज में दो कमरे के अपार्टमेंट में रहता है। वह दशकों तक दो कमरे के अपार्टमेंट में ही रहे और उसी आवास से मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। पांच दशक की लंबी राजनीति, 18 साल तक मंत्री और 11 साल सीएम रहने के बाद भी उनके पास बंगला और कार नहीं है। वह अपनी सैलरी भी पार्टी फंड में देते रहे। बताया जाता है कि जब वह मंत्री और सीएम थे, तब भी उनका परिवार सार्वजनिक वाहन से ही सफर करता था।

नागपंचमी पर्व आज

शुभ योगों में मनाई जाएगी नाग पंचमी

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नाग पंचमी का एक ऐसा त्योहार जो देशभर के लगभग सभी राज्यों में धूमधाम से मनाया जाता है। नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। नाग पंचमी के दिन घर के मुख्य द्वार पर सांप की प्रतिमा जरूर बनानी चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार नाग पंचमी पर कई योग बनने वाले हैं। इनमें शिववास योग, सिद्ध योग, साध्य योग, बव और बालव, करण योग शामिल है। इस बार नाग पंचमी हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त 2024 को पड़ रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 09 अगस्त को मध्य रात्रि 12:36 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 अगस्त को देर रात्रि 03: 14 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा। यह त्योहार भगवान शिव और नागों की पूजा के लिए मनाया जाता है। इस दिन लोग नाग देवता की पूजा करते हैं और नाग मंदिरों में जाकर सांपों को दूध, दही, फल आदि चढ़ाते हैं। साथ ही कुंडली में काल सर्प दोष हो तो उससे निजात पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी का पर्व आता है। इसमें नाग देवता की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। नाग देवता भगवान शिव के गले की शोभा को बढ़ाते हैं। हिंदू धर्म में नाग पंचमी का विशेष महत्व होता है। पौराणिक काल से ही सांपों को देवताओं की तरह पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि नाग की पूजा करने से सांपों के डसने का भय समाप्त हो जाता है। भगवान भोलेनाथ के गले में भी नाग देवता लिपटे रहते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नाग पंचमी के दिन नाग देवता की आराधना करने से भक्तों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और कई अन्य प्रकार के भी शुभ फल प्राप्त होते हैं। ऐसी मान्यता है इस दिन नाग देवता की पूजा करने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है। इस बार नागपंचमी का पर्व विशेष योग में मनाया जाएगा। इन योगों में नागपंचमी का पर्व मनाने से सभी प्रकार के संकट दूर होते हैं।

नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिव जी की पूजा करने से नाग के डसने और अकाल मृत्यु का खतरा टलता है। साथ ही भगवान शिव की पूजा से ग्रह दोष दूर होते हैं। विशेषतौर पर काल सर्प दोष से निजात पाने के लिए नागपंचमी का दिन सर्वोत्तम माना गया है। नागों को धन का रक्षक माना गया है। नाग देवता की पूजा करने से खूब धन-दौलत मिलती है। नागपंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। साथ ही भगवान शिव का स्मरण करें। नागपंचमी का व्रत कर रहे हैं तो व्रत का संकल्प लें। इसके बाद चौकी पर नाग-नागिन की प्रतिमा बनाकर उसका दूध से अभिषेक करें। उन्हें फल, फूल, मिठाइयां अर्पित करें। धूप-दीप करें। अंत में नाग पंचमी की आरती करें। यदि कुंडली में काल सर्प दोष हो तो शिवलिंग पर चांदी का नाग-नागिन का जोड़ा अर्पित करें।. इससे काल सर्प दोष के कारण मिलने वाले अशुभ फल से निजात मिलती है।

नाग पंचमी संयोग

इस बार नाग पंचमी पर कई योग बनने वाले हैं। इनमें शिववास योग, सिद्ध योग, साध्य योग, बव और बालव, करण योग शामिल है। इस बार नाग पंचमी हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। इन दुर्लभ संयोग में पूजा करने से व्यक्ति को सभी प्रकार के संकटों से मुक्ति मिलेगी और जीवन सुख-समृधि से भर जाएगा।

शिववास योग

वैदिक पंचांग के अनुसार नाग पंचमी पर दुर्लभ शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भगवान शिव कैलाश पर जगत जननी मां पार्वती के साथ रहेंगे। इस समय में शिव परिवार संग नाग देवता की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। साथ ही नाग देवता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा।

सिद्ध और साध्य योग

नाग पंचमी पर सिद्ध योग का भी संयोग बना रहा है। सिद्ध योग दोपहर 1:46 तक रहेगा। इस दौरान भगवान शिव की पूजा आराधना करने से सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। इसके बाद साध्य योग का निर्माण हो रहा है।

बालव करण योग

नाग पंचमी पर बल और बालव करण योग का योग का भी निर्माण हो रहा है। इस दौरान भगवान शिव और नाग देवता की पूजा करने से सभी संकट दूर होते हैं और उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

नागपंचमी तिथि

इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त 2024 को पड़ रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 09 अगस्त को मध्य रात्रि 12:36 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 अगस्त को देर रात्रि 03: 14 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा। इसके अलावा नाग पंचमी की पूजा सुबह 05:47 मिनट से लेकर 08:27 मिनट के बीच होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से लेकर दोपहर 12:53 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अमृत काल रात्रि 07:57 मिनट से 09:45 मिनट तक रहेगा।

कालसर्प दोष

कालसर्प दोष दूर करने के लिए नागपंचमी पर नागों की पूजा को काफी लाभकारी माना जाता है। कालसर्प दोष दूर करने के लिए महामृत्युंजय सर्पगायत्री जाप अथवा त्रंबकेश्वर आदि तीर्थ स्थानों में सर्प पूजा का विधान है। ज्योतिषों का कहना है कि सर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति नाग पंचमी के दिन चांदी अथवा तांबे का सांप का जोड़ा लेकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। ॐ नमः शिवाय अथवा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही सर्प गायत्री का जाप करें तो कालसर्प दोष राहत मिलती है।

नागपंचमी महत्व

नागपंचमी का त्योहार हिंदू धर्म में काफी मान्य है। इस दिन पूजा करने से सांप या नागों से परिवार की सुरक्षा होती है। साथ ही उन्हें लेकर मन का भय समाप्त हो जाता है। जिस जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है, उन्हें इसके कारण कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके लिए नागपंचमी के दिन पूजन करने से लाभ मिलता है।

नाग पंचमी पर भूल से भी अपने घर पर न बनाएं ये एक खास चीज

होता है बेहद अशुभ!

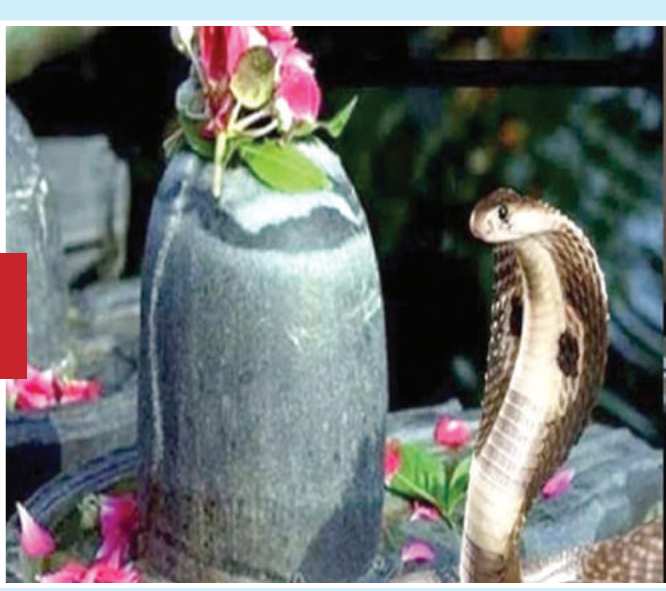

नागपंचमी के साथ कई तरह की मान्यताएं जुड़ी हुई हैं । माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा जी ने नागों को वरदान दिया था कि नागपंचमी के दिन उनकी पूजा होगी। लोग इस दिन अपने घरों में पूजा करते हैं और कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नागपंचमी के दिन घरों में रोटी नहीं बनाई जाती है? जी हां, ज्योतिष की मानें तो इस दिन घर पर रोटी बनाना अशुभ माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं इसके पीछे की धार्मिक वजह।

नागपंचमी का त्योहार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार, इस साल नागपंचमी का त्योहार 9 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा।

इस दिन लोग भगवान शिव के साथ-साथ नागों की पूजा-अर्चना करते हैं। नाग मंदिरों में लोग दूध आदि चढ़ाते हैं। इसके साथ-साथ मंदिरों में चांदी के नाग भी चढ़ाए जाते हैं। मान्यता है कि नागपंचमी के दिन नागों की पूजा करने से जीवन में सुख-शांति आती है और सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। किसानों के जीवन में भी नागपंचमी का बहुत महत्व माना जाता है। वे नागों की पूजा करके अपनी अच्छी फसल की कामना करते हैं।

नाग पंचमी का दिन उत्सव की तरह मनाया जाता है। मंदिरों से लेकर बाजारों तक रौनक देखने को मिलती है। कई जगहों पर मेले भी लगते हैं। इस दिन लोग अपने घरों में तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाकर आनंद लेते हैं। लेकिन नागपंचमी के दिन घरों में रोटी नहीं बनतीं। दरअसल इसके पीछे ये मान्यता है कि तवा लोहे से बना होता है और उसे सांप के फन के समान समझा जाता है। ऐसे में इस दिन इसे चूल्हे पर चढ़ाना सही नहीं माना जाता। इसलिए नागपंचमी के दिन घरों में रोटी नहीं बनाई जाती। कहा जाता है कि ऐसा करने से नाग रूठ जाते हैं और उसका बुरा प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है।

शनि देव बना रहे राजयोग

अगस्त में इन राशियों की खुल जाएगी लॉटरी

शनि देव वैसे तो अशुभ फल देने के लिए ही जाने जाते हैं, लेकिन अगस्त के महीने में शनि देव कुछ राशियों को अतिशुभ फल देने जा रहे हैं। इन राशियों में शनि देव शुभ फल बना रहे हैं, जिससे करियर, बिजनेस, लव लाइफ के लिए अच्छे सकेत मिल रहे है। जानते हैं इन राशियों के बारे में-

मेष राशि : – शनि देव सप्तम भाव से नवम-पंचम राजयोग बना रहे हैं, जो बिजनेस में अच्छा लाभ देने जा रहे हैं। शनि महाराज अगस्त में मेहनत का फल भी देने जा रहे हैं। शनि का स्वभाव कठोर है और अनुशासन प्रिय हैं, इसलिए इस महीने आपको आलस का त्याग करना होगा और लाइफस्टाइल को ठीक रखना होगा, नहीं तो हानि भी उठानी पड़ सकती है।

विवाह में आ रही बाधा भी अगस्त में दूर हो सकती है। इस माह आप स्वयं को बेहतर बनाने पर जोर देंगे, साथ ही लोगों के बीच आपकी छवि मजबूत बने इस दिशा में काम कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को जनता के बीच रहना होगा, आलोचनाओं से घबराएं नहीं उन पर विचार करें और सुधार कर करें।

उपाय– शनिवार के दिन शनि चालीसा का पाठ करें। निर्धन लोगों की सहायता करें।

कर्क राशि :– आपके सप्तम भाव के स्वामी शनि अष्टम भाव में स्वगृही होकर गोचर कर रहे हैं, जिस कारण अगस्त का महीना आपके लिए विशेष होने जा रहा है। वहीं जो लोग मीडिया, सेल्स एंड सर्विस, गारमेंट्स, वेबसाइट डिजाइनिंग जैसे फील्ड से जुड़े हैं तो शनि देव आपको अच्छा लाभ देने जा रहे हैं। अगस्त में लाभ हासिल करना है तो आलस को अलविदा कहना होगा, नहीं तो आए अवसर जा सकते हैं।

शनि यहां उन लोगों को भी लाभ देने जा रहे हैं, जिन्होने स्टार्टअप शुरू किया है। लेकिन यहां एक बात का ध्यान रखना होगा कि समय सीमा का पूरा ध्यान रखना होगा। शनि को झूठ और वादा खिलाफी पसंद नहीं है, इसलिए जो कहीं वही करें, नहीं तो शनि कठोर दंड देने में देर नहीं करेंगे।

उपाय– फलदार और छायादार वृक्ष लगाएं। बीमार पशुओं की सेवा करें।

तुला राशि :– आपके दशम भाव में शनि योग बनाकर अत्यंत शुभ फल देने जा रहे हैं। तुला राशि शनि की अति प्रिय राशि है तो फिर आपके कतई घबराने की जरूरत नहीं हैं। जो लोगो रोजगार की तलाश में हैं तो अगस्त के महीने में गुड़ न्यूज मिल सकती है। ऑफिस में आपके काम को लोग नॉटिस करेंगे। प्रमोशन की स्थिति भी बन सकती है। यदि आप लीडिंग पोजिशन में हैं तो आपकी स्थिति और मजबूत होगी। आप दूसरों से काम निकलवाने में सफल रहेंगे।

अगस्त में आपको अंहकार से दूर रहना होगा, यदि आप नशा करते हैं तो शनि दंडित कर सकते हैं। किसी स्कैंडल में नाम आ सकता हैं। इसलिए सतर्क रहें और गलत कामों से दूर रहें।

तुलसी को मौली बांधने से दूर होती है ये परेशानी

जानें लाल कलावे के अद्भुत चमत्कार

लाल कलावा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रतीक है। इसे अक्सर कलाई या गले में बांधा जाता है। इसे मौली, रक्षा सूत्र या धागा भी कहा जाता है। लाल रंग को शुभ माना जाता है और यह शक्ति, ऊर्जा और सौभाग्य का प्रतीक है। मान्यता है कि लाल कलावा बांधने से नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है और बुरी नजर से बचा जा सकता है। यह हिंदू धर्म में एक पवित्र धागा माना जाता है और इसे देवताओं का आशीर्वाद माना जाता है। शादियों, जन्मदिन और अन्य शुभ अवसरों पर लाल कलावा बांधा जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि लाल कलावा बांधने से देवताओं से जुड़ाव महसूस होता है।

सौभाग्य: लाल कलावा को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। लाल कलावा अगर तुलसी में बांधा जाए तो विपदा नहीं आती। पीपल पर लाल कलावा बांधने से सुख समृद्धि बनी रहती है। शमी पर लाल कलावा बांधने से राहु केतु के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। अगर केले के पेड़ पर आप लाल कलावा बांधते हैं तो इससे भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है और आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति मजबूत होती है।

लाल कलावा बांधने का तरीका

लाल कलावा को किसी भी शुभ मुहूर्त में बांधा जा सकता है। इसे बांधने से पहले इसे गंगाजल या पवित्र जल से धो लेना चाहिए। इसे तीन बार दाहिने हाथ से घुमाकर बांधा जाता है। लाल कलावा धर्म और संस्कृति से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह लोगों को सुरक्षा, आशीर्वाद और सौभाग्य प्रदान करता है। हालांकि, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सभी राशियों के लिए लाल कलावा शुभ नहीं होता है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए जरूर आजमाएं तुलसी के ये उपाय

दांपत्य जीवन होगा खुशहाल

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद शुभ माना गया है। इसमें धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए इस पौधे को घर में लगाने से सुख-शांति की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन की परेशानियों से छुटकारा मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी के उपाय करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

तुलसी के टोटके –जगत के पालनहार भगवान विष्णु को गुरुवार का दिन समर्पित है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद श्री हरि की पूजा करें और भोग लगाएं। साथ ही तुलसी दल भी अर्पित करें। पूजा के पश्चात तुलसी दल को पीले रंग के कपड़े में बांधकर धन के स्थान या तिजोरी में रख दें। इससे साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

अगर आप दांपत्य जीवन में सदैव प्रेम चाहते हैं, तो एकादशी के दिन पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में कलावा बांधें। साथ ही तुलसी माता से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति की कामना करें। इस टोटके को करने से श्री हरि की कृपा बनी रहती है। दांपत्य जीवन सदैव खुशहाल रहता है। अगर आप किसी संकट का सामना कर रहे हैं, तो सुबह स्नान करने के बाद तुलसी के पौधे की परिक्रमा लगाएं। साथ ही मनोकामना पूर्ति के लिए कामना करें। इस उपाय को करने से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही सभी प्रकार के संकट से मुक्ति मिलती है।

तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना गया है। ऐसे में एकादशी के दिन तुलसी के पौधे के देशी घी का दीपक जलाएं और परिक्रमा लगाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और जातक को धन की प्राप्ति होती है।

हंसिका मोटवानी की हॉरर फिल्म गांधारी का भयानक ट्रेलर रिलीज़

तमिल फिल्मों में अक्सर नजर आने वाली हंसिका मोटवानी अब गांधारी नाम की नई फिल्म लेकर आ रही हैं। हंसिका और निर्देशक आर कन्नन 2013 में सेट्टाई/क्रेजी के बाद गांधारी में साथ काम कर रहे हैं, जो डेल्ही बेली की रीमेक थी। निर्माताओं ने हॉरर फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया है।हालांकि ट्रेलर में बहुत कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन यह बताता है कि एक परित्यक्त और प्रेतवाधित महल की दिव्य सीलिंग टूट जाती है, जिससे गांधारी (हंसिका) नाम की एक आत्मा बाहर आ जाती है, जो उस जगह की रखवाली करती है। हंसिका, दोहरी भूमिका में हैं, फिल्म में हिंदू ट्रस्ट समिति की प्रमुख अधिकारी की भूमिका भी निभाती हैं।फिल्म की कहानी एक युवा महिला पर आधारित है जो हिंदू ट्रस्ट समिति की मुख्य अधिकारी के रूप में काम करती है और सदियों पहले एक पूर्व राजा द्वारा निर्मित गंधर्व कोट्टई नामक एक प्राचीन विशाल संरचना के अनुसंधान में जुट जाती है। इस प्रक्रिया में उसे कई चौंकाने वाली घटनाओं का सामना करना पड़ता है।हंसिका मेट्रो सिरीश, मायिलसामी, थलाइवासल विजय, आदुकलम नरेन, स्टंट सिल्वा, विनोदिनी, पवन, ब्रिगेडा सागा, वडिवेल मुरुगन, कलैरानी और कई अन्य कलाकारों के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल होंगी। निर्देशक आर कन्नन अपने मसाला पिक्स बैनर के तहत इस परियोजना का समर्थन करेंगे। तकनीकी दल में छायाकार बालासुब्रमण्यन, संगीत निर्देशक एलवी गणेश मुथु शामिल हैं। निर्माता अगस्त में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

खेल खेल में का नया गाना दूर न करें हुआ रिलीज

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म सरफिरा में नजर आ रहे हैं। हालांकि, इन दिनों सिनेमाघरों में लगी इस फिल्म की ज्यादा चर्चा नहीं है। इस बीच खिलाड़ी की अगली फिल्म चर्चा में हैं। अक्षय कुमार अब खेल खेल में फिल्म में नजर आएंगे। आज इस फिल्म का नया गाना दूर ना करीं रिलीज हुआ है। इसमें वे वाणी कपूर के साथ रोमांस करते नजर आए हैं। इस गाने को विशाल मिश्रा और जहरा एस खान ने गाया है।

इस गाने को दूर न करें को विशाल मिश्रा और जहरा एस खान ने आवाज दी है। इस गाने के बोल गीतकार कुमार ने लिखे हैं। तनिष्क बागची ने गाने को कंपोज किया है। इस फिल्म में तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान अहम किरदार अदा करते नजर आएंगे। एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।अक्षय कुमार की इस फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है।

फिल्म अगले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला कई चर्चित फिल्मों से होने वाला है। इनमें श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 और जॉन अब्राहम की वेदा जैसी फिल्में शामिल हैं।अक्षय कुमार की इस फिल्म को टी-सीरीज और वकाओ फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। दर्शकों को अब फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है। ट्रेलर 2 अगस्त को मुंबई में एक भव्य इवेंट में लॉन्च होगा। खेल खेल में के थिएट्रिकल ट्रेलर को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया है, जिसका रन टाइम 3 मिनट 8 सेकंड बताया जा रहा है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा इसी महीने रिलीज हुई। लेकिन, सिनेमाघरों में इसे कोई पानी भी पूछता नजर नहीं आ रहा है। 12 जुलाई को रिलीज हुई यह फिल्म कल्कि 2898 एडी, किल और अब अमेरिकी फिल्म डेडपूल और वूल्वरिन के बीच दबकर रह गई। अब देखना दिलचस्प होगा कि खेल खेल में अक्षय कुमार की किस्मत को कहां लेकर जाती है।

शमा सिकंदर ने क्रॉप टॉप पहन दिए किलर पोज

टीवी की खूबसूरत अदाकारा शमा सिकंदर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो आए दिन अपने स्टाइलिश लुक और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस से लोगों के बीच लाइमलाइट में बनी रहती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अवतार नजर आ रहा है. शमा ने ब्लू कलर डेनिम क्रॉप टॉप और पैंट पहना है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है साथ ही ईयररिंग्स उनपर काफी जच रहे हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. एक्ट्रेस का यह ग्लैमरस अवतार देख यूजर्स खुद को रोक नहीं पा रहे हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट ड्रॉप कर रहे हैं.टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर को अपने फैंस का दिल जीतना अच्छी तरह से आता है. एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस और बोल्ड फिगर के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं।वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए नहीं थकते हैं।बता दें कि चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका सिजलिंग अवतार अक्सर फैंस के बीच तबाही मचा देता है।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी जाह्नवी कपूर की उलझ

जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म उलझ दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब साबित हुई है। हालांकि रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी बज देखा जा रहा था लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसकी बेहद धीमी शुरुआत हुई। वीकेंड पर भी फिल्म की कमाई में मामूली तेजी ही देखी गई। वहीं वीकडेज में तो उलझ की हालत बेहद पतली हो गई है। फिल्म के लिए लाखों कमाना भी मुश्किल हो गया है। चलिए यहां जानते हैं उलझ ने रिलीज के 5वें दिन कितनी कमाई की है?जाह्नवी कपूर और गुलशन देवैया स्टारर फिल्म उलझ सिनेमाघरों में इस शुक्रवार को अजय देवगन स्टारर औरों में कहां दम था के साथ रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्में अलग-अलग जॉनर की हैं। लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच कर लाने में नाकामयाब रही हैं। खासतरौ पर उलझ का तो बहुत बुरा हाल है। यूं कहिए कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है। फिल्म की शुरुआत ही बेहद खराब हुई थी और फिर ओपनिंग वीकेंड पर भी ये टिकट काउंटर पर स्ट्रगल करती हुई नजर आई। वहीं अब रिलीज के पहले हफ्ते में ही ये फिल्म लाखों में सिमट गई है।फिल्म की कमाई की बात करें तो उलझ ने रिलीज के पहले दिन 1.15 करोड़ का केलक्शन किया था। दूसेर दिन फिल्म ने 1.75 करोड़ कमाए। तीसरे दिन फिल्म की कलेक्शन 2 करोड़ रहा और चौथे दिन उलझ ने 57 लाख का कलेक्शन किया। वहीं अब फिल्म की रिलीज के पांचवें दिन यानी

मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक उलझ ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को भी 65 लाख की कमाई की है। इसी के साथ उलझळ का 5 दिनों का कुल कारोबार अब 6.20 करोड़ रुपये हो गया है।उलझ का बॉक्स ऑफिस पर टिकना बेहद मुश्किल लग रहा है। फिल्म को रिलीज हुए महज 5 दिन हुए हैं और ये अब लाखों कमाने में भी काफी स्ट्रगल कर रही है। उलझ की कमाई की रफ्तार इतनी धीमी है कि अब इसका बॉक्स ऑफिस से पैकअप होता हुआ नजर आ रहा है। ये फिल्म अपनी आधी लागत तो दूर 10 करोड़ का आंकड़ा भी छूने में फेल साबित हो रही है।उलझ में जाह्नवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया, आदिल हुसैन, रोशन मैथ्यूज और राजेश तैलंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है।

15 नहीं अब 14 अगस्त को रिलीज होगी स्त्री 2!

हॉरर कॉमेडी फिल्म के 1 दिन पहले होंगे नाइट शो

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 अपनी रिलीज के नजदीक पहुंच रही है। स्त्री 2 को रिलीज होने में अब बस एक हफ्ता बचा है। इस बीच स्त्री 2 को लेकर बड़ा अपडेट आया है। स्त्री 2 आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है, लेकिन फिल्म स्त्री 2 की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट आया है। अब फिल्म एक दिन पहले यानि 14 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। बता दें, 15 अगस्त को जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की एक्शन ड्रामा फिल्म वेदा, अक्षय कुमार, फरदीन खान, एमी वर्क, आदित्य सील, तापसी पन्नू, प्रज्ञा जायसवाल, वाणी कपूर स्टारर कॉमेडी

ड्रामा फिल्म खेल खेल में भी रिलीज होने जा रही है।रिपोर्ट्स की मानें तो स्त्री 2 के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले यह बड़ा कदम उठाया है। फिल्म के डायरेक्टर अमर कौशिक के साथ मिलकर फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान और जियो स्टूडियोज ने 14 अगस्त को फिल्म स्त्री 2 के नाइट शो चलाने का प्लान किया है। इससे पहले स्त्री 2 के मेकर्स ने अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या के लिए भी ऐसा किया था और इसके मिडनाइट शो चलाए थे।वहीं, स्त्री 2 के नाइट शो 14 अगस्त को शाम 7.30 बजे से शुरू होंगे। 14 अगस्त को फैन ओनली इवेंट्स के जरिए स्त्री 2 के नाइट शो चलाने की तैयारी है। हालांकि के स्त्री 2 के मेकर्स की इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।स्त्री 2 के बारे में बता दें मडोक के हॉरर यूनिवर्स की फिल्म है, जिसका पहला पार्ट साल 2018 में रिलीज हुई थी। पूरे छह साल बाद स्त्री का पार्ट 2 आ आ रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज़्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 08 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 12:38 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 11:34 तक
योग : शिव दोपहर 12:38 तक
करण : वणिज प्रात: 11:21 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी , भद्रा प्रात: 11:20 से रात्रि 12:3 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के सीएम नायब सैनी का ऐलान

विनेश फोगाट को मिलेगा सिल्वर मेडल विजेता का सम्मान

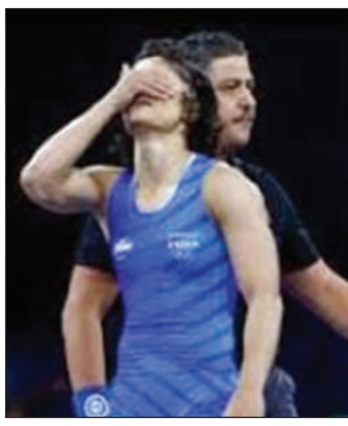

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 08 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय स्टार पहलवान विनेश फोगाट के साथ जो हुआ, वो किसी बुरे सपने से कम नहीं है। मात्र 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण सिर्फ भारत और विनेश की झोली से मेडल नहीं, बल्कि एक धाकड़ पहलवान का मनोबल भी टूट चुका है और उसने कुश्ती को अलविदा कह दिया। पेरिस ओलंपिक में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को बुधवार को महिलाओं की 50 किलोग्राम स्पर्धा में फाइनल से पहले मात्र 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं हरियाणा सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। सीएम नायब सैनी ने गुरुवार को घोषणा की कि रेसलर विनेश फोगाट को वह हर सुविधा और सम्मान मिलेगा जो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट को मिलता है।

उन्होंने घोषणा कर दी है कि भले ही विनेश फोगाट फाइनल नहीं खेल पाईं, लेकिन उन्हें इनाम से लेकर वो सभी सुविधाएं दी जाएंगी, जो एक ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट को दी जाती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने जबरदस्त प्रदर्शन करके ओलंपिक में फाइनल में प्रवेश किया था। किन्हीं भी कारणों से वो भले ही ओलंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हों, लेकिन हम सबके लिए वो एक चैंपियन है।

बता दें कि भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में फाइनल खेलने से पहले ही डिस्क्वालिफाई घोषित कर दिया गया और उनका संभावित सिल्वर मेडल भी छीन लिया गया। विनेश फोगाट को प्रतियोगिता के दौरान 50 किलोग्राम की सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया और इस तरह उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के अनुसार उन्हें अंतिम स्थान दिया गया।

अयोग्यता घोषित होने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दी है। कुश्ती से संन्यास का ऐलान करते हुए कहा कि, मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001–2024 । आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।

हरियाणा सरकार ने पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को छह करोड़ रुपए, सिल्वर जीतने वाले को चार करोड़ रुपए और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले को ढाई करोड़ रुपए की इनाम राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 15 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। इसके साथ ही मेडल के हिसाब से ग्रुप ए, ग्रुप बी या ग्रुप सी की सरकारी नौकरी भी दी जाएगी।

विनेश के फैसले पर महावीर फोगाट बोले

संन्यास वापस लेने के लिए मनाने का प्रयास करेंगे, सरकार के फैसले को सराहा

दादरी/सोनीपत, 08 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के दौरान निर्णायक बाउट से पहले अयोग्य घोषित होने से विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। विनेश के इस फैसले पर उनके कुश्ती के पहले गुरु एवं ताऊ द्रोणाचार्य अवार्डी पहलवान महावीर फोगाट ने प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि संन्यास का फैसला वापस लेने के लिए वो विनेश को मनाने का प्रयास करेंगे।

महावीर फोगाट ने कहा कि विनेश मानसिक रूप से टूट चुकी हैं और उनका प्रयास रहेगा कि विनेश को कुश्ती जारी रखने के साथ वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। द्रोणाचार्य अवार्डी ने कहा कि ये जो भी वाक्या हुआ वो बेहद गलत है और इसका सभी को मलाल है। वहीं, महावीर फोगाट ने प्रदेश सरकार के रजत पदक विजेता की तर्ज पर विनेश फौगाट को सम्मान और नकद राशि देने के फैसले को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से खिलाड़ी का कुछ हद तक मनोबल जरूर बढ़ेगा। बता दें कि विनेश फोगाट ने वर्ष 2001 में कुश्ती शुरू की थी। विनेश ने भी चचेरी बहन गीता व बबीता फोगाट की तरह महावीर फोगाट से ही कुश्ती के दांव–पेंच सीखे थे। पेरिस ओलंपिक में डिस्क्वालिफाई होने पर विनेश ने 23 साल के पहलवानी के सफर को विराम लगाते हुए सन्यास की घोषणा कर दी। उनके परिजन भी इस फैसले से स्तब्ध हैं। इस फैसले के बाद ताऊ महावीर फोगाट को छोड़कर विनेश की मां प्रेमलता या अन्य परिजन प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं।

हरियाणा के किसानों को 2000 बोनस कच्चे कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित

नायब सैनी कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

चंडीगढ़, 08 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में किसानों, कच्चे कर्मचारियों और मीडिया कर्मियों को लेकर सरकार ने कई फैसले लिए हैं। हरियाणा की नायब सिंह सैनी की सरकार ने किसानों को बोनस देने की घोषणा की है। हरियाणा के किसानों को प्रति एकड़ भूमि के हिसाब से 2000 रुपए का बोनस दिया जाएगा। यह बोनस की राशि चालू खरीफ की फसल पर किसानों को मिलेगा। एक एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को बोनस के 2000 रुपए मिलेंगे।

कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें उन्होंने बताया कि प्रदेश के कच्चे कर्मचारियों की नौकरी बिल्कुल सुरक्षित रहेगी। सभी अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाएं सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में लगभग 120000 कर्मचारी हैं। इन सभी कर्मियों की नौकरी को सुरक्षित करने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार कच्चे कर्मचारियों के हित में लगातार काम कर रही है। पहले की सरकार अनुबंध कर्मचारियों को लॉलीपॉप देती रही है, लेकिन भाजपा सरकार कांट्रैक्ट कर्मचारियों के लिए एक्ट लेकर आई है। सरकार ने 2014 में ही कर्मचारियों के लिए एक्ट पास किया था, जिससे उनकी नौकरी बिल्कुल सुरक्षित रहेगी।

वहीं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में मीडिया कर्मी मासिक पेंशन की शर्तों में दो शर्तों को हटाने का काम किया है। प्रदेश में पत्रकारों को 15000 रुपये मासिक पेंशन मिल रहे ही। यदि किसी मीडिया कर्मी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होता है तो उसे सरकार की तरफ से मिल रही पेंशन बंद हो जाएगी। वहीं, अगर परिवार में दो पत्रकार हैं तो दोनों सदस्यों को पेंशन मिलेगी। परिवार के केवल एक सदस्य को ही पेंशन के देने का प्रावधान था, इसे हटा दिया गया है। अगर दोनों पति–पत्नी पत्रकारिता में हैं तो दोनों को पेंशन दी जाएगी।

नकली अंकतालिका, प्रमाण पत्र मामले में 22 व्यक्तियों को दो वर्ष की सजा

श्रीगंगानगर, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने करीब 25 वर्ष पुराने नकली अंकतालिकाओं और प्रमाण पत्रों की बिक्री के मामले में 22 आरोपियों को गुरुवार को दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने इस मामले में कश्मीरसिंह, सुरेंद्रसिंह, मलकीतसिंह, गुरपालसिंह, परमजीतसिंह, खुशविंदरसिंह, चंदरसिंह, कृष्णकुमार बिश्नोई, बलदेवसिंह (पुत्र मोहरसिंह), गुरजिंदरपाल सिंह, पंकज चोपड़ा, हरगुरनाथसिंह, मुकेशकुमार गर्ग, मंदीपसिंह, राजपालसिंह, मनजीतसिंह, गुरविंदरसिंह, हरविंदरसिंह, बलवीरसिंह, केवलसिंह, बलदेवसिंह (पुत्र जीत शसिंह) एवं जसमतसिंह को नकली अंक तालिका बिक्री का दोषी मानते हुए उन पर जुर्माना भी किया।

आरोपियों ने पंजाब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से नकली अंक तालिका तथा प्रमाण पत्र बेचकर शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की। सीबीआई ने 25 आरोपियों के विरुद्ध 21 अप्रैल 1999 को आरोप पत्र दायर किया था। दो आरोपियों की मृत्यु हो जाने के कारण विचारण रोक दिया गया जबकि एक आरोपी को नाबालिग होने की वजह से अदालत ने बरी कर दिया। इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने की थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले सांसद लुंबाराम

क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों के जमा पैसे दिलवाने की अपील की

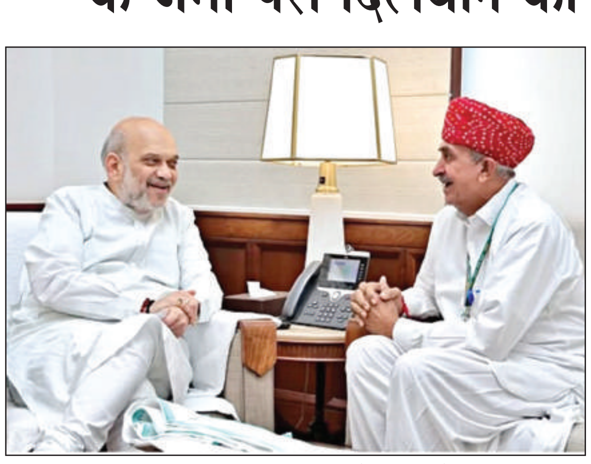

सिरोही, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में जालौर–सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने गुरुवार को केंद्रीय गृह एवं अधिकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों की अटकी जमाओं को लौटाकर उन्हें राहत प्रदान करने की मांग की। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि संस्था ने लुभावनी योजनाओं का लालच देकर निवेशकों के गाढ़ी मेहनत के आठ हजार करोड़ रुपये हड़पे हैं। इन्हें जल्द से जल्द वापस लौटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

बीजेपी जोधपुर संभाग सहमीडिया प्रभारी चिराग रावल ने बताया कि सांसद चौधरी ने मुलाकात के दौरान बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र सहित देश भर के गरीब–किसान को लाभकारी योजनाओं का झांसा देकर आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में धन जमा करवा रही थी। राशि के परिपक्व होने पर जमा चुकाने के बजाय हाथ खड़े कर दिए थे। ऐसे में आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में लोगों की करोड़ों की धनराशि डूब गई है। राजस्थान में सोसाइटी की 309 शाखाओं में करीब 10 लाख निवेशकों द्वारा लगभग आठ हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। क्षेत्र के गरीब, दैनिक मजदूर, ठेले वाले, रिक्शा वाले, फेरी वाले, मनरेगा मजदूर, छोटे किसान, छोटे व्यापारियों, रिटायर्ड कर्मचारी ने अपनी मेहनत की गाढी कमाई यह सोच कर आदर्श को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेश किया था कि कुछ साल बाद यह पैसा दोगुना होगा। परंतु आदर्श को–ऑपरेटिव सोसाइटी ने उन सब अरमानों पर पानी फेरते हुए राजस्थान में करीब आठ हजार करोड़ रुपये की निवेशित रकम अपनी कंपनी में निवेश कर उक्त गरीबों को धोखा दिखा दिया है। सांसद चौधरी ने कहा कि आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने विभिन्न अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण सोसाइटी की संपत्तियों को कुर्क कर दिया और सोसाइटी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया तथा सोसाइटी परि समापन करने के लिए परि समापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया गया है। आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों की जमा पैसा जल्द दिलवाकर निवेशकों को राहत प्रदान की जाए।

विधायक अमृत लाल मीणा का राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

उदयपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सलूंबर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक अमृत लाल मीणा का गुरुवार सायं उनके पैतृक गांव लालपुरिया में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज के प्रस्तावित कार्यक्रमों को स्थिगित कर लालपुरिया पहुंचे और श्री मीणा के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि और अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान श्री मीणा एवं श्री राठौड़ ने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

इस दौरान राज्य के मंत्री बाबूलाल खराड़ी, हेमंत मीणा एवं गौतम दक, विधायक चंद कृपलानी, फूल सिंह मीणा, ताराचंद जैन, प्रताप गमेती एवं उदयलाल डांगी, कांग्रेस के पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, सलूंबर की पूर्व विधायक बसंती देवी मीणा, पूर्व विधायक नानालाल अहारी, भाजपा उदयपुर के जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, प्रदेश कार्य समिति सदस्य बांसवाड़ा प्रभारी दिनेश भट्ट, प्रदेश के पूर्व महामंत्री सुशील कटारा, पूर्व विधायक अनीता कटारा सहित कई भाजपा पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने श्री अमृतलाल मीणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सैंकड़ों स्थानीय लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। इससे पहले अपराह्न में उनका पार्थिव शरीर उदयपुर से उनके पैतृक गांव लालपुरिया लाया गया और अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इससे पूर्व करीब डेढ़ बजे उनके पार्थिव शरीर को सलूंबर के डाक बंगला में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया जहां लोगों ने उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि अमृत लाल मीणा का बुधवार देर रात उदयपुर में निधन हो गया था। उनके निधन पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री श्री शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अशोक गहलोत, उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, भाजपा के हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां तथा भाजपा के कई नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने गहरा दुख जताया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार में घुसने के लिए बॉर्डर पर पहुंचे बांग्लादेशी किशनगंज के पाटागोरा पर बीएसएफ अलर्ट

पूर्णिया (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हुए उपद्रव के बाद भारत सरकार और बिहार पुलिस मुख्यालय ने भारत बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट घोषित कर दिया है, ताकि सीमा पार से कोई उपद्रवी घुसपैठ न कर सके। लेकिन मौजूदा स्थिति में किशनगंज से सटे बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांग्लादेश की सीमा पर सैकड़ो बांग्लादेशी नागरिक पहुंचकर भारत से शरण मांग रहे हैं। बांग्लादेशी नागरिकों के बॉर्डर पर जमा होने की सूचना मिलते ही बीएसएफ कमांडेंट अजय शुक्ला, इस्लामपुर थाने के एसपी जेबी थॉमस अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और हालत का जायजा लिया। उन्होंने बीएसफ के सहयोग से सभी

नागरिकों को वापस उनके गांव भेज दिया है।

बीते कई दिनों से बांग्लादेश में हिंसा का माहौल था। उपद्रव और हिंसा के भय से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी हिन्दू देश छोड़ने की कोशिशों में लगे हुए है, ताकि उनके जान-माल की रक्षा हो सके।

उनका कहना है कि उपद्रवी मुख्यरूप से हिन्दू परिवार पर ही हमला कर रहे हैं। इसलिए अपनी जान बचाने के लिए बॉर्डर पर बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश करने की मांग कर रहे हैं। इस क्रम में सीमा सुरक्षा बल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के अधीनस्थ दो बीओपी पर घुसपैठ करने की कोशिश की गई, जहां अधिकारियो और जवानों द्वारा समझा-बुझा कर सभी को वापस भेज दिया गया है।

बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को देखते हुए सभी बीओपी पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और आपात स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे सख्त निगरानी का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बल नजर बनाए रखने और क्षेत्र में सभी व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सेना स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और किसी भी घटनाक्रम का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

अंगदान के मामले में कर्नाटक भारत में दूसरे स्थान पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में अंगदान करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे यह राज्य भारत में अंगदान के मामले में दूसरे स्थान पर आ गया है।

2023 में, केंद्र सरकार ने कर्नाटक को देश का दूसरा सबसे अच्छा राज्य माना है, जहां 178 लोगों ने अंगदान किया है। बेल्लारी जिले में सबसे अधिक अंगदान करने वाले लोग हैं।

अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे

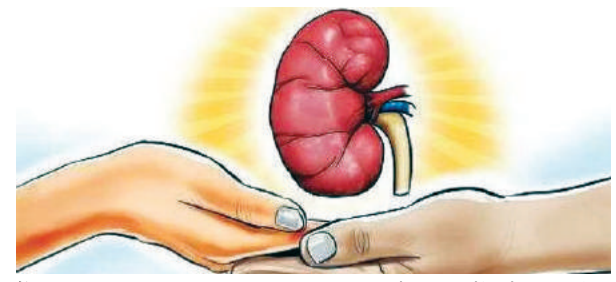

हैं।

आयुष्मान भव स्वास्थ्य सम्मेलन में शपथ लेने में भी कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहा। अंगदान को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए, कर्नाटक सरकार ने अंगदान करने वालों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित करने का आदेश जारी किया है। इस वर्ष, 26 जनवरी से 14 अगस्त के बीच अंगदान करने वालों को 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का मिला शव, परिजनों ने प्रेमिका पर लगाया हत्या का आरोप

हाजीपुर (एजेंसियां)। हाजीपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिलने इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाजीपुर सदर अस्पताल में भेज दिया है। परिवार वालों के मुताबिक मृतक 2 साल से अपने परिवार से मतलब नहीं रखता था और हाजीपुर में किराए के मकान लेकर रहता था। वहीं मृतक के बारे में बताया गया है कि अपनी प्रेमिका के साथ हाजीपुर में निजी कंपनी में काम कर गुजर बसर करता था।

मृतक की पहचान सोनपुर थाना क्षेत्र के सबलपुर निवासी दिलीप शर्मा के पुत्र कुमार सोनू 30 वर्षीय के रूप में हुई है। इधर, पूरा परिवार के लोग भी हाजीपुर सदर अस्पताल में पहुंच गए हैं, जहां पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार वालों को पुलिस ने सौंप दिया है। अब पुलिस भी पूरे मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। वहीं ग्रामीणों के मुताबिक परिवार वालों का आशंका है कि प्रेमिका के द्वारा कोई जहरीला पदार्थ खिलाकर इसकी हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस हर बिंदु पर जांच पड़ताल करने में लगी हुई है।

मालिक से मिलने के लिए श्वान महाराष्ट्र से 250 किलोमीटर की यात्रा कर बेलगावी पहुंचा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। निपानी तालुक के यमगरन गांव में एक दिल को छू लेने वाली घटना में, ग्रामीणों ने महाराजा नामक एक काले श्वान की वापसी का जश्न मनाया, जो कुछ दिन पहले लापता हो गया था। महाराष्ट्र के पंढरपुर में तीर्थयात्रा के दौरान खोया हुआ श्वान, कर्नाटक के बेलगावी में अपने गांव पहुंचने के लिए लगभग 250 किलोमीटर की दूरी तय करके घर वापस आने में कामयाब रहा। महाराजा अपने मालिक कमलेश कुंभार के साथ जून के अंत में पंढरपुर की वार्षिक वारी पदयात्रा पर गया था। तीर्थयात्रा के दौरान, महाराजा भगवान विट्ठल के दर्शन करने के बाद भीड़ में खो गया। काफी खोजबीन के बावजूद, कुंभार श्वान को खोजने में असमर्थ रहे और 14 जुलाई को यह सोचकर घर लौट आए कि वह किसी अन्य समूह में शामिल हो गया है। उन्हें आश्चर्य हुआ कि महाराजा अगले ही दिन उनके दरवाजे पर दिखाई दिया, जो स्वस्थ और अच्छी तरह से खिला हुआ दिख रहा था।

गांव वालों ने श्वान की चमत्कारिक वापसी का जश्न मनाया, यह मानते हुए कि भगवान पांडुरंग ने उसे वापस लौटाया है। यह कार्यक्रम खुशी और कृतज्ञता से भरा हुआ था, क्योंकि गांव वालों ने महाराजा को फूलों की माला पहनाई और श्वान की अविश्वसनीय घर वापसी पर खुशी मनाई।

साधु के भेष में महिलाओं को बनाते थे शिकार, उड़ा देते थे गहने, दो शातिर गिरफ्तार

गया (एजेंसियां)। बिहार के गया में अब साधु के भेष में भी शातिर लूटपाट की घटना को अंजाम देने लगे हैं। कुछ ऐसा ही मामला गया शहर से सामने आया है। ऐसे शातिर चेन स्नैचर्स के गिरोह को पुलिस ने पकड़ा है, जो साधु की भेष में महिलाओं के आभूषण पर अपना हाथ साफ करते थे। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें आरोपियों की पहचान बिहार के रोहतास जिले के तिलौथू गांव के रहने वाला गुड्डू लठौर और कंपे लठौर के रूप में हुई है।

इस संबंध में शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पुलिस अड्डा के पास रहने वाले रॉकी कुमार ने बताया कि बीते दिन सुबह घर से बाहर गए थे। घर पर पत्नी अकेली थी। इसी बीच दोपहर घर पर साधु की वेषभूषा में दो साधु भीख मांगने आए थे। पत्नी पैसे के रूप में भीख देने घर से निकली, लेकिन दोनों साधुओं ने भीख के रूप में चावल मांगा। पत्नी ने दोनों साधुओं को चावल लाकर दे दिया। उसके बाद दोनों ने चावल में कुछ मिलाकर पत्नी के ऊपर छिड़क दिया। चावल छिटकते ही पत्नी बेहोश हो गई। फिर दोनों साधु ने पत्नी के गले से मंगलसूत्र, कान का गहना और घर में रखे 4200 लेकर फरार हो गए। जब जानकारी मिली तो दोनों ठग साधुओं की खोजबीन करने लगे। अचानक शहर के गुरुद्वारा रोड के समीप दो संदिग्ध साधु नजर आया। दोनों को पकड़ कर पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया।

अपराधियों ने सत्ता पक्ष के जदयू नेता की गोली मारकर की हत्या, सैलून में घुसकर दिया घटना को अंजाम

बेतिया (एजेंसियां)। बेतिया में हथियारबंद अपराधियों ने जदयू के प्रखंड अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बगहा पुलिस जिला के धनहा थाना क्षेत्र के तमकुहवा चौक की है। मृतक भितहा प्रखंड के जदयू प्रखंड अध्यक्ष विभव राय थे। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि विभव राय तमकुहवा विजय चौक पर सैलून में दाढ़ी बनवा रहे थे। तभी अचानक हथियारबंद कई अपराधी सैलून के अंदर घुसे और उनके सिर में गोली मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई है। आननफानन में स्थानीय लोगों ने उन्हें दहवा सीएचसी ले गये, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंचीऔर जांच पड़ताल में जुट गई।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार की देर शाम विभव राय स्कॉर्पियों से तमकुहवा बाजार पहुंचे थे। वहां वह गांव के ही एक विकास नामक व्यक्ति के सैलून में दाढ़ी बनवाने लगे। इसी दौरान बाइक

से दो अपराधी वहां पहुंचे और सैलून में घुस गए। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, अपराधियों ने उनके सिर में गोली मारकर मौके से फरार हो गए। गोली चलते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। आननफानन में स्थानीय लोग विभव राय को लेकर दहवा सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

विभव राय वर्तमान में खैरवा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष भी थे। घटना की सूचना मिलते धनहा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आसपास के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है।

जदयू नेता की हत्या के बाद स्थानीय लोगों और उनके समर्थकों का गुस्सा एकाएक भड़क उठा और लोग जमकर बवाल करने लगे। लोगों ने शव को सड़क पर रखकर गोरखपुर-बगहा मुख्य पथ को तमकुहवा चौक के पास जाम कर दिया है। जाम स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद हैं। गुस्साए लोगों को समझाकर शांत कराने की कोशिश कर रही है, लेकिन लोग मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

किंगमेकर को धूल चटा नीतिका बनी क्वीन जिला परिषद उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुनी गईं

पटना (एजेंसियां)। खगड़िया जिले में जिप उपाध्यक्ष का चुनाव गुरुवार को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराया गया। जिसमें जिप उपाध्यक्ष पद पर नीतिका कुमारी को निर्विरोध चुन लिया गया। गौरतलब है कि खगड़िया समहरणालय की सभा कक्ष में मतदान को लेकर डीएम अमित कुमार पांडेय की अगुवाई में जिला परिषद सदस्यों की बैठक बुलाई गई थी। जिसमे 17 सदस्यों में नीतिका कुमारी के साथ 11 जिप सदस्यों ने भाग लिया। जबकि पूर्व जिप उपाध्यक्ष श्वेत सीखा और उनके अन्य समर्थक

जिप सदस्य इस मतदान से नदारद रहे। जिसका नतीजा ये रहा कि नीतिका कुमारी निर्विरोध उपाध्यक्ष चुन ली गई। जो अब कार्यवाहक जिप अध्यक्ष की भूमिका भी निभाएंगी। इस तरह कहा जा सकता है कि खगड़िया जिला परिषद में नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष नीतिका कुमारी क्वीन बन बैठी हैं।

बता दें कि बीते दिनों जिला परिषद उपाध्यक्ष श्वेत शिखा पर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। निर्धारित तिथि को जिला परिषद उपाध्यक्ष पद के अविश्वास प्रस्ताव को लेकर विशेष बैठक करायी गई। जिसमें उनकी कुर्सी चली गई थी। वहीं पूर्व जिप उपाध्यक्ष के ससुर और पूर्व मुखिया अशोक सिंह की गोलबंदी पूरी तरह ध्वस्त होते दिखा। खुद को किंग मेकर कहने वाले पूर्व मुखिया के एक भी जिप सदस्य मतदान के लिए नहीं पहुंचे।

गुरुवार को जिप उपाध्यक्ष चुनाव संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष नीतिका कुमारी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी जीत खगड़िया की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि पहले जिला परिषद के कार्यालय में अनियमितता और भ्रष्टाचारियों का बोलबाला था। उन्होंने कहा कि उनका सबसे पहला काम जिला परिषद कार्यालय से हुए 56 लाख की अवैध निकासी के मामले में दोषियों पर शिकंजा कसना होगा। उपाध्यक्ष ने कहा कि इस गबन में जो भी शामिल होंगे उनको जनता के पाई पाई लौटान पड़ेगा।

झारखंड पुलिस पहुंची नवादा, ठगी के मामले में मामा-भांजे को किया गिरफ्तार

नवादा (एजेंसियां)। स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार पर ठगी के करीब 15 लाख सोने के जेवरात खरीदने का आरोप है। बताया जा रहा है कि कोडरमा जिले के मर्चाई गांव में साधु के वेश में रहे दो ठग एक दंपति से 15 भर सोने के जेवरात की ठगी की घटना को अंजाम दिया था। वहीं, घटना के बाद पीड़ित दंपति ने इस घटना की लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस में की है।

ठगी की इस वारदात के बाद झारखंड के कोडरमा जिले के सतगावा थाना की पुलिस ने आरोपी दो ठग को नवादा जिले के बुंदेलखंड थाना क्षेत्र के तकिया

पर मोहल्ले से गिरफ्तार कर ठगी की गई सोने की बरामदगी में जुटी है।

दोनों साधु के वेश में ठग रिश्ते में मामा-भांजा बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर दोनों ठग साधु के वेश में झारखंड के कोडरमा जिले के मार्चोई गांव के निवासी सुधीर सिंह के घर से 15 भर के सोने के गहने को लेकर रफूचक्कर हो गए थे। झारखंड के कोडरमा जिले की सतगावां पुलिस ने बताया कि दोनों ठगों द्वारा नवादा में सोने के जेवरात को बेचा गया था।

फिलहाल झारखंड पुलिस दोनों ठग को अपने हिरासत में लेकर स्वर्ण व्यवसायी के घर पहुंची और छापेमारी की। वहीं, स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार फरार बताया जा रहा है।

पुलिस के हत्थे चढ़े दोनों ठग नवादा शहर के तकिया पर मोहल्ले में एक किराए के मकान में रह कर साधु का रूप धारण कर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार ठग मो. शमशाद और चुन्नू कुमार के बताए गए हैं। झारखंड पुलिस गिरफ्तार ठग की पहचान को सत्यापित करने में जुटी है।

जर्जर सड़क और जलजमाव को लेकर फूटा लोगों का गुस्सा, सांसद व विधायक के खिलाफ की नारेबाजी

सहरसा (एजेंसियां)। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीरज कुमार निराला के नेतृत्व में बनमा ईटहरी के कई सड़क के निर्माण और जलजमाव से मुक्ति के लिए सांसद एवं सोनबरसा के विधायक सह मंत्री का पुतला दहन किया गया। लोगों ने कहा कि प्रखंड अंतर्गत मुरली से तेलियाहाट बाजार को जोड़ने वाली सड़क जो रसलपुर, फकीराचक, खुरासन व कुसमिहि होते हुए तेलियाहाट

बाजार तक जाती है, सड़क कई वर्षों से गड्ढे में बदल गई है, लेकिन कई बार सांसद एवं विधायक के आश्वासन के बावजूद अभी तक निर्माण नहीं हो पाया।

सुगम चौक से बनमा चौक तक दर्जनों गड्ढे होने के कारण लोगों को आवाजही करने में परेशानी होती है। लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि प्रखंड की दर्जनों सड़क जो वर्षों से गड्ढे में तब्दील है।

झारखंड जाने वाली सड़क पर बना पुल ध्वस्त, तेज बहाव नहीं झेल पाया

पटना (एजेंसियां)। बिहार में पुल गिरने का सिलसिला जारी है। अब गया के इमामगंज प्रखंड में नदी पर बना पुल पानी के तेज बहाव में टूट गया। कुछ साल पहले ही इस पुल की मरम्मत किया गया था। आज इस पुल ने भी दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, इमामगंज प्रखंड में स्थित मंझौली गांव से झारखंड की ओर जाने वाली लिंक रोड पर बना पुल पानी के तेज बहाव के आगे नहीं टिका और ध्वस्त हो गया। जिसके वजह से दर्जनों गांवों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। यह पुल बिहार को झारखंड से जोड़ती है।

बताया जा रहा है कि करीब 13 साल पूर्व मंझौली गांव के समीप झारखंड जाने वाली सड़क पर छलटा पुल का निर्माण कराया गया था। जो आज पानी के तेज बहाव में ध्वस्त हो गया। इसके वजह से मंझौली, कलामी, सेवती, नेवी गांव समेत दर्जनों

गांवों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। हाल के दिनों में बिहार में कई पुल गिरने की घटनाएं सामने आई है, जिसे लेकर पूरे देश में बिहार के किरकिरी हो रही है। इसके पहले बिहार के कई जिलों में पहले भी पुल ध्वस्त हो गया था। उसके बाद काफी हंगामा हुआ था। अभी भी कई पुल क्षतिग्रस्त हालत में है, जिसकी मरम्मत चल रही है। इस नई घटना के बाद पुल के गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लोगों का कहना है कि अंग्रेजों के जमाने के बने कई पुल अभी भी सही सलामत खड़े हैं, लेकिन नए पुल लगातार गिर रहे हैं। इस संबंध में मंझौली पंचायत के मुखिया उत्तमदीप कुमार यादव ने बताया कि मंझौली से झारखंड जाने के रास्ते में एक छलटा पुल का निर्माण कराया गया था। पानी के तेज बहाव के कारण यह पुल नहीं टिकी और ध्वस्त हो गया। जिसके कारण आस पास के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल लोगों की समस्या को देखते हुए अपने फंड से लोगों को आने जाने के लिए मरम्मत कराया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com